



कांग्रेस ने पहली बार कडाबा नगर पंचायत चुनाव में 8 सीटें जीतीं... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 21 अगस्त, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : <https://www.shubhlabhdaily.com> | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-231

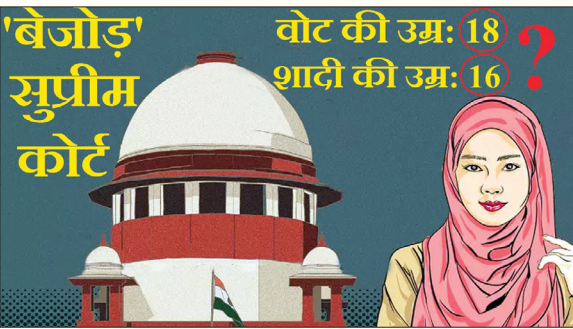
सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल की लड़की की शादी को वैध ठहराया

मुस्लिम पर्सनल लॉ के मुताबिक चल रहा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जिस देश में वोट डालने की परिपक्वता-उम्र 18 वर्ष निर्धारित की गई है, उसी देश का सुप्रीम कोर्ट 16 वर्ष की कम उम्र में हुई किसी लड़की की शादी को पूरी तरह कानूनी घोषित कर देता है। जिस भारत देश का अपना संविधान और कानून है, उस देश में सुप्रीम कोर्ट मुस्लिम पर्सनल लॉ के नियमों का हवाला देते हुए 16 साल की बच्ची की

शादी को वैध करार देता हो, उसके बारे में क्या कहा जाए! यह अच्छा संकेत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का यह बेजोड़ फैसला यही बताता है कि भारतीय संविधान और कानून से अधिक संगत मुस्लिम पर्सनल लॉ के प्रावधान हैं। यह तब हो रहा है जब देश में समान नागरिक संहिता लागू करने की आवश्यकता महसूस की जा रही हो। फिर एक्टिविज्म पर उतारू सुप्रीम कोर्ट को

मतदान की उम्र भी तत्काल प्रभाव से 16 वर्ष कर देनी चाहिए, या उसे मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड से इस बारे में निर्देश लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल की नाबालिग मुस्लिम लड़की की शादी को वैध करार दिया है। यह



फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की याचिका खारिज कर दी। एनसीपीसीआर ने पंजाब और हरियाणा हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा

16 साल की मुस्लिम लड़की की शादी को कानूनी तौर पर वैध करार देने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग को याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं

है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी जिसमें हाई कोर्ट ने 16 साल की मुस्लिम युवती की शादी को कानूनी तौर पर वैध करार दिया था। हाई कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के आधार पर शादी को वैध करार दिया था। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग का कहना था कि यह फैसला बाल विवाह

निषेध कानून 2006 के विपरीत है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के आधार पर इस शादी को वैध करार देते हुए एक मुस्लिम जोड़े को सुरक्षा प्रदान की थी। उल्लेखनीय है कि पाँक्सो एक्ट के तहत 18 साल से कम उम्र की लड़की से शारीरिक संबंध बनाना अपराध है, भले ही वह लड़की की सहमति से बनाया गया हो।

►10पर

केंद्रीय गृह मंत्री ने लोकसभा में पेश किया संवेदनशील विधेयक

पीएम-सीएम-मंत्री 30 दिन जेल में रहे तो पद मुक्त

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत सरकार की तरफ से केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीन विधेयक सदन में पेश किए। विधेयक के मुताबिक अगर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 या उससे अधिक दिनों के लिए गिरफ्तार या हिरासत में लिया जाता है तो उन्हें उनके पद से हटाया जा सकेगा। अमित शाह ने जैसे ही यह विधेयक पेश किया, विपक्षी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। उन्होंने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की तरफ फेंकी। इसके साथ ही वे नारेबाजी करते हुए सदन के बीच में पहुंच गए। इस हंगामे के कारण दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ये विधेयक जल्दबाजी में नहीं लाए गए हैं। इन्हें संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भी भेजा जाएगा, जिसमें सभी दलों के सांसद सुझाव दे सकेंगे। शाह ने कहा, हमें इतना भी बेशर्मा नहीं होना चाहिए कि गंभीर आरोपों में जेल में होने के बावजूद संवैधानिक पदों पर बने रहें। कांग्रेस के किसी वेणुगोपाल और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी जैसे विपक्षी



आपराधिक आरोपों पर लोक-सेवक रहने का अधिकार नहीं
विपक्ष के विरोध पर विधेयक को जेपीसी भेजने का निर्णय

सांसदों ने इस विधेयक का विरोध किया और इसे संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया। ये तीन विधेयक केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक

2025; संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025 हैं। इनका मकसद यह है कि अगर प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को किसी गंभीर अपराध में गिरफ्तार कर लगातार तीस दिनों तक जेल में रखा जाता है, तो 31वें दिन वे अपने पद से हटा दिए जाएंगे। दिलचस्प बात यह है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी ने गिरफ्तारी के बावजूद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। एक विधेयक में प्रावधान है कि अगर कोई मंत्री लगातार तीस दिनों तक किसी ऐसे अपराध के आरोप में हिरासत में रहता है, जिसकी सजा पांच साल या उससे अधिक हो सकती है, तो राष्ट्रपति उन्हें प्रधानमंत्री की सलाह पर 31वें दिन हटा देंगे। अगर प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते, तो 31वें दिन के बाद वह व्यक्ति खुद-ब-खुद मंत्री पद से हटा हुआ माना जाएगा। विपक्ष ने इन विधेयकों को तानाशाही वाले और अलोकतांत्रिक बताया और भाजपा पर देश को पुलिस राज्य में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि ये विधेयक पूरी तरह से तानाशाही वाले हैं और संविधान के खिलाफ हैं। ►10पर

रूसी राजनयिक ने कहा, भारत पर अमेरिकी दबाव गलत

रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा भारत

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)

। रूस से कच्चा तेल खरीद रहे भारत पर अमेरिका का दबाव बिल्कुल अनुचित है। वरिष्ठ रूसी राजनयिक एवं रूसी मिशन के उप प्रमुख रोमन बाबुशकिन ने कहा, हमें विश्वास है कि बाहरी दबाव के बावजूद भारत-रूस के बीच ऊर्जा सहयोग जारी रहेगा। रूस के राजनयिक ने कहा कि यह भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण स्थिति है और हमें नई दिल्ली के साथ अपने संबंधों पर भरोसा है। रूसी राजनयिक ने कहा कि वाशिंगटन भारत को मित्र देश कहता है, पर दोस्त जैसा व्यवहार नहीं करता। रूस के विरुद्ध पश्चिमी देशों के दंडात्मक उपायों पर रूसी राजनयिक ने कहा कि प्रतिबंध उन लोगों पर ही प्रहार कर रहे हैं जो इन्हें लगा रहे हैं। पश्चिमी देशों की ओर से लगाए जा रहे दंडात्मक उपाय उनका ही नुकसान कर रहे हैं। बाबुशकिन ने कहा, प्रतिबंध उन लोगों पर ही प्रहार कर रहे हैं जो इन्हें लगा रहे हैं। मौजूदा वैश्विक उथल-पुथल के बीच



अमेरिका भारत को दोस्त कहता है, पर दोस्त जैसा नहीं

स्थिरता लाने वाली ताकत के रूप में ब्रिक्स की भूमिका बढ़ेगी। बाबुशकिन की यह टिप्पणी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव की पृष्ठभूमि में आई है। इसमें रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त जुर्माना भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस महीने एक कार्यकारी आदेश जारी कर नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की निरंतर खरीद के लिए दंड के रूप में भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया। रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों द्वारा मास्को पर प्रतिबंध लगाने और उसकी आपूर्ति बंद करने के बाद भारत ने छूट पर बेचे जाने वाले रूसी तेल को खरीदना शुरू कर दिया। ►10पर

चुनाव आयोग ने फिर जारी किया ताजा बुलेटिन

किसी भी पार्टी ने दर्ज नहीं कराई आपत्ति



पटना, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिहार में किए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में बार-बार आग्रह

और आह्वान के बावजूद अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने चुनाव आयोग में एक भी आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। चुनाव आयोग ने साफ-साफ कहा है कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में कोई भी योग्य मतदाता छूटेगा नहीं और कोई भी अयोग्य मतदाता जुड़ेगा नहीं।

उधर, एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में इंडी गठबंधन चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और अन्य विपक्षी नेता मतदाता पुनरीक्षण कार्य के विरोध में वोट अधिकार यात्रा कर रहे हैं। ►10पर

लोकसभा से पारित हुआ ऑनलाइन गेमिंग विधेयक 2025

बच्चों को गेमिंग की लत से बचाने की सार्थक पहल



नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन व विनियमन विधेयक, 2025 पेश किया। जिसे निचले सदन ने पास कर दिया। सरकार की ओर से सदन में पेश किए गए बिल में पैसे के इस्तेमाल से खेली जाने वाले ऑनलाइन गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही गई है। इन गेम्स के कारण बच्चों और युवाओं को इसकी लत लग जाती है। इसके अलावा उन्हें वित्तीय नुकसान भी होता और इस कारण आत्महत्याएं भी होती हैं। सरकार का अनुमान है कि लगभग 45 करोड़ लोग हर साल ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग में करीब 20,000 करोड़ रुपए गंवाते हैं। ►10पर

अब सरकार ने बनाई अयोग्य राशन कार्ड धारकों की लिस्ट

1.17 करोड़ लोगों के नाम काटने का राज्यों को निर्देश



नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र की मोदी सरकार ने राशन कार्ड धारकों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ऐसे कार्ड धारकों की लिस्ट तैयार कर रही है जो मुफ्त राशन योजना के लिए पात्र नहीं हैं, सरकार की मानें तो वे ऐसे लोग हैं जिनकी आय ज्यादा है और वो टैक्स भरते हैं या फिर उनके घरों में लोग चार पहिया वाहनों के मालिक हैं। केंद्र ने इसको लेकर राज्य सरकारों को 1 करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम काटने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि ऐसे लोगों पर अंकुश लगाया जा सके। दरअसल केंद्र सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने आयकर विभाग (करदाता), कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (निदेशक) और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (चार पहिया वाहन मालिक) ►10पर

एनसीईआरटी ने जारी किया नया पाठ्य मॉड्यूल

पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पढ़ेंगे छात्र



नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीईआरटी ने अपने नए पाठ्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को शामिल किया है। इसमें ऑपरेशन सिंदूर को सैन्य सफलता, तकनीकी सफलता और राजनीतिक संदेश, सब एक साथ बताया गया है। एनसीईआरटी ने दो मॉड्यूल जारी किए हैं, एक प्रारंभिक (कक्षा 3 से 5), मिडिल स्टेज (कक्षा 6 से 8) के लिए और दूसरा सेकेंडरी स्टेज (कक्षा 9 से 12) के लिए। स्कूली छात्रों के लिए ऑपरेशन सिंदूर पर एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल के अनुसार, पहलगाम हमले का सीधे तौर पर पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने आदेश दिया था और भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कमांड और नियंत्रण केंद्र, रडार, सतह से हवा में मार करने वाले निर्देशित हथियार, ►10पर

कार्टून कॉर्नर



मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 21°

कारोबारी घरानों की सूची में यूपी के 19 अमीर परिवार

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। देश के रसूलदार परिवारों और कारोबारी गलियारों में उत्तर प्रदेश का दबदबा बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि बार्कलेज हरुन इंडिया की ओर से जारी देश के सबसे मूल्यवान कारोबारी घरानों की सूची में उत्तर प्रदेश के 19 अमीर परिवार शामिल हैं। इनकी नेटवर्थ करीब 10 लाख करोड़ रुपए है। इस सूची में पहली बार कानपुर शामिल नहीं है। कानपुर से पिछली सूची में घड़ी डिजिट और जेके परिवार शामिल थी। एक साल में यूपी के कारोबारी घरानों की सूची में शामिल संख्या 16 से बढ़कर 19 हो गई है।

बार्कलेज हरुन इंडिया ने जारी की रिपोर्ट



यूपी के घरानों में लखनऊ की पीटीसी इंडस्ट्रीज और आगरा की अग्रवाल परिवार है। वहीं, 15 घराने नोएडा और दोगाजिबाद के हैं। लखनऊ की पीटीसी परिवार ने 23400 करोड़ के कारोबार के साथ सूची में जगह बनाई है। अंबानी परिवार 28.2 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ सूची में शीर्ष पर है। वहीं, 6.5 लाख करोड़ के साथ कुमार मंगलम बिड़ला परिवार दूसरे और

5.7 लाख करोड़ के साथ ज़िंदल परिवार तीसरे स्थान पर है। सूची में शामिल 300 कारोबारी परिवार 20 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहे हैं। इन परिवारों ने 1.8 लाख करोड़ रुपए आयकर दिया। वहीं, 22 कंपनियों की कमान महिलाओं के हाथों में है। 89 प्रतिशत कंपनियां उत्पाद और 11 प्रतिशत सेवाएं बेचती हैं। देश के सबसे मूल्यवान परिवार बिजनेस की सूची में 300 परिवार हैं। इनका कुल कारोबार 134 लाख करोड़ रुपए है जो तुर्की व फिनलैंड समेत 56 देशों के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से ज्यादा है। ►10पर

अंबानी परिवार की सम्पत्ति अडाणी से दोगुनी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हरुन-बार्कलेज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 300 सबसे मूल्यवान भारतीय परिवारों के पास 1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (140 लाख करोड़ रुपए) से अधिक की सम्पत्ति है। यह देश की जीडीपी के 40 प्रतिशत से भी अधिक है। अकेले अंबानी परिवार की सम्पत्ति जीडीपी का 12 प्रतिशत है। यह अडाणी परिवार की 14.01 लाख करोड़ रुपए की सम्पत्ति से दोगुनी से भी अधिक है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के 300 सबसे मूल्यवान भारतीय परिवारों के पास 1.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (140 लाख करोड़ रुपए) से अधिक की सम्पत्ति है। यह देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 40 प्रतिशत से भी अधिक है। अकेले अंबानी परिवार की सम्पत्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 12 प्रतिशत है। हरुन-बार्कलेज की रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी परिवार की सम्पत्ति में पिछले वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे यह देश में सबसे मूल्यवान पारिवारिक व्यवसाय के रूप में अपनी रैंकिंग बरकरार रखने में सफल रहा है। वहीं दूसरी ओर, अडाणी समूह पहली पीढ़ी के उद्यमी की ओर से शुरू किया गया देश का सबसे मूल्यवान व्यवसाय है। रिपोर्ट में दिए गए, आंकड़ों के अनुसार कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की सम्पत्ति पिछले साल 20 प्रतिशत बढ़कर 6.47 लाख करोड़ रुपए हो गई। वे पीढ़ी दर पीढ़ी आधार पर सम्पत्ति अर्जित करने वाले परिवारों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। ►10पर



आत्म लोचन का पावन पर्व है पर्यूषण: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में पर्यूषण पर्व के प्रथम दिवस पर साध्वी निर्मला के सान्निध्य में साध्वी नंदिनी ने कहा कि पर्यूषण पर्व आत्मालोचन और आत्मशुद्धि का पर्व है। यह हमें स्वयं का निरीक्षण करने और धर्म आराधना से जुड़ने का अनुपम अवसर प्रदान करता है। पर्यूषण पर्व हमें जगने के लिए आता है। पर्व दो प्रकार के होते हैं, लौकिक पर्व जिनमें शरीर और बाह्य उत्सव पर ध्यान होता है। लोकोत्तर पर्व जिनमें आत्मा का पोषण और शुद्धि होती है।

पर्यूषण पर्व एक लोकोत्तर पर्व है। यह हमें स्वयं का निरीक्षण



करने का अवसर देता है। इस पवित्र पर्व पर हमें धर्म आराधना से जुड़ने का अनुपम अवसर मिलता है। प्रायश्चित्त अज्ञान और अविवेक की अवस्थाओं का परिमार्जन है। आत्मालोचन का अर्थ है अपनी आत्मा को देखना,

अपने दोषों की आलोचना करना और यह संकल्प लेना कि जो पाप और वृत्तियाँ हमसे हुई हैं, वे दुबारा न हों।

इसी भाव से पर्यूषण पर्व का हर दिन हमें आत्मोन्नति की ओर अग्रसर करता है। आठ दिन के

पर्यूषण महापर्व में सामायिक प्रतिक्रमण पौषध उपवास एकासन आदि आराधना करने का लक्ष्य रखें। सुख का राजमार्ग विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि बाहर से भीतर की यात्रा ही सच्चे सुख का मार्ग है। संसार धोखा देता है, प्रभु

अवसर देते हैं। जिसने अवसर दिया उसे कभी धोखा न दें। ममता का त्याग कर समता को धारण करना ही जीवन की वास्तविक साधना है।

पूर्व में अंतकृत दशांक सूत्र का वाचन साध्वी ऋषिता ने किया। साध्वी नंदिनी ने विवेचन करते हुए कहा कि अंतिम समय में जिन्होंने अपना कार्य सिद्ध कर लिया। अपने भव का अंत कर सिद्धत्व को प्राप्त कर लिया। वे अंतकृत कहलाए।

अनेक संघ संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया व सहमंत्री राकेश दलाल ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

पर्यूषण पर्व तप-त्याग कर आत्म-विशुद्धि की देता है प्रेरणा: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने महापर्व पर्यूषण के प्रथम दिवस कहा कि जैसे जल में गंगाजल और पुष्पों में कमल की महिमा अद्वितीय है, वैसे ही पर्वों में पर्यूषण पर्व सर्वोत्तम है। इस पर्व की श्रेष्ठता इसी से सिद्ध होती है कि यह प्रकाश-पुंज पर्व कोई शोर-शराबे, रंग-बिरंगी रेशमियों या स्वादिष्ट व्यंजनों का उत्सव नहीं।

यह हमें मौज-शौक या विविध खानपान के स्थान पर तप-त्याग कर आत्म-विशुद्धि की प्रेरणा देता है। अहिंसा की जगमगाती ज्योति, तप, त्याग और आत्मशुद्धि, क्षमा और संयम की लौ से ही प्रज्वलित होती है। इस ज्योति की आभा से हमारी अंतरात्मा और जीवन-पथ आलोकित हो उठते हैं। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि पर्यूषण आत्म-शुद्धि का पर्व



है। यह केवल साधना, तप और भक्ति का उत्सव नहीं - यह भीतर की सफाई का अभियान है। जैसे देश में स्वच्छ भारत अभियान चलता है, वैसे हमें पर्यूषण में स्वच्छ मन अभियान चलाना है। श्री शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूतमचंद सोलंकी की बताया कि साध्वीचंद की निश्रा में पर्यूषण पर्व की आराधना भव्य रूप से चल रही है।

महेंद्र जैन ने बताया कि जाजम बिछाने का लाभ रमेश कुमार, दुरगचंद कवाड मुथा रेवतडा ने लिया। भगवान के मुनिम बनने का लाभ किशोर मल, सुखराज

सायला ने लिया। कल्पसूत्र जागरण का लाभ नेमीचन्द भबूतमल सायला ने लिया। शंखेश्वर पार्थनाथ भगवान की आरती का लाभ महावीर वागतावरमल ने लिया। मंगल दीपक आरती का लाभ कांति हेंडलुमस ने लिया। गुरुदेव की आरती का लाभ भंवरलाल, पेराजमल ने लिया। सुबह भक्तामर का लाभ पुखराज कपूरचंद परिवार ने लिया। दोपहर में पंचकल्याणक पूजन का लाभ मेहता टाइम्स ने लिया। श्री शंखेश्वर पार्थ राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

केआईओसीएल लिमिटेड को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), बेंगलूरु की वर्ष 2025-26 हेतु प्रथम अर्द्धवार्षिक बैठक एवं प्रशस्ति वितरण समारोह मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे एचएएल के ओल्ड एचएएल प्रबंध अकादमी के सम्मेलन कक्ष में संपन्न हुआ। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. डी. के. सुनील, अध्यक्ष, नरोकास (उपक्रम), बेंगलूरु एवं अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एचएएल लिमिटेड द्वारा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य संगठनों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा



की। बैठक के दौरान, केआईओसीएल लिमिटेड के निगमित कार्यालय को उसके अनुकरणीय प्रयासों के लिए लघु कार्यालयों की श्रेणी में वर्ष 2024-25 के लिए उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। केआईओसीएल लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की ओर से यह पुरस्कार केआईओसीएल लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सी. मुनिकृष्णा ने ग्रहण किया। इस

प्रतिष्ठित सम्मान से केआईओसीएल के वरिष्ठ नेतृत्व और कर्मचारियों में उत्साह और गर्व की लहर दौड़ गई। इस उपलब्धि का गर्मजोशी से जश्र मनाया गया और वरिष्ठ अधिकारियों ने राजभाषा विभाग और कार्यान्वयन प्रक्रिया में शामिल सभी कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। इस बैठक एवं समारोह का संचालन संजय कुमार पाण्डेय, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), एचएएल द्वारा किया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अभातेयुप निर्देशित सार संभाल यात्रा हेतु अभातेयुप से राज-जीनगर के शाखा प्रभारी दिनेश मोरोटी तेरापंथ सभा भवन राज-जीनगर पधारे। शाखा प्रभारी दिनेश मोरोटी एवं तेयुप अध्यक्ष जितेश दक की अध्यक्षता में सार संभाल यात्रा कार्यक्रम का आगाज हुआ।

बैठक की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के मंगलाचरण से हुई। विजय गीत का संगान तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर समूह द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेयुप राजाजीनगर के शाखा प्रभारी दिनेश मोरोटी द्वारा किया गया। तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष जितेश दक ने सभी का स्वागत



करते हुए आगामी समय में करणीय कार्यों की जानकारी प्रदान की। तेयुप मंत्री अनिमेष चौधरी ने अभा तेयुप निर्देशित त्रि आयामी सूत्र सेवा संस्कार संगठन के अंतर्गत तेयुप राजाजीनगर द्वारा सत्र 2025-26 में अभी तक किए गए कार्यों का उल्लेख किया एवं बताया की तेयुप अध्यक्ष जितेश दक की अध्यक्षता में 40 दिनों में अभी तक लगभग 33

कार्यक्रम सम्पादित किये गए। तपोयज्ञ, सामायिक साधक एवं फिट युवा हिट युवा का क्रम निरंतर गतिमान है।

हाल ही में हुए 20वें राष्ट्रीय किशोर मंडल अधिवेशन कर्तव्यम में किशोर मंडल राजाजीनगर को 7 सम्मान से पुरस्कृत किया गया है। इस अवसर पर सामायिक साधक के राष्ट्रीय प्रभारी राकेश दक ने सामायिक साधक के तहत

ज्यादा से ज्यादा धर्म ध्यान हो सामायिक हो एवं टीटीएफ के राष्ट्रीय सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा युवकों को जोड़ने का आह्वान किया। एटीडीसी के राष्ट्रीय सहप्रभारी आलोक छाजेड़ ने सीपीएस अंगन के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। एमबीडीडी दक्षिण के सहप्रभारी कमलेश गन्ना ने आगामी महोत्सव में आने वाले एमबीडीडी 2.0 के बारे में

जानकारी प्रदान की। अभातेयुप सदस्य एवं बेंगलूरु परिषद के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने दक्षिणांचल एवं सरगम सेमीफाइनल की विस्तृत जानकारी दी। परिषद से ज्यादा संख्या में सदस्यों के पधारने का आह्वान किया। अभातेयुप सदस्य एवं बेंगलूरु परिषद के मंत्री प्रदीप चोपड़ा ने युवा वाहिनी एवं चौका सत्कार की जानकारी दी। अभातेयुप सदस्य रोहित कोठारी ने जैन संस्कार विधि की जानकारी देते हुए कहा घर घर में जैन संस्कार विधि का प्रचार प्रसार हो। तेयुप राजाजीनगर के शाखा प्रभारी दिनेश मोरोटी ने निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया को उनके सफलतम कार्यकाल के लिए बधाई दी।

आत्मशुद्धि के महान पर्व पर्यूषण का पहला दिन खाद्य संयम दिवस के रूप में मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युग प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी के सान्निध्य में पर्यूषण पर्व का प्रथम दिन खाद्य संयम दिवस के रूप में मनाया गया। साध्वी श्री पुण्ययशा जी ने अपने मंगल उद्बोधन में पर्यूषण का महत्व बताते हुए कहा पर्यूषण महापर्व जैन धर्म का एक विशिष्ट पर्व है। यह पर्व क्षमा, प्रेम, त्याग, पुरुषार्थ, तप और आत्मशुद्धि का महान पर्व है। इस पर्व की गरिमा अहिंसा के महत्व को उजागर करती है। उक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी जी ने भगवान महावीर के सम्यक्त्व प्राप्ति



के प्रथम भव नयसार का घटना प्रसंग बताते हुए कहा यदि जीवन में सफलता पानी है विकास करना है तो अच्छे काम करो, जीवन में निर्जरा को समझो, पुण्य की टंकी अपने आप भर जायेगी। साध्वी

बोधिप्रभा जी ने कहा आहार और जीवन का गहरा अनुबंध है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हितभूक, मितभूक, ऋतभूक करना चाहिए। जो भोजन हितकर हो परिमित हो, न्याय और

प्रमाणिकता के साथ अर्जित किया गया हो वह भोजन हमारे भावतंत्र और व्यवहार को प्रभावित करता है। भोजन का संबंध समग्र जीवन के साथ जुड़ा हुआ है। मंगलाचरण महिला मंडल की बहनों के द्वारा

किया गया। साध्वी वर्धमानयशा जी ने खाद्य संयम दिवस पर सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की। साध्वी जी के सान्निध्य में मोनिका मांडोट एवं वंशिका बुच्चा ने नौ दिन का तप, युगल किशोर बाँटिया, सृष्टि बैंगनी, हर्षिका गोटावट ने अष्टाई तप का तथा विजया देवी बाफना ने वर्धमान ओलित तप तथा कई श्रावक-श्राविका ने उपवास तप के प्रत्याख्यान किये। साध्वी जी के मंगलपाठ से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सभा, युवक परिषद महिला मंडल एवं अच्छी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थित रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्थानीय धार्मिक संस्था श्री जीण माँ के दीवाने द्वारा विजयनगर स्थित होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बसेश्वर सुनाना कल्याण मंडप में 24 अगस्त को द्वितीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कोलकाता के कारीगरों द्वारा राजस्थान की संस्कृति पर माँ जीण का दरबार सजाया जाएगा। संस्था के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि दोपहर 3 बजे विधिवत पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी।



तत्पश्चात जयपुर से मेहमान गायक कलाकार रविश सोनी, सोनम सोनी एवं गुलशन सोनी माँ जीण के संगीतमय मंगल पाठ की

प्रस्तुति कोलकाता के नृत्य कलाकारों के साथ माँ जीण के जीवन चारित्र पर आधारित नृत्य नाटिका द्वारा प्रस्तुत करेंगे। नवरंग लाल सुल्तानिया ने बताया कि वार्षिकोत्सव के लिए युवा टीम एवं महिला टीम पूरे जोरशोर के साथ तैयारी में जुटी है। सभी सदस्यों को अपनी अपनी जिम्मेदारियाँ सौंपी गयी है। इस भव्य उत्सव के लिए सभी भक्तों के मन में उत्साह की लहर है। जीण धाम के पुजारी धनंजय पराशर कोलकाता मुख्य अतिथि के तौर उपस्थित रहेंगे।

पर्यूषण का पर्व मनुष्य के पापों को धोने का अवसर:संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि भारत पर्व प्रधान देश है। यहां पर्व बहुत होते हैं। ऐसे पर्व प्रधान देश में दो तरह के पर्व होते हैं। कुछ लौकिक पर्व हैं। जहां लोग लोक की चीजों को इकट्ठा करते हैं। सामाजिक जीवन कैसे जीना वह बताते हैं। एक पर्व प्रर्यूषण पर्व है जो आज शुरू हुआ है। उसका हमें बहुत इंतजार होता है। जिसे पर्वाधिराज पर्व कहते हैं। दूसरे पर्वों में मनुष्य मजा करता है और खाने पीने के साथ घूमने जाता है। लेकिन प्रर्यूषण पर्व हमें आत्मा का ज्ञान कराता है। यह पर्व मनुष्य को अपने पापों को धोने का अवसर है। इस पर्व में मनुष्य अपनी आत्मा की शुद्धि के साथ पाप कर्मों की निर्जरा कर सकता है। शुद्ध आत्मा को जगाने के लिए यह प्रर्यूषण का पर्व आया है। अभी तक मनुष्य भवों में भटकने की वजह से सुखी नहीं हो



पाया है। यह पर्व आत्मा का संदेश लेकर आया है। जहां मनुष्य कर्मों की निर्जरा करके शांति की प्राप्ति कर सकता है। यह पर्व कहता है बाहर बहुत भटक लिए, लेकिन अब खुद में आ जाओ। संसार में रहकर मनुष्य खूब पाप करता है। अब उसी पाप को धोने का समय आया है। गुरुदेव में कहा कि जब सर रहेगा तो साफा लगता रहेगा। इसी प्रकार यह पर्व मिला है। जिससे आत्मा को शुद्ध कर लिया तो जीवन सुधर जाएगा। यह पर्व मनुष्य को जगाने के लिए है। ऐसे समय में भी अगर मनुष्य नहीं जगाने के लिए यह प्रर्यूषण का पर्व आया है। अभी तक मनुष्य भवों में भटकने की वजह से सुखी नहीं हो

किया। बुरे कर्म काटे इसलिए वह परमात्मा हो गए। मनुष्य भी अपनी आत्मा को शुद्ध कर परमात्मा बन सकता है। कर्मों की निर्जरा कर मनुष्य किसी भी गति में जा सकता है। ऐसे अवसर आत्मा को जगाने के लिए आते हैं। सभी को यह मौका नहीं मिलता है। अगर मौका मिला है तो कर्मों की निर्जरा कर आत्मा को शुद्ध कर लेना चाहिए। अगर समय का सदुपयोग नहीं किया तो संसार में भटकते ही रह जाओगे। संसार नर्क और भोगने का रास्ता है। लेकिन मनुष्य आज इसी में रमन कर रहा है। आत्मा पर बुरे कर्मों की परत जमती जा रही है। जब तक उन परतों को हटाएंगे नहीं आत्म कल्याण

संभव नहीं है। गुरुदेव में कहा कि संसार में मनुष्य भजन के लिए आया था। लेकिन भजन के बजाय पाप करने में मग्न हो गया है। याद रखो बहुत सो लिए अब जागने का अवसर आ गया है। दुनिया में सारे धन एक तरफ और ज्ञान का धन एक तरफ। उसके लिए झुकना पड़ता है। अकड़ने से मनुष्य को कुछ मिलता नहीं है। गुरु का ज्ञान लेने आए हो तो झुक के ही लेना चाहिए। यह पर्व मनुष्य को ऐसे ही पाप कर्मों से बचाने के लिए आया है। पूर्यषण पर्व के प्रथम दिन हस्तीमल बाफना, पदम बडेरा, गौतम खाटेड़, राजेश खाटेड़, मंगलचंद मुणोत एवं काफी क्षेत्रों से लोगों की उपस्थिति रही। सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुंकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए चातुर्मास की शुरुआत से अब तक सभी पदाधिकारियों की तरफ से किसी भी कारणवश किसी से कोई बोलने चालने या कुछ कहने में कुछ गलती हुई हो तो क्षमा याचना की।

धन जुटाने की उम्र ही धर्म करने की श्रेष्ठ उम्र: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्यूषण पर्व के प्रथम दिन प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि पर्व जीवन में परिवर्तन के लिए आते हैं। महापुरुषों के चरित्र बार बार सुनेंगे तो कभी न कभी आत्मा पर चोट करेंगे। पर्यूषण सोते को जगाने आते हैं। भगवान महावीर के निर्वाण के 980 वर्ष बाद आगम का लेखन हुआ। अंतगड दशा आठवां अंग आगम है जो आठ दिन पढ़ा जाता है।

इन दिनों हम अपने निकट आए और कर्मों का लेखा जोखा करें और कर्म क्लिष्ट पर विजय पाएं। इस प्रसंग पर प्रवचन में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि जब तक शरीर पर बुढ़ापा हावी न हो जाए, बीमारी न आए और इंद्रियां शिथिल न हो, तब धर्म साधना कर लेनी चाहिए। हम प्रगति की नहीं बल्कि अपनी गति की चिंता करें। जिस उम्र में साधन जुटाने की शक्ति हो, साधना भी उसी उम्र में कर लेनी चाहिए। धन जुटाने की उम्र ही धर्म करने की श्रेष्ठ उम्र होती है। श्रेष्ठ गृहस्थ साधन और साधना संपन्न होने चाहिए। संवत्सरी की पूर्व तैयारी के लिए पर्यूषण के दिन होते हैं। साध्वी श्री रीद्धिप्रभा जी ने शाख वाचना किया। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बाँटिया ने आगामी आयोजनों की सूचना देते हुए बताया कि प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से कल्प सूत्र का वाचन होगा। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

॥ श्री जीण माँ के दीवाने ॥ ॥ श्री हर्ष नायक नमः ॥ ॥ श्री नवोत्तम नमः ॥

श्री जीण माँ के दीवाने, बेंगलोर

माँ जीण और वावा हर्षनाथ के आशीर्वाद से
माँ जीण के दीवाने द्वारा माँ जीण का भव्य

द्वितीय वार्षिकोत्सव

रविवार, 24 अगस्त 2025

मंगल पाठ : अपराह्न 3:15 बजे से कोलकाता के नृत्य कलाकारों द्वारा माँ जीण के चारित्र पर आधारित नृत्य नाटिका व राधे-कृष्ण की रासलीला की प्रस्तुति

विशेष आकर्षण : कोलकाता के कारीगरों द्वारा माँ का भव्य दरबार राजस्थानी संस्कृति के आधार पर सजाया जायेगा।

उत्सव स्थल : **वासुदेवरा कल्याण मंडप**, होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन, विजयनगर, बेंगलोर

उपलब्ध एवं महामुद्रा : सौर्य: 8:30 बजे से

मंगलपाठ वाचक एवं भजन गायक :

रविश सोनी, सोनम सोनी एवं गुरु गुलशन सोनी (जयपुर)

~*~ पावन सान्निध्य ~*~
श्री धनंजयजी पाराशर
(जीण धाम पुजारी कोलकाता)

आप सभी भक्तोंकी वस्तु अर्पण - मित्रों सहित सपरिवार उपरोक्त कार्यक्रमों में सादर आमंत्रित हैं।

आयोजक : श्री जीण माँ के दीवाने

संपर्क सूत्र : राजकुमार अग्रवाल 9341240034, नवरंगलाल सुल्तानिया 9342814145, दिवीन अग्रवाल 9341289316, नन्नालाल भाग 9449222469, राजेन्द्र नाटानी 9742072037

विज्ञापन सौजन्य: VISHNU MOTORS
House of Door Trim, Carpet, Sunvisor, Roof Lining, Holds, Head Rest Glass Machine, Glow Plug, Door Mirror, Plug Wire, Lgnition Coil etc.
Add.: # 22, Shop No. 8 & 9, Kamal Complex, 2nd Cross, Journalist Colony, Bangalore- 560 002.
E-mail: vishnumotor@gmail.com

Vishnu Gopal Gupta : Mob.: 81974 01530

उनका कोटा कम हो गया है। कैबिनेट से बाहर आते हुए, कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.क. पाटिल ने बैठक को सार्थक बताया। उन्होंने कहा हम कैबिनेट बैठक से खुशी-खुशी बाहर आए हैं। कन्नड़ और संस्कृत में पिछड़ा वर्ग मंत्री शिवराज तंगदानी ने कहा कि आंतरिक आरक्षण के उद्देश्य से, कैबिनेट ने तीन श्रेणियां बनाने पर सहमत व्यक्त की है। वंचित समुदायों को समृद्ध समुदायों के साथ जोड़े जाने के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में लिया गया यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। हम सब एक साथ हैं। कोई भी पीछे नहीं छूटेगा। पहले, सभी समुदाय 101 जातियों के समूह के रूप में प्रतिस्पर्धा करते थे।



भारी बारिश के कारण उत्तरी कर्नाटक में बाढ़ का खतरा

फसलों को भारी नुकसान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारी बारिश के कारण उत्तरी कर्नाटक बाढ़ की स्थिति का सामना कर रहा है। बेलगावी, हावेरी, धारवाड़, कलबुर्गी, गदग सहित कई जगहों पर भारी बारिश हो रही है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जलाशयों के भर जाने और नदी में भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण खेतों में पानी भर गया है, जिससे फसलों को भारी नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में भारी बारिश हो रही है और कोयना बांध से 53 हजार क्यूसेक और राधानगरी बांध से 11 हजार क्यूसेक पानी कृष्णा नदी में छोड़ा गया है। चिकोडी उपखंड में 11 से ज्यादा पुल जलमग्न हो गए हैं। 51 टीएमसी क्षमता वाला हिडकल जलाशय भर रहा है और 47,800 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। गोकक, मुदलागी और तालुकों के कई गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। लगातार बारिश ने कई असुविधाएँ पैदा कर दी हैं, जिसमें गोकक में एक महिला का घर गिरने और मुधोल में दीवार गिरने



से एक व्यक्ति की मौत सहित दो मौतें शामिल हैं। बेलगावी में भारी बारिश के कारण धान की फसलें बह गई हैं। एलुरा, शाहपुर और वडगावी में पानी भर जाने से किसान सैकड़ों एकड़ धान की फसल बर्बाद होने से चिंतित हैं। रायचूर जिले के लिंगसागुर तालुक का शीतली इलाका जलमग्न हो गया है, जिससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। कोप्पल में तुंगभद्रा जलाशय के 26 क्रश गेटों से 1.20 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे अनेगुंडी और नव वृंदावन के बीच संपर्क टूट गया है। कृष्ण देवराय सम्राट सालु मंडप जलमग्न अवस्था में पहुँच गया है। बाँध के 6 गेट जाम

हो गए हैं, जिससे अफरा-तफरी मच गई है। यादगिरि के हुनसागी तालुका के नारायणपुरा स्थित बसवसागर बांध से कृष्णा नदी में 1.60 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे नदी के किनारे बसे कई गाँवों का संपर्क टूट गया है। यादगिरि में भारी बारिश के कारण सैकड़ों एकड़ फसलें नष्ट हो गई हैं। हुब्बल्ली-धारवाड़ में भारी बारिश जारी है और कटी हुई उड़द दाल और उड़द दाल सड़ने की स्थिति में पहुँच गई है। प्याज की फसल को नुकसान पहुँचा है। हावेरी में भी वरुणा का प्रकोप जारी है और एहतियात के तौर पर स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। हासन जिले

में भी मानसूनी बारिश जारी है। सकलेशपुर में भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हुआ है। पिछले एक हफ्ते से लगातार बारिश हो रही है और भारी बारिश से लोग परेशान हैं। हेमण्डे के पास भारी मात्रा में मिट्टी ढह गई है, जिससे यातायात बाधित हुआ है। सकलेशपुर कस्बे के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर बाईपास रोड पर भूस्खलन हुआ है। सड़क की सुरक्षा के लिए बनाए गए अवरोधक भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सकलेशपुर तालुका के कडागरवल्ली गाँव में एक स्कूल की दीवारें और टाइलें बारिश के कारण गिर गई हैं। स्कूल की छुट्टी होने के कारण आपदा टल गई।

क्रस्ट गेटों से पानी बहने लगा

इस बार अच्छी बारिश के कारण, कस्बे के पास स्थित यागाची जलाशय भर गया है और पिछले एक महीने से क्रस्ट गेटों से पानी बहने लगा है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से मलनाड क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है, जिससे जलाशय दिन-प्रतिदिन और अधिक पानी से भर रहा है जिससे जलाशय में और अधिक पानी आ रहा है। जलाशय में 1124 क्यूसेक पानी प्रवाहित होने के कारण, एहतियात के तौर पर, जलाशय से यागाची नदी के माध्यम से 1000 क्यूसेक और बायीं तट नहर के माध्यम से 100 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसलिए, नदी के किनारे और नहरों के आसपास रहने वाले लोगों को सावधान रहना चाहिए।

मलनाड क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण, बेल्ूर स्थित यागाची जलाशय में पानी का प्रवाह बढ़ गया है और जलाशय भर गया है, इसलिए जलाशय के पाँच क्रस्ट गेटों के माध्यम से नदी और बाएँ तट नहर के माध्यम से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है।

राजस्थान परिषद् द्वारा वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थान परिषद् द्वारा परिषद परिवार के सदस्यों के लिए मणिपाल हॉस्पिटल, यशवंतपुर में 15 दिवसीय वृहद स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन परिषद् के अध्यक्ष संजय बैद ने नमस्कार महामंत्र के जाप से किया। मीडिया प्रभारी दिनेश मरोठी ने जानकारी देते हुए बताया कि इन 15 दिनों में 232 लाभार्थियों ने शिविर का लाभ उठाकर अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। इस जाँच के दौरान अनेक व्यक्तियों को बीमारियों की प्रारंभिक अवस्था में जानकारी मिली जिनका चिकित्सकीय



परामर्श और निदान दिया गया। शिविर की सफल आयोजना में शिविर संयोजक पन्नालाल लूनिया, सुशील चोरड़िया तथा सहसंयोजक विनय बैद एवं दिनेश चोपड़ा का विशेष श्रम व समर्पण रहा। इस संपूर्ण शिविर के

प्रायोजक हनुमानमल संजय, मनोज बैद परिवार रहें जिनके सहयोग से यह आयोजन संभव हो सका। इसके अतिरिक्त अन्य पदाधिकारियों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कर आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

राष्ट्रीय खेल महाकुम्भ 12 से 14 सितंबर तक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का पहला अखिल भारतीय खेल महाकुम्भ 12 से 14 सितंबर तक बेंगलूरु में आयोजित होगा।

समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा कुवेरा ने बताया कि शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा के नेतृत्व में अखिल भारतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज का पहला सुनील शर्मा नेशनल चैम्पियंस क्रिकेट कप के भव्य आयोजन को लेकर जोरों से तैयारियां चल रही है। इस खेल महाकुम्भ में भारत के सभी राज्यों



की टीमों के भाग लेने की संभावना है। टीमों के आवास, परिवहन, भोजन एवं नाश्ता सहित खेल के आयोजन की कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियों का वितरण किया जा रहा है। खेल के

सफल आयोजन को लेकर राजेश शर्मा एवं प्रसन्न शर्मा के नेतृत्व में व्यवस्थाओं को अंजाम दिया जा रहा है। शहर के सेंट जोन्स क्रिकेट खेल मैदान में खेलों का भव्य आयोजन होगा।

पुलिस से भागते समय कार की टक्कर के बाद मांची में डकैती का आरोपी गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल के मंजेश्वर थाना क्षेत्र में मंगलवार को डकैती के एक मामले में एक आरोपी, जो कार से भागने की कोशिश कर रहा था, आखिरकार उस वक्त पकड़ा गया जब उसकी गाड़ी मांची के पास एक अन्य कार से टकरा गई। मोहम्मद रजीक के रूप में पहचाने गए आरोपी, शिबिन और सैयद मोहम्मद अमीन के साथ, एक टाटा पंच कार में मांची मार्ग से मंजेश्वर क्षेत्र से सीमा पार कर गए थे। बंटवाल की ओर तेज गति से जाते समय, रजीक की कार मांची के पास एक मारुति ऑल्टो से आमने-सामने टकरा गई। मंजेश्वर पुलिस, जो वाहन का बारीकी से पीछा कर रही थी, तुरंत घटनास्थल पर पहुँची। टक्कर



के बाद, रजीक ने पैदल भागने की कोशिश की, लेकिन अंततः पुलिस ने उसे पकड़ लिया। कार में सवार अन्य दो आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। दुर्घटना में दोनों कारों को नुकसान पहुँचा। हालाँकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि रजीक न केवल मंजेश्वर थाना क्षेत्र में डकैती के एक मामले में

आरोपी है, बल्कि एक पूर्व वारंट मामले में भी वांछित है। विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए, मंजेश्वर पुलिस शुरू से ही उसका पीछा कर रही थी। मंजेश्वर पुलिस ने आरोपी को मांची दुर्घटनास्थल से हिरासत में ले लिया। बंटवाल ग्रामीण पुलिस निरीक्षक शिवकुमार और उनकी टीम ने भी घटनास्थल का दौरा किया और निरीक्षण किया।

स्वाध्याय करना अच्छा है लेकिन किसी की निंदा ना करना भी अच्छा गुण: मुनिराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चिकपेट श्रीसंघ में विराजित परम पूज्य मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी ने पर्युषण महापर्व के प्रथम दिन कहा कि तीर्थ में यात्रा के लिए हमें वहां तक जाना पड़ता है। जब की पर्व सामने से आते हैं हमें कहीं जाना नहीं पड़ता। होली, दीपावली, रक्षाबंधन, गुड़ी पाडवा दशहरा जैसे अनेक पर्व हैं। ऐसे पर्व में सबसे बड़ा पर्व है पर्युषण महापर्व। इसे क्षमापना पर्व भी कहा जाता है। पर्युषण पर्व में अष्टान्हिका ग्रंथ पर प्रवचन होते हैं जिसमें इन दिनों में करने योग्य पांच कर्तव्य बताए गए हैं। जिसमें अमारी यानी किसी को मारना नहीं सभी जीवों को



बचाना, साधर्मिक भक्ति जिनेश्वर भगवान को मानने वाले साधर्मिक भाई बहनों की भक्ति बहुमान करना, अद्रुमतप अर्थात तीन दिन उपवास करना (केवल गरम उबला हुआ पानी पीना), क्षमापना मिच्छामि दुक्कडम सभी को माफ करना और चैत्य परिपाटी जिन मंदिरों की यात्रा

दर्शन पूजन करना शामिल है। किसी ने पूछा 27 में से 9 जाय तो कितने बचते हैं। सामान्य से 18 होते हैं, लेकिन ज्ञानी भगवत कहते हैं शून्य बचता है। ऐसा इसलिए क्योंकि 27 नक्षत्र में 9 नक्षत्र बारिश और पानी लाने वाले होते हैं। आष्टाहिका ग्रंथ में कैदेया, भदेया, सदैया तीन प्रकार के

मनुष्य की बात पर महाराजजी ने कहा कभी कभी धर्म करने वाला कैदेया कहलाता है। श्रावण, भादो में धर्म करने वाला भदैया और सदा धर्म आराधना करने वाला सदैया होता है। संत ने कहा किसी को मारना नहीं। पानी भी छान कर लेना।

गैस चालू करने से पहले पूजने की बात बताते हुए कहा श्रावक के घर में तीन चीज आवश्यक है, चरवली - चरवला - चंदरवा। संत श्री ने बताया पशु हत्या तो रोकनी ही चाहिए परंतु वर्तमान में मानव हत्या गर्भ में अबॉर्शन, बूढ़े लोगों को मार देना यह भी नहीं होना चाहिए। उससे भी भयंकर है संस्कार एवं संस्कृति को नष्ट

करना। मछलियां मारना यह हिंसा है परंतु तालाब को ही सुखा देना संस्कार और संस्कृति को खत्म कर देना भयंकर खतरनाक हिंसा है।

महाराज जी ने बताया ज्यादा बोलने वाला तो दुखी है ही परंतु कुछ भी ना बोलने वाला भी तो दुखी है। जब बोलना हो तब नहीं बोलने वाला भी दुखी है और समय पर नहीं बोलने वाला भी दुखी है। स्वाध्याय करना अच्छा है लेकिन किसी की निंदा ना करना भी अच्छा गुण है। आर्याबिल का तप करना स्वास्थ्य के लिए लाभ कारक तो है ही इसी प्रकार होटल का त्याग करना भी आरोग्य के लिए उत्तम है।

विधानसभा से तीन विधेयक वापस लिए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2024, कर्नाटक सौहार्द सहकारी (संशोधन) विधेयक, 2024 और पंजीकरण (कर्नाटक संशोधन) विधेयक, 2024 बुधवार को विधानसभा में वापस ले लिए गए। विधानसभा सत्र में समाज कल्याण मंत्री डॉ. एच.सी. महादेवप्पा ने इन तीनों विधेयकों को पेश किया और इन्हें वापस लेने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री



सिद्धारमैया की ओर से उन्होंने सहकारी सहकारी (संशोधन) विधेयक और राजस्व समितियां (संशोधन) विधेयक, सौहार्द मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा की ओर से

पंजीकरण (कर्नाटक संशोधन) विधेयक को वापस लेने की अनुमति मांगी। इन तीनों विधेयकों के संबंध में कई नए सुधार उपाय और कई मुद्दों वाले विधेयक पहले ही पेश किए जा चुके हैं, और ये विधेयक आवश्यक नहीं थे।

इसलिए, उन्होंने इन्हें वापस लेने का अनुरोध किया। इसके बाद अध्यक्ष ने घोषणा की कि ये विधेयक वापस ले लिए गए हैं।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारुति मेडिकल्स द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत मंगलवार को गृह लक्ष्मी बड़ावणे स्थित सरकारी मादरी प्राथमिक पाठशाला के विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस मौके पर महेंद्र मुणोत एवं शिक्षक गण मौजूद रहे।

जो जोड़ने का कार्य करे वह पर्व कहलाता है: मुनिराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाडी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के प्रथम दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि पर्व हमारे जीवन में हमें एक दूसरे से जोड़ने के लिए आते हैं। जो जोड़ने का कार्य करे वह पर्व कहलाता है। लोकतर महापर्व पर्युषण हमें अपनी आत्मा से जोड़ता है। इसमें अपने अंतर में उतरकर अपनी आत्मा में झांकना है।

पर्वतों में सिद्धाचल गिरिराज सबसे सर्वश्रेष्ठ है। नदियों में गंगा नदी श्रेष्ठ है, नक्षत्र तारों में सूर्य सर्वश्रेष्ठ है, गावों में कामधेनु गाय श्रेष्ठ है, इसी तरह पर्वों में महापर्व



पर्युषण सर्वश्रेष्ठ है। यह महापर्व हमें संदेश देता है कि हमें रिश्तों की किताब में गलतियों से क्षमा देकर और मांग कर रिश्तों को पुनर्जीवित करना है। पर्युषण के पांच कर्तव्य मुख्य हैं जिसमें अमारी प्रवर्तन, साधार्मिक भक्ति, चैत्य परिपाटी, अष्टम तप और

क्षमापना है। अमारी परिवर्तन में हमें अहिंसा का पालन करना है। पर्युषण महापर्व एक नया एहसास लेकर आता है। यह महापर्व हमें बाहर की दुनिया से भीतर की दुनिया में जाने का संदेश देता है। साधार्मिक भक्ति के तहत हमें किसी भी हमारे साधार्मिक को

नीचे गिराने का भाव नहीं रखना चाहिए, उन्हें ऊपर उठाने का कार्य ही करना चाहिए। किसी के भी जाने अनजाने भी हमें उनका दिल नहीं दुखाना है। मन से भी हमें किसी की हिंसा नहीं करनी है। आंखों में एक तिनका और पैरों में पड़े कांटों से भी अधिक खतरनाक हमारे मन में बसे राग द्वेष हैं। हमें पर्युषण महापर्व के दौरान इन राग द्वेष रूपी चिंगारियों को बुझाना है। किसी जीव को मन से भी दुखी करना एक तरह की हिंसा है। गुरुवार को प्रवचन के पश्चात कल्पसूत्र जी उज्ज्वल कुमार हेमंत कुमार गोलछा परिवार के निवास स्थान पर सकल संघ के साथ बाजते गाजते ले जाया जाएगा, जहां रात्रि में परमात्मा भक्ति रखी जाएगी।

सद्भावना से ही विश्व में शांति संभव: सिद्धार्थ बोहरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आज भगवान महावीर के संदेशों को आत्मसात करते हुए सभी जीवों के प्रति प्रेम, मैत्री और क्षमा का भाव रखने से सद्भाव बढ़ेगा जो समाज, देश एवं विश्व में शांति का माहौल तैयार करेगा।

सद्भावना एक आंतरिक गुण है, जिसका अर्थ दूसरों के प्रति शुद्ध भावना एवं विचार रखना है और सद्भावना को जैन धर्म में व्यक्तिगत एवं सामाजिक कल्याण के लिये आवश्यक माना गया है। यह विचार रवीन्द्र कला क्षेत्र के नयना सभागार में सद्भावना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित सिद्धार्थ बोहरा ने रखे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्राणी के प्रति प्रेमपूर्वक,



करुणामय एवं क्षमाशील भाव रखने से समाज, देश व विश्व में शांति व एकता बनी रहती है। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जन्म दिवस पर स्वर्णा कर्नाटक जाग्रति रक्षणा वेदिके एवं दिशा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने कहा कि भारत

को एक अखंड, प्रगतिशील एवं शांतिपूर्ण राष्ट्र बनाने के राजीव गांधी के विचारों को याद करना उनके प्रति प्रेम व सम्मान को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने सभी उपस्थितों को किसी भी जाति, धर्म, क्षेत्र, पंथ और भाषा की परवाह किये बिना भावनात्मक एकता एवं सद्भाव के लिये कार्य करने की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में उपस्थित मुस्लिम,

क्रिश्चियन एवं बौद्ध धर्म गुरुओं ने धर्म के मूल सिद्धांतों का अवलोकन करते हुए सामूहिक कल्याण का संदेश दिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक विधान परिषद सदस्य एवं कर्नाटक अल्पसंख्यक कांग्रेस के अध्यक्ष अब्दुल जब्बार ने कहा कि आधुनिक भारत के विकास की गाथा भारत रत्न राजीव गांधी ने देश में कंप्यूटर क्रांति के आगाज के साथ ही लिख दी थी। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करना ही सच्चे रूप में सद्भावना है। दिशा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष इश्राद अहमद शैख तथा स्वर्ण कर्नाटका रक्षणा वेदिके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में विशेष कार्य करने वाले समाजसेवियों को सम्मानित किया गया।



जो कल कह रहे थे चुनाव आयोग ने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी

वे अब खुद फर्जी डाटा के लिए चुनाव आयोग से मांग रहे माफी धराशाई हो गई राहुल गांधी और उसके विदेशी हैंडलर्स की साजिश

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

सीएसडीएस के संजय कुमार ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर शेरार किए फर्जी डाटा को डिलीट कर माफी मांगी है। इसी फर्जी डाटा के दम पर राहुल गांधी के वोट चोरी के कैंपेन को कांग्रेस आगे बढ़ा रही थी। संजय कुमार ने पहले कहा था कि चुनाव आयोग को राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना चाहिए। बाद में जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी आरोपों के सिलसिलेवार जवाब दिए तो संजय कुमार ने एक लेख में लिखा - चुनाव आयोग ने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

संजय कुमार के फर्जी डाटा के आधार पर कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने 18 अगस्त 2025 को एक्स पर एक ग्राफिक शेरार कर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने दावा किया था कि 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच छह महीनों में रामटेक और देवलाली जैसे क्षेत्रों से करीब 40 प्रतिशत वोट हटा दिए गए। वहीं, नासिक वेस्ट और हिंगना में करीब 45 प्रतिशत वोट बढ़ गए। चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए उन्होंने लिखा, अब ये कहेंगे कि 2 और 2 जोड़ने से 420 होता है। इस डेटा का स्रोत लोकनीति-सीएसडीएस था।

खुद को प्रोफेसर और रिसर्चर बनाने वाले संजय कुमार के फर्जी डाटा के पीछे कांग्रेस की भक्ति और विदेशी फंडिंग की शक्ति है। उसने फर्जी डाटा शेरार कर न सिर्फ आम

लोगों में भ्रम फैलाया, बल्कि लगातार भारत की सर्वोच्च चुनावी संस्था चुनाव आयोग को भी निशाना बनाया और जब उसका खेल पकड़ में आ गया, तो चुपचाप अपने फर्जी डाटा को डिलीट कर माफी मांग ली। इस साजिश की शुरुआत 11 अगस्त 2025 को हुई, जब संजय कुमार ने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनावों को लेकर चुनाव आयोग को सफाई देनी चाहिए। उसने सीएनबीसी आवाज जैसे बड़े चैनल पर जाकर अपनी बात को और हवा दी। 17 अगस्त 2025 को संजय कुमार ने एक स्क्रीनशॉट शेरार किया, जिसमें महाराष्ट्र के चुनावी डेटा का दावा पेश किया गया। इस डेटा में कहा गया कि नासिक वेस्ट में 2024 के लोकसभा चुनाव से विधानसभा चुनाव तक वोटों की संख्या 47.38 प्रतिशत बढ़ी, जबकि हिंगना में 43.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये आंकड़े देखने में तो चौंकाने वाले थे, लेकिन इनकी सच्चाई कहीं और थी। इस फर्जी डेटा को शेरार करते ही हंगामा मच गया। कांग्रेस ने इसे दोनों हाथों से लपक लिया। कांग्रेसी नेताओं ने इसे एटम बम तक कह डाला। लेकिन सच्चाई यह थी कि ये सारा डेटा झूठ का पुर्लित था, जिसे संजय कुमार ने जानबूझकर गढ़ा था। बाद में पता चला कि उसकी टीम ने 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के डेटा को गलत तरीके से पढ़ा और तुलना की, जिससे ये भ्रामक आंकड़े सामने आए।



संजय कुमार ने अपनी साजिश को

और मजबूत करने के लिए नवभारत टाइम्स में एक ओपिनियन आर्टिकल लिखा, जो 18 अगस्त 2025 को प्रकाशित हुआ। इस लेख में उसने 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उठे विवाद को फिर से हवा दी। उसने राहुल गांधी के उस दावे को दोहराया, जिसमें कहा गया था कि प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में फर्जी वोटर जोड़े गए और वोट प्रतिशत बढ़ाकर धांधली की गई। विपक्ष का तर्क था कि मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र में पांच महीनों में मतदाता सूची में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और कुछ बूथों पर 20-50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई। संजय ने इसको आधार बनाकर चुनाव आयोग पर उंगली उठाई और उसे असफल ठहराने की कोशिश की।

संजय ने लिखा कि चुनाव आयोग को दोनों चुनावों की मतदाता सूची सार्वजनिक करनी चाहिए थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया, जो उसकी नाकामी को दर्शाता है।

लेकिन सच्चाई यह है कि चुनाव आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस को लिखित जवाब दे दिया था, जिसमें इन आरोपों को निराधार और बेतुका करार दिया गया था। आयोग ने अपनी वेबसाइट पर भी ये जवाब रखा, लेकिन संजय कुमार ने इसे नजरअंदाज कर दिया और अपना एजेंडा चलाया।

जब इस फर्जी डेटा की पोल खुलने लगी, तो संजय कुमार को मजबूरी में पीछे हटना पड़ा। उसने अपने ट्वीट को डिलीट कर दिया और 18 अगस्त 2025 की रात एक माफी ट्वीट जारी किया।

उसने लिखा, मैं महाराष्ट्र चुनावों को लेकर किए गए ट्वीट्स के लिए दिल से माफी मांगता हूं। 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों के डेटा की तुलना में गलती हो गई। हमारी डेटा टीम ने इसे गलत पढ़ लिया। ट्वीट हटा दिया गया है और मेरा इरादा किसी तरह की गलत जानकारी फैलाने का नहीं था। लेकिन क्या ये माफी सचमुच दिल

से आई? बिल्कुल नहीं! ये तो बस कानूनी कार्रवाई से बचने का एक सस्ता नाटक था। सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत इसकी आलोचना की और कहा कि ये माफी मजबूरी में दी गई है। कई लोगों का मानना है कि संजय ने जानबूझकर गलत डेटा फैलाया, ताकि कांग्रेस को फायदा हो और जब पकड़ा गया, तो उसने पीछे हटने का ढोंग किया।

राहुल गांधी ने संजय कुमार के फर्जी डेटा पर आंख मूंदकर भरोसा किया और अपनी सारी प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी। वैसे, राहुल की कितनी प्रतिष्ठा बची है, अब इसका अंदाजा भी कोई नहीं लगा पा रहा। सीएसडीएस ने अपनी गलती मानी, तो राहुल और उसके विदेशी हैंडलर्स का सपना धराशायी हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये सारी साजिश कांग्रेस के विदेशी समर्थकों के इशारे पर रची गई थी, ताकि भारत की चुनावी प्रणाली को बदनाम किया जा सके। राहुल का ये कदम न सिर्फ उसकी

कांग्रेस का एक और झूठ बेनकाब

राहुल गांधी ने बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन (एसआईआर) के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वोट अधिकार यात्रा के तहत गरीब लोगों के वोट काटे जाने का प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। इन्हीं में एक नाम रंजू देवी का भी है। रंजू देवी को 18 अगस्त 2025 को राहुल गांधी की औरंगाबाद सभा में वोटर लिस्ट से नाम कटने की शिकायत करते सुना गया था। रंजू देवी ने दावा किया था कि सिर्फ उनका ही नहीं बल्कि परिवार में भी 6 लोगों का नाम वोटर लिस्ट से कटा है। इसके बाद अब रंजू देवी का वीडियो सामने आया है, जिसमें वह बता रही हैं कि वार्ड सचिव के कहने पर उन्होंने यह दावा किया। रंजू देवी बताती हैं कि वो सचिव उन्हें बहकाकर ले गए कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव आपकी समस्या का समाधान करेंगे। रंजू देवी आगे कहती हैं, हम देहात की महिला हैं, जैसा जो बताता है वो सुन लेते हैं। राहुल गांधी ने रंजू देवी को बहका कर झूठ तो बुलवा लिया लेकिन तथ्यों को नहीं छिपा सके। इडज ने रंजू देवी को 01 अगस्त 2025 को बनी नई वोटर लिस्ट भी दिखाई, जिसमें उन्होंने अपना और परिवार समेत 6 लोगों का नाम पाया। रंजू देवी ने वोटर लिस्ट देखकर कहा कि अब वे संतुष्ट हैं।

अज्ञानता को दिखाता है, बल्कि उसकी टीम की लापरवाही और जल्दबाजी को भी उजागर करता है। सीएसडीएस कोई साधारण शोध संस्थान नहीं है।

यह एक ऐसी मशीन है, जो विदेशी फंडिंग और राजनीतिक एजेंडा के बल पर देश को अंदर से कमजोर करने का काम कर रही है। फोर्ड फाउंडेशन, गेट्स फाउंडेशन, आईडीआरसी (कनाडा), डीएफआईडी (यूके), नॉराड (नॉर्वे), ह्यूलेट फाउंडेशन और डच एजेंसियां जैसे संगठनों से मिलने वाला पैसा सीएसडीएस को हिंदू समाज को जाति के आधार पर बांटने और गलत नैरेटिव बनाने में मदद करता है। इसके लोकनीति प्रोग्राम के तहत

हिंदुओं को ओबीसी, ईबीसी, दलित, और वर्ण में बांटकर वोटिंग पैटर्न पर डेटा जारी किया जाता है, जो द हिन्दू और जैसे अखबारों में बड़े-बड़े शीर्षकों के साथ छपता है। लेकिन मुसलमानों की अंदरूनी जातीय दरारों (जैसे दलित मुसलमान, अशराफ, अज्लाफ, अरज़ल) पर चुपची साध ली जाती है। ये साफ है कि सीएसडीएस का मकसद हिंदू समाज को तोड़ना और कांग्रेस को फायदा पहुंचाना है। योगेंद्र यादव से लेकर संजय कुमार तक, ये लोग लगातार इस एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। ये कोई भूल नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश है, जिसका मकसद भारत की एकता को कमजोर करना है।

मोदी की स्नातक डिग्री विवाद मामले में फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट ने टाला

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक डिग्री विवाद से संबंधित मामले में बुधवार को अपना फैसला टाल दिया।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद 27 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रखा लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को अदालत को रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है।

उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय की याचिका पर सुनवाई के बाद 23 जनवरी, 2017 को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश पर रोक लगा दी थी।



सीआईसी ने 21 दिसंबर, 2016 को आवेदनक नीरज को उन सभी विद्यार्थियों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से 1978 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। विश्वविद्यालय का कहना है कि श्री मोदी ने इसी वर्ष अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी। उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय का पक्ष रखते हुए सलिसिटर जनरल

तुषार मेहता ने सीआईसी के 2016 के आदेश को रद्द करने की गुहार लगाई थी। श्री मेहता ने हालांकि, दलील देते हुए कहा था कि विश्वविद्यालय को अदालत को संबंधित डिग्री का रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय को अदालत को रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी की कला स्नातक की डिग्री 1978 की है।

राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस ऐतिहासिक मौके पर प्रधानमंत्री उप राष्ट्रपति उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के प्रस्तावक बने।

इस अवसर पर उनके साथ श्री मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और राजग सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता तथा जनता दल यूनाइटेड से ललन सिंह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीवनराम मांझी के अलावा और भी कई केन्द्रीय मंत्री मौजूद थे।

श्री राधाकृष्णन का नामांकन चार सेटों में दाखिल हुआ है। जिनमें से प्रत्येक पर 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर हैं। पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के हस्ताक्षर हैं, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ राजग नेताओं के हस्ताक्षर हैं, जो गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है।

उप राष्ट्रपति उम्मीदवार राधाकृष्णन के इस ऐतिहासिक मौके पर संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित राजग के लगभग 160 सदस्य उपस्थित रहे। श्री राधाकृष्णन को नामित करने का निर्णय केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर आयोजित राजग के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हुआ हमला

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय मुख्यमंत्री गुप्ता आम लोगों की शिकायतें सुन रही थीं। एक शख्स भी अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा और उसने श्रीमती गुप्ता पर हमला कर दिया। उसके इस हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है।

पुलिस हमलावर शख्स को हिरासत में लेकर पृछताछ कर रही है। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा दिल्ली की

हमले के बाद सीएम रेखा गुप्ता का पहला बयान, कहा- हौसले नहीं टूटेंगे

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 'जन सुनवाई' के दौरान खुद पर हुए हमले को लेकर पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस हमले को कायराना प्रयास बताया और कहा कि स्वाभाविक है कि इस हमले के बाद मैं सदमे में थी, लेकिन अब बेहतर महसूस कर रही हूं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज सुबह जनसुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला केवल मेरे ऊपर नहीं, बल्कि दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के लिए हमारे संकल्प पर किया गया एक कायराना प्रयास है। स्वाभाविक है कि इस

जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा उम्मीद है कि

हमले के बाद मैं सदमे में थी, लेकिन अब बेहतर महसूस कर रही हूं। मैं अपने सभी शुभचिंतकों से निवेदन करती हूं कि कृपया मुझसे मिलने के लिए परेशान न हों। मैं बहुत जल्द ही आपके बीच काम करती हुई दिखाई दूंगी। सीएम रेखा गुप्ता ने आगे कहा, ऐसे हमले मेरे हौसले और जनता की सेवा के संकल्प को कभी तोड़ नहीं सकते। अब मैं पहले से कहीं अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ आपके बीच रहूंगी। जनसुनवाई और जनता की समस्याओं का समाधान पहले की तरह ही गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा। आपका विश्वास और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आपके अपार स्नेह, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

दिल्ली पुलिस, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।



रहा है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि कश्मीर की खूबसूरत झील के बीच राष्ट्रीय खेलों का केंद्र होगा। इसमें देश के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 400 से ज्यादा एथलीट वाटर स्कीइंग, डूगैन बोट रेस और ह्टा स्प्रिंट जैसे मनोरंजक प्रदर्शन कार्यक्रम जिसमें रोइंग, कैनोइंग और कयाकिंग प्रतिस्पर्धा करने के लिए झील पर जुटेंगे। 2.37 करोड़ रुपए के बजट से स्वीकृत इस तीन दिवसीय आयोजन में कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और

अन्य खेलों के सैकड़ों एथलीटों के साथ-साथ हजारों आगंतुकों और दर्शकों के आने की उम्मीद है। शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर इसका केंद्र होगा, जबकि डल झील के झिलमिलाने पानी को रसिया लेने, तैरते मंच और रोशन सांस्कृतिक स्थलों में बदल दिया जाएगा। आयोजक इस महोत्सव को केवल एक खेल प्रतियोगिता से नहीं अधिक बताते हैं। इसे इको-टूरिज्म, राष्ट्रीय एकता और युवा जुड़ाव को बढ़ावा देने के

लिए डिजाइन किया गया है। लोगो में बर्फ से ढके पहाड़ों और देवदार के पेड़ों के बीच डल झील पर एक शिकारा दिखाया गया है, जो कश्मीर की पहचान, पवित्रता और पारिस्थितिक समृद्धि का प्रतीक है। पानी पर इसका प्रतिबिंब डल झील की शांति और दर्पण जैसे आकर्षण को दर्शाता है। इसके साथ ही, खेलो इंडिया तिरंगा प्रतीक खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का प्रतिनिधित्व करता है।

शुभंकर, एक जीवंत हिमालयन किंगफिशर, चपलता, एकाग्रता और युवा ऊर्जा को दर्शाता है। झेलम और डल झील के आसपास पाए जाने वाले किंगफिशर से प्रेरित होकर, इसे नारंगी और नीले रंगों में डिजाइन किया गया है - जो ऊर्जा, उत्साह और कश्मीर के प्रतिष्ठित जल का प्रतिनिधित्व करते हैं।

किंगफिशर शुभंकर ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करेगा, जो पर्यावरण के अनुकूल खेलों और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों, रैलियों और सभी प्रचार अभियानों में दिखाई देगा।

पानी पर, प्रतियोगिताओं के पूरक के रूप में पेपरमाशी कला, खेल फोटोग्राफी और कश्मीरी शिल्प के साथ-साथ आदिवासी सांस्कृतिक प्रदर्शनों की तैरती हुई प्रदर्शनियां भी होंगी। डोगरी, गुज्जर, बकरवाल, पहाड़ी और कश्मीरी पंडित समुदायों के पारंपरिक लोक नृत्य तैरते हुए मंचों पर प्रस्तुत किए जाएंगे। रात में, बुलिवर्ड, शिकारा घाट और हाउसबोट सजावटी रोशनियां से जगमगा उठेंगे, जबकि लाइव सेलिब्रिटी प्रदर्शन, जिम्नास्टिक प्रदर्शन और संगीत समारोह आकर्षण का केंद्र होंगे।

मोदी सरकार भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के मिशन पर अडिग : मनसुख मांडविया

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को 'खेलो भारत नीति-2025' पर युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता की। उन्होंने इस बात को दोहराया कि मोदी सरकार देश को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के मिशन पर जुटी है। बैठक के बाद खेल मंत्री ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किया, बुधवार को नई दिल्ली में खेलो भारत नीति-2025 पर युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की अध्यक्षता की। मोदी सरकार भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के मिशन पर अडिग है। इस परिवर्तनकारी नीति का उद्देश्य जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को पोषित करके, बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देकर इस लक्ष्य को साकार करना है। भारत सरकार ने जुलाई 2025 में खेलो भारत नीति 2025 का शुभारंभ किया था। पांच स्तंभों पर आधारित इस नीति का उद्देश्य देश के खेल परिदृश्य में परिवर्तन लाना है। पहला बुनियादी ढांचा टैलेंट की खोज और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगात्मकता को बढ़ाकर वैश्विक मंच पर देश की उत्कृष्टता प्राप्त करने पर केंद्रित है, जबकि इस नीति का दूसरा स्तंभ आर्थिक विकास के लिए खेल, विनिर्माण, पर्यटन और खेल प्रौद्योगिकी जैसे उद्योगों को बढ़ावा देना है। तीसरा स्तंभ सामाजिक विकास के लिए खेल, खेलों के जरिए सामाजिक एकता को बढ़ावा देते हुए समावेशिता, स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देता है। चौथा स्तंभ खेल को सांस्कृतिक आधार बनाते हुए समुदायों को शारीरिक गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश करता है।



प्रदेश में खाद संकट के खिलाफ कई जगह प्रदर्शन

यूरिया के लिए लग रही हैं लंबी-लंबी कतारें

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

कृषि विभाग का दावा है कि हर जिले में सात से 10 दिन का यूरिया का स्टॉक मौजूद है। जबकि, हकीकत यह है कि यूरिया के लिए कहीं प्रदर्शन हो रहा है तो कहीं किसान कतार में खड़े नजर आ रहे हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक करीब 16 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है, जिसमें करीब छह लाख मीट्रिक टन यूरिया मौजूद है। कई कंपनियों की रैक रास्ते में हैं, जो दो दिन में पहुंच जाएंगी।

इस बीच कई जिलों में स्थानीय स्तर पर वितरण की नई रणनीति बनाई गई है। इसके तहत जिन समितियों पर मंगलवार को यूरिया का वितरण किया गया है, वहां बुधवार को वितरण किया जाएगा। बुधवार को दूसरी समितियों पर खाद वितरण किया जाएगा। इस रोस्टर से पूरे जिले की समितियों पर खाद वितरण बारी- बारी से होता रहेगा। इस बीच मंगलवार को अयोध्या में यूरिया वितरण के दौरान हंगामा हुआ। खंडासा के कुरावन



सहकारी किसान केंद्र पर पुलिस ने लाठी भाजते हुए स्थिति नियंत्रित की। साधन सहकारी समिति जजवारा अड़सठ पर धक्का-मुक्की के दौरान सचिव को चोट आई है। साधन सहकारी समिति तेलियागढ़ पर किसानों ने प्रदर्शन किया। बाराबंकी में 6599 मीट्रिक टन यूरिया मौजूद होने का दावा किया गया है। यहां रोस्टरवार समितियों पर खाद बांटने की रणनीति अपनाई गई है। बलरामपुर में साधन सहकारी समितियों पर सुबह से ही किसान लाइन लगाए नजर आए। सुल्तानपुर, अमेठी, सीतापुर, गोंडा में सुबह से ही किसान लाइन लगाए रहे।

सिद्धार्थनगर में टोकन की व्यवस्था से खाद बांटी जा रही

है। बृहस्पतिवार को 1600 मीट्रिक टन अतिरिक्त यूरिया पहुंच रही है। साधन सहकारी समिति बेल्थीकर पर मंगलवार को राजस्व निरीक्षक और पुलिस की मौजूदगी में खाद बंटवाई गई। यहां की सहकारी समिति सेहड़ा कटहना सहित अन्य समितियों पर अभी तक खाद नहीं पहुंची है।

ऐसे में दूसरी समितियों पर भीड़ लग रही है। महाराजगंज जिले में एक ही किसान अलग-अलग समिति पर यूरिया के लिए लाइन लगाए देखे गए हैं। इस वजह से भी समस्या बढ़ी है। देवरिया में 161 समितियों पर अभी तक 17 हजार के सापेक्ष 15,636 मीट्रिक टन खाद भेजी गई है। इस वजह से यहां किसानों

को समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

बस्ती में मंगलवार को कई स्थानों पर पीओएस मशीन का सर्वर प्रभावित रहा, जिसकी वजह से खाद का वितरण नहीं हो पाया। जिले में 24 जुलाई तक वितरण लक्ष्य की अपेक्षा 56 प्रतिशत अधिक बांट का वितरण हो गया। जांच के दौरान पता चला कि वितरण में बड़े पैमाने पर धांधली हुई थी। सोनभद्र के कोन ब्लाक में मंगलवार को एआर कोआपरेटिव देवेंद्र प्रताप सिंह व बीडीओ जितेंद्र नाथ दुबे की मौजूदगी में यूरिया बंटवाई गई। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस भी मौजूद रही। दिनभर में करीब 200 किसानों को खाद मिली, जबकि

300 से अधिक लौट गए। समितियों पर 267 रुपए प्रति बोरी मिलने वाली यूरिया निजी दुकानदार 400 से 500 रुपए में बेच रहे हैं। किसानों को जिक्र या सल्फर भी थमाया जा रहा है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा, कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारियों के साथ खाद वितरण को लेकर बैठक की गई है। निजी कंपनियों से लगातार बात की जा रही है। दो दिन में अतिरिक्त रैक आ जाएगी। अभी भी जिलों में पर्याप्त खाद मौजूद है।

किसानों से अपील है कि वे परेशान न हों। अपनी जरूरत के हिसाब से ही खाद लें। घर में न रखें। किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरकों आसानी से मिलते रहे, इसके लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। जिला स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है। कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। कृषि विभाग सभी संबंधित एजेंसियों से मिलकर काम कर रहा है ताकि आपूर्ति में कोई बाधा न आए और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

यूपी में खाद की किल्लत के बीच भारी मुनाफा कमा रहे तस्कर नेपाल में 10 गुनी कीमत पर बिक रहा भारत का यूरिया



लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में यूरिया की कमी से हाहाकार मचा हुआ है। किसान यूरिया के लिए लाइन में लगे हैं लेकिन उन्हें नहीं मिल पा रही है। वहीं, तस्कर किसानों, निजी खाद विक्रेताओं और समितियों के सचिवों से साठगांठ कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। नेपाल से सटे प्रदेश के सात जिलों में खाद की किल्लत सबसे ज्यादा है लेकिन तस्कारी से नेपाल के खेतों में बहार है। तस्कर यहां खाद की 10 गुना ज्यादा कीमत वसूल कर मोटी कमाई कर रहे हैं।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने खाद तस्कारी के मामले में संवेदनशील सिद्धार्थनगर पहुंचकर कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद भी तस्कर भारतीय खाद को नेपाल तक पहुंचा रहे हैं। इस खेल में 266.50 रुपए में मिलने

वाली एक बोरी यूरिया नेपाल पहुंचते ही 1500 से 2000 रुपए की बिक रही है। इसी मोटी कमाई के कारण ही नेपाल सीमा से सटे पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, गोंडा, बाराबंकी, सहारनपुर, बरेली, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, बांदा, ललितपुर, मथुरा और चंदौली में खाद का संकट गहरा गया है। महाराजगंज में खुनुवा से लेकर रेंगहिया तक खाद की तस्कारी किसी से छिपी नहीं है।

नेपाल में यूरिया की प्रति बोरी कीमत 800 रुपए है लेकिन मधेश क्षेत्र में मांग की अपेक्षा आपूर्ति कम होने से कीमत 1500 से लेकर 2000 रुपए बोरी हो गई है। इसी का फायदा उठाने के लिए तस्करों ने कुछ किसानों,

निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से साठगांठ कर खेल शुरू कर दिया। देवी पाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल शुक्ल का कहना है कि नेपाल से सटे सीमावर्ती जिलों के डीएम व एसपी को एसएसबी के साथ समन्वय बनाकर खाद के अवैध परिवहन की सूचना पर तत्काल कार्रवाई के लिए कहा गया है। अगर कहीं भी खाद तस्कारी का मामला पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। श्रावस्ती में तस्कर दुकानों से 400 से 500 रुपए में यूरिया खरीदकर साइकिल और दूसरे चोर रास्तों से नेपाल पहुंचा रहे हैं। यहां प्रति बोरी 1200 से 1500 रुपए मुनाफे की बात सामने आई है। बलरामपुर से यूरिया नेपाल के कोयलाबास, सिसवारा, ककरहवा, खबरी नाका, गुर्गु नाका, सुकली नाका के किसानों तक पहुंच चुकी है।

वैदिक गणित और स्वास्थ्य की पढ़ाई भी करेंगे इंजीनियर

संगीत और संस्कृत की भी शिक्षा ले सकेंगे

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी के 750 से अधिक सरकारी व निजी इंजीनियरिंग, प्रबंधन व फार्मेसी संस्थानों के सिलेबस में बदलाव किया जा रहा है। अब उनकी रुचियां भी इसमें शामिल होंगी। प्रदेश के 750 से अधिक सरकारी व निजी इंजीनियरिंग, प्रबंधन व फार्मेसी संस्थानों में बीटेक, मैनेजमेंट व फार्मेसी के छात्र अब वैदिक गणित, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वसुधैव कुटुंबकम, खगोल विज्ञान, ज्योतिष, भारतीय संगीत व महिला स्वास्थ्य से जुड़ी विषयों की पढ़ाई करेंगे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत माइनर व इलेक्टिव कोर्स के रूप में इनकी शुरुआत इसी सत्र से करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय की हाल ही में हुई विद्या परिषद की बैठक में भारतीय ज्ञान प्रणाली पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू करने को हरी

झंडी दी गई है। इसके तहत इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट व फार्मेसी के छात्रों को मुख्य विषय की पढ़ाई के साथ ही बहुमुखी विकास के लिए अन्य क्षेत्र की जानकारी भी कराई जाएगी। इसमें वे वैदिक गणित, संगीत, संस्कृत, विज्ञान, टाउन प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, वेलनेस एंड साइकोलॉजी आदि विषयों की पढ़ाई कर सकेंगे।

इसके लिए विश्वविद्यालय के घटक संस्थानों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए जाएंगे। इसकी शुरुआत फैकल्टी ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (एफओपी) से होगी। इसके लिए 50 लाख रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है। इस सेंटर से अन्य संस्थानों के छात्र ऑनलाइन पढ़ाई करेंगे। इसी तरह राजभवन की पहल पर महिला स्वास्थ्य से जुड़ी पढ़ाई भी माइनर कोर्स के रूप में की जा सकेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तैयारी पूरी कर ली है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक एफओपी के बाद अन्य घटक संस्थानों में भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस खोलने की तैयारी

है। इसी क्रम में कई प्रमुख औद्योगिक संस्थानों के साथ मिलकर दर्जन भर माइनर कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इससे युवा उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार व समायोजित भी होंगे।

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने वैल्यू एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए कुछ मॉडल करिकुलम तैयार किए हैं। इसी क्रम में अंतरिक्ष विज्ञान में माइनर कोर्स शुरू किया जाएगा। इसकी तैयारी चल रही है। ऐसे कोर्स करने के बाद छात्रों के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा, भारतीय ज्ञान प्रणाली, समृद्ध सांस्कृतिक और दार्शनिक परंपराओं का संग्रह है। इसमें दर्शन, विज्ञान, कला, चिकित्सा और गणित जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इसको एनईपी में शामिल किया गया है ताकि छात्रों को अपनी जड़ों से जोड़ा जा सके। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में यह कोर्स शुरू किया जा रहा है।

जलालाबाद अब परशुरामपुरी के नाम से जाना जाएगा

शाहजहांपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद नगर को अब परशुरामपुरी के नाम से जाना जाएगा। इसका नाम बदल दिया गया है। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। इस संबंध में गृह मंत्रालय से पत्र जारी किया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती ने भी पिछले दिनों शाहजहांपुर का नाम बदले जाने की मांग की थी। जलालाबाद का नाम बदल कर परशुरामपुरी रखे जाने पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के

नेतृत्व में आए इस निर्णय ने संपूर्ण सनातनी समाज को गौरव प्रदान किया है।

उल्लेखनीय है कि योगी सरकार ने जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन दे दिया था। प्रदेश के प्रमुख सचिव ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव को पत्र भेजकर नाम परिवर्तन की स्वीकृति शीघ्र देने की अपेक्षा की थी। इस पर गृह मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है। बीते दिनों प्रदेश के प्रमुख सचिव की ओर से केंद्रीय गृह सचिव को पत्र भेजा गया था।

जिसमें कहा गया था कि जलालाबाद भगवान परशुराम की जन्मस्थली है। वहां भगवान परशुराम का काफी पुराना ऐतिहासिक मंदिर भी है। इसलिए

जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी रखे जाने की मांग की जाती रही है।

नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 व सितंबर 2023 में इस मांग के प्रस्ताव बोर्ड बैठक में भी पारित किए। अप्रैल में शाहजहांपुर के डीएम ने बोर्ड की बैठक में पारित प्रस्ताव संलग्न कर नाम परिवर्तन को अपनी संस्तुति सहित पत्र शासन को भेजा था। पत्र में प्रमुख सचिव ने यह भी कहा था कि केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बीते अप्रैल में ही लोगों की आस्था को देखते हुए नगर का नाम परशुरामपुरी घोषित किए जाने की मांग शासन से की थी। उक्त मांग तथा पालिका बोर्ड के प्रस्ताव पत्र प्रदेश सरकार ने अपनी सहमति जताते हुए नगर का नाम परश-

ुरामपुरी किए जाने का अनुमोदन दे दिया था। इस प्रस्ताव पर गृह मंत्रालय ने मंजूरी देते हुए बुधवार को पत्र जारी कर दिया।

भगवान परशुराम की यह नगरी आसपास क्षेत्र में ही नहीं बल्कि दूरदराज जनपदों के लोगों की आस्था से जुड़ी रही है। इस नगर का नाम परशुरामपुरी घोषित किए जाने की मांग भी लंबे समय से चली आ रही थी। भगवान परशुराम की इस नगरी को शासन की ओर से 24 अप्रैल 2022 को जन्मस्थली घोषित किया गया था। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मंदिर प्रांगण में आयोजित सभा में इसकी घोषणा की थी। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण का सुदरीकरण करते हुए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कराने का वादा भी किया था।

मुफ्ती सलीम नूरी ने कहा, हमारे देश का संविधान सबसे बेहतर मुल्क का वफादार ही मजहब और रजा का असली पैरोकार

बरेली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

जो मुल्क का वफादार है, वही मजहब और रजा का असली पैरोकार है। हमारा संविधान सबसे बेहतर है। बरेली में उर्स-ए-रजवी के दूसरे दिन मंगलवार को इस्लामिया मैदान में अंतरराष्ट्रीय नामूस-ए-रिसालत, सौहार्द और मसलक-ए-आला हजरत कॉन्फ्रेंस में दरगाह प्रमुख सुब्हान रजा खान का पैगाम सुनाते हुए मुफ्ती सलीम नूरी ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि मुल्क में सभी को अपने मजहबी कार्यक्रम करने की आजादी है। सभी मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए काम करें। सरकारें आती-जाती हैं, पर मुल्क का इतिहास बहुत पुराना है। राजनीतिक दलों से इस्तेफाक अलग चीज है। मुल्क से वफादारी इससे जुदा है। इस मिट्टी में सभी का लहू शामिल है। हमें अपने बच्चों को शरीयत के साथ ही संविधान भी पढ़ाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द के लिए देश की खानकाहों को आगे आना होगा। आज जिन मद्रसों को शक की निगाह से देखा जा रहा है, टीपू सुल्तान, बहादुर शाह जफर, अल्लामा फजले हक खैराबादी सहित आजादी के कई मतवालों ने यहीं तालीम हासिल की थी। मुसलमानों और मद्रसों को देशभक्ति के लिए किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं। कॉन्फ्रेंस में कारी सखawat मुरादाबादी ने कहा कि अमेरिका ने दुनिया के कई मुल्कों को बर्बाद कर दिया। आज अमेरिका की मदद से ही इजराइल,



फलस्तीन को बर्बाद कर रहा है। पाकिस्तानी उलमा और यू ट्यूबर्स से दीन न सीखें। सुन्नी उलमा की किताबों से दीन की तालीम लें। उन्होंने जुमे की

नमाज के बाद खुतबे में सौहार्द को बढ़ावा देने की अपील की। कश्मीर से आए मुफ्ती अब्दुल रऊफ ने कहा कि मसलक-ए-आला हजरत पर कायम रहें। वहाबी विचारधारा से बचें। मौलाना मुख्तार बहेडवी ने कहा कि मुफ्ती आजम हिंद ने देश के विभाजन के वक्त खिंची खाई को अपने इल्म से पाटने का काम किया था। यह कॉन्फ्रेंस दरगाह प्रमुख मौलाना सुब्हान रजा खान व सच्चादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी की सदारत व सैयद आसिफ मियां की देखरेख में हुई। इसमें मौलाना कमर रजा, मौलाना जाहिद रजा, मुफ्ती बशीर उल कादरी, कारी अब्दुलहमान कादरी, मुफ्ती अख्तर, मौलाना असलम टनकपुरी, नेपाल के नसरुद्दीन रजवी, मॉरीशस से आए मुफ्ती नदीम, मुफ्ती रियाजुल हसन आदि ने भी खिताब किया। संचालन कारी युसुफ रजा संभली ने किया।

लव जेहाद केस में 3 साल की कैद

बरेली, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

बरेली के सिरौली थाना क्षेत्र में एक युवती पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के मामले में जिला जज सुधीर कुमार की अदालत ने तौफीक को तीन साल की सजा कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 29 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, जिसमें से आधी राशि पीड़िता को दी जाएगी। पीड़िता ने 20 अक्टूबर 2024 को सिरौली थाने में शिकायत दर्ज की थी कि तौफीक ने उसे प्रेमजाल में फंसाकर निकाह के लिए धर्म बदलने का दबाव बनाया। उसने युवती का नाम बदलकर शबनम रख दिया और बार-बार उसी नाम से पुकारता था। तौफीक रास्ता रोककर परेशान करता था और पीड़िता के साथी को जान से मारने की धमकी भी दी थी। उसके खिलाफ पहले से चोरी और लूट के मामले दर्ज थे। पुलिस ने उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन अधिनियम और बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया।

सरगना छांगुर के धर्मांतरण गैंग में सपा नेता भी शामिल

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

सरगना छांगुर के धर्मांतरण गिरोह में सपा का नेता भी शामिल पाया गया है। कुशीनगर की एक पीड़िता ने विश्व हिंदू रक्षा परिषद के लखनऊ कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने बताया कि समाजवादी पार्टी के नेताओं ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया, उसका धर्मांतरण कराया और फिर शारीरिक शोषण के बाद उसे छोड़ दिया।

पीड़िता ने बताया कि 2017 में जब वह हाई स्कूल की छात्रा थी, तब उसकी मुलाकात बबलू खान उर्फ रफी खान से हुई। बबलू उसे अपने घर ले गया और तीन दिन तक उसका रेप करता रहा। बाद में उसने अपने दोस्त नौशाद उर्फ नाटा नवाब और आलमगिर अंसारी से मिलवाया, जो उसे छांगुर के पास ले गए। पीड़िता ने बताया कि छांगुर ने उसे नशीला पदार्थ और जूटा पान खिलाकर नौशाद के साथ उसका निकाह करवाया और धर्मांतरण करा दिया।

आरोपियों की पहचान समाजवादी पार्टी के नेता के रूप में हुई है, जिनकी तस्वीरें सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ भी हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि नौशाद उसे मुंबई ले गया, जहां वह एक साल तक रही और लगातार उसका शारीरिक शोषण किया गया। यह पहली बार नहीं है जब



भी अपनी कहानी सुनाई थी। बेंगलूर की पीड़िता ने बताया था कि सऊदी अरब में उसके साथ गैंगरेप हुआ और उसे ब्लैकमेल कर 10 लाख एंटे गए। आरोपी राजू राठौर उर्फ बसीम ने इस्टाग्राम पर दोस्ती की थी। औरैया की पीड़िता ने बताया कि शराब की लत छुड़ाने के बहाने उसके पिता को झांसे में लिया गया और फिर आरोपित ने उससे शादी कर ली।

इन सभी मामलों में पीड़िताएं बताती हैं कि अपराधियों को स्थानीय पुलिस का संरक्षण प्राप्त था, जिसके कारण उनकी शिकायत दर्ज नहीं हो सकी। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अध्यक्ष ने पुलिस पर बिना पैसे के मदद न करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि छांगुर पीर के गिरोह पर सख्त कार्रवाई की जाए, क्योंकि उसके गुर्गे अभी भी बाहर घूम रहे हैं और पीड़ितों के लिए खतरा बने हुए हैं।

डेढ़ करोड़ की ठगी में पवन सिंह पर एफआईआर

वाराणसी, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह कानूनी संकट में फंस गए हैं। वाराणसी की कोर्ट ने 13 अगस्त 2025 को उनके खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। कारोबारी विशाल सिंह ने आरोप लगाया है कि साल 2018 की फिल्म बांस में निवेश करवाकर करीब 1.25 करोड़ की ठगी की गई। पीड़ित विशाल का कहना है कि पवन सिंह और अन्य लोगों ने मोटे मुनाफे का वादा किया, लेकिन फिल्म रिलीज होने के बाद पैसे नहीं लौटाए। विशाल ने बताया कि जब उन्होंने पैसे मांगे तो टालमटोल शुरू हो गया। आरोप है कि पवन सिंह ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

पुलिस से शिकायत पर कार्रवाई न होने के बाद मामला कोर्ट पहुंचा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने प्रथम दृष्टया आरोप सही मानते हुए एफआईआर दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। फिल्म के चार अन्य लोगों पर भी केस दर्ज होगा। मामला अब पुलिस जांच के अधीन है।

संपादकीय

महाभियोग की नौबत

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की नौबत...यकीनन संविधान और लोकतंत्र के लिए एक भयावह, चुनौतीपूर्ण और अस्वीकृति की स्थिति है। संवैधानिक व्यवस्था में यह नौबत क्यों आनी चाहिए? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त शारीरिक और मानसिक तौर पर अक्षम हो गए हैं? क्या उनकी साख और निष्पक्षता निर्णायक तौर पर सवालिया अथवा आशंकित हो गई है? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भ्रष्टाचार अथवा पक्षपात के आरोप कानूनन साबित हो चुके हैं और अदालत ने फैसला सुना दिया है? विपक्ष की 'वोट चोरी' के आरोप ही पर्याप्त नहीं हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया आरंभ की जाए। किसी भी संवैधानिक संस्था या पदासीन अधिकारी के खिलाफ महाभियोग मोहभंग और अस्वीकृति की पराकाष्ठा है। यह नौबत ही क्यों आनी चाहिए? यदि राजनीतिक नेतृत्व और प्रतिनिधित्व का एक ही पक्ष महाभियोग की बात करने लगे, तो वह उस संवैधानिक संस्था अथवा अधिकारी के प्रति दुराग्रह की भावना है। निश्चित तौर पर उसकी पृष्ठभूमि में प्रतिशोध का भाव भी निहित होगा। एक पक्ष के पूर्वाग्रहों से संवैधानिक और संसदीय व्यवस्थाएं नहीं चल सकती। कुछ उदाहरण सामने हैं। अप्रैल, 2018 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव विपक्ष ने राज्यसभा में दिया। आरोप खोखले, कुत्सित और पूर्वाग्रही थे, लिहाजा ऐसे ही कुछ आधारों पर तत्कालीन सभापति वैजया नायडू ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसी तरह तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ राज्यसभा में ही कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने महाभियोग का नोटिस दिया। प्रस्ताव में उन्हें पक्षपाती करार दिया गया कि वह विपक्ष को उसका पक्ष रखने को पर्याप्त समय नहीं देते हैं। बरहाला अपरिहार्य आधार पर वह प्रस्ताव भी खारिज हो गया, लेकिन इस अंतर्वाल में, मीडिया के विभिन्न प्रारूपों में, इन संवैधानिक हस्तियों के खिलाफ जो कुछ लिखा या कहा गया, यकीनन उनकी शख्सियत पर कीचड़ उछाले गए, उसकी भरपाई कौन करेगा? अब बारी मुख्य चुनाव आयुक्त की है। सोशल मीडिया पर उन्हें 'केचुआ' करार दिया जा रहा है। क्या यह उपमा उचित है? वेशक संविधान के अनुच्छेद 324 (5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की व्यवस्था दी गई है, लेकिन 'महाभियोग' शब्द का कहीं भी उल्लेख नहीं है। 'वोट चोरी' पर विपक्ष और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच विरोधाभास है। यह स्पष्ट है कि संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव ध्वस्त होना तय है, क्योंकि दो-निहाई बहुमत उसके पक्ष में नहीं है और वेशक सत्ता पक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को जरूर बचाएगा। प्रधानमंत्री और गुहमंत्रि वाली चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर ज्ञानेश कुमार को नियुक्ति की है। वह पक्ष महाभियोग को सफल क्यों होने देगा? इस यथार्थ के बावजूद और ध्रुवीकरण की राजनीति के मद्देनजर वह नरेटिव फैलाना शुरू किया गया है कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर सफल कर रहा है। विपक्षी गठबंधन के अधिकार दल इसके पक्ष में है। 'वोट चोरी' का मामला अभी सर्वोच्च अदालत में है और अगली सुनवाई 22 अगस्त को होनी है। अदालत के अंतिम आदेश के मुताबिक, आयोग ने मतदाता सूचियों से काटे गए 65.64 लाख नामों को अपनी वेबसाइटों पर सार्वजनिक कर दिया है। दावा यह भी किया जा रहा है कि नाम काटने के 'कारण' भी बताया गए हैं। अब आयोग ने 'आधार कार्ड' को स्वीकार करना भी शुरू कर दिया है। इस कार्ड के साथ आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। मतदाताओं की निजता का मुद्दा भी अदालत के विचाराधीन है। विपक्ष को सर्वोच्च अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए था।

कुछ अलग

कुछ अलग

वेलकम टू वन्स अगेन गाइज

हैलो गाइज! वेलकम टू वन्स अगेन आपके प्रिय लाइव में! मैं हूँ आपकी मोस्ट! मोस्ट! मोस्ट फेवरिट इकलौती यूट्यूबरतो आज मैं आपको लेकर आई हूं खास, अस्टूड, वर्जिन थोम बोले तो गोबर ! गोबर जिसे अंग्रेजी में डंग बोलते हैं। लेकिन हिंदी में इसे गोबर ही बोलेते हैं। वही गोबर जो हर गांव, कस्बे से लेकर शहर, महाशहर की सड़कों पर आम पाया जाता है। आज का मेरा यह एपिसोड आपके साथ-साथ गोबर को डेडीकैटेड रहेगा। गाइज! गोबर की हिस्ट्री राजा-रानी की हिस्ट्री से पुरानी है। गोबर की हिस्ट्री प्रजा की हिस्ट्री से पुरानी है। गोबर की हिस्ट्री गुजरा-भैंसों की हिस्ट्री से पुरानी है। दुनिया में जब कोई नहीं था, तब गोबर था। दुनिया में जब कोई नहीं रहेगा, गोबर रहेगा। आई मीन यू से डेट गोबर इज अजर अमर। सो गाइज ! तो जो गोबर मैं आज आपको दिखाने जा रही हूँ, वह गोबर अमेजन पर ऑनलाइन गाय के गोबर के रूप में भी जागरूक से जागरूक उपभोक्ताओं द्वारा गोबर की सही नौलेज न होने के कारण बिना किसी शक के खरीदा जा रहा है। गाइज ! यह भैंस का गोबर इसलिए है, क्योंकि यह भैंस का गोबर है। ऐसा कम ही होता है कि गाय-भैंस वाला गोबर करे। बैल भैंसे वाला गोबर करे। पर ऐसा होता आज तक किसी ने नहीं देखा है। गोबर की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि नकली बूढ़ बनाया जा सकता है, पर नकली गोबर नहीं। गाइज ! यह जो गोबर होता है न ! यह तब बनता है जब भैंस घास खाती है। भैंस जितना घास खाएगी, उतना ही गोबर देगी। यदि भैंस भूखी रहेगी तो गोबर कम देगी। गाइज ! गोबर और घास का आपस में बहुत ही क्लोज रिलेशन होता है। सारे रिलेशन टूट सकते हैं, पर यह रिलेशन अटूट होता है। अगर भैंस घास नहीं खाएगी तो गोबर भी नहीं देगी।

दृष्टि कोण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के ध्वजारोहण समारोह में जो भाषण दिया, वह भारत राष्ट्र की कूटनीतियों को सुदृढ़ता तथा विभिन्न बाधाओं के उन्मूलन के प्रति शासन की सुशासकीय कार्यनीतियों की संक्रियता का श्रेतक था। उनके अनेक वक्तव्यों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्थितियों के संदर्भ में लोगों को एक नव विचार प्रदान किया है। चाहे वक्तव्य शीघ्र हो भारत के विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का हो, सामरिक क्षेत्र में देशाभ्युदय के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य देंगी। यदि भैंस भूखी रहेगी तो गोबर कम देगी। गाइज ! गोबर और घास का आपस में बहुत ही क्लोज रिलेशन होता है। सारे रिलेशन टूट सकते हैं, पर यह रिलेशन अटूट होता है। अगर भैंस घास नहीं खाएगी तो गोबर भी नहीं देगी।

हो, अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से भारत में विपक्ष को जैसै-तैसे राजनीतिक रूप में मजबूत बनाने के लिए देश की जनसांख्यिकी को बदलने का हो, देश में पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा अन्य सीमांत देशों से हुई अथवा ही रही अवैध घुसपैठ का हो। इसके अलावा सुशासन में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय एवं कार्यपरायण उत्तरदायित्वों के 100 वर्षीय योगदान का हो, अथवा राष्ट्रीय जनताधिक गठबंधन के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के त्त 12 वर्षीय शासन की समयावधि में हो, चर्चुदृश अपेक्षाकृत वृहद उपलब्धियों का वक्तव्य हो, लागू सभी क्षेत्रों एवं विषयों के बारे में प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता को दायित्वबोध के साथ अवगत कराया कि वे राष्ट्र व राष्ट्रीयता के लिए आजीवन समर्पित रहें। प्रधानमंत्री के भाषण के आलोक में आवश्यकता इस विचार की है कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य सामने है कि गाइज ! गोबर और घास का आपस में बहुत ही क्लोज रिलेशन होता है। सारे रिलेशन टूट सकते हैं, पर यह रिलेशन अटूट होता है। अगर भैंस घास नहीं खाएगी तो गोबर भी नहीं देगी।

हो, अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से भारत में विपक्ष को जैसै-तैसे राजनीतिक रूप में मजबूत बनाने के लिए देश की जनसांख्यिकी को बदलने का हो, देश में पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा अन्य सीमांत देशों से हुई अथवा ही रही अवैध घुसपैठ का हो। इसके अलावा सुशासन में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय एवं कार्यपरायण उत्तरदायित्वों के 100 वर्षीय योगदान का हो, अथवा राष्ट्रीय जनताधिक गठबंधन के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के त्त 12 वर्षीय शासन की समयावधि में हो, चर्चुदृश अपेक्षाकृत वृहद उपलब्धियों का वक्तव्य हो, लागू सभी क्षेत्रों एवं विषयों के बारे में प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता को दायित्वबोध के साथ अवगत कराया कि वे राष्ट्र व राष्ट्रीयता के लिए आजीवन समर्पित रहें। प्रधानमंत्री के भाषण के आलोक में आवश्यकता इस विचार की है कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य सामने है कि गाइज ! गोबर और घास का आपस में बहुत ही क्लोज रिलेशन होता है। सारे रिलेशन टूट सकते हैं, पर यह रिलेशन अटूट होता है। अगर भैंस घास नहीं खाएगी तो गोबर भी नहीं देगी।

गुरुवार,21 अगस्त, 2025 बेंगलूरु

कुत्तों में उलझी न्यायपालिका और विधायिका गली के कुत्तों पर गली-गली बवाल



डॉ. मोतीलाल गुना 'आदित्य'

उनका घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। पता नहीं कब कौन सा कुत्ता किसे काट ले। बच्चे के घर से बाहर निकलते ही उसे मार डाले। दिल्ली के कई रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों और कुछ नागरिकों ने कुत्तों के हमलों और काटने की घटनाओं पर गंभीर चिंता जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इन शिकायतों में कहा गया था कि दिल्ली में गलियों के कुत्तों की संख्या लगभग 10 लाख तक पहुंच चुकी है और इनके कारण लोगों की सुरक्षा खतरों में है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों पर हमलों की घटनाओं का हवाला दिया गया।

11 अगस्त 2025 को, एक दो-न्यायधीशों की बेंच-जिसमें न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन शामिल थे उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सड़कों पर रहने वाले सभी कुत्तों को आठ सप्ताह में शेल्टर होम्स (आश्रय गृहों) में स्थानांतरित करने का आदेश दिया। इस फैसले में कहा गया था कि गलियों के कुत्तों को किसी भी हाल में सार्वजनिक जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाए। शेल्टर होम (आश्रय-स्थल) में पर्याप्त स्टाफ, सीसीटीवी और हेल्पलाइन व्यवस्था हों। यह भी कि इस प्रक्रिया में कोई बाधा डाले तो कठोर कार्रवाई हो सकेगी।

सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय के बाद तो देशभर में पशु-प्रेमी और ऐसे संगठनों ने सड़कों पर उतर कर अपना जबरदस्त विरोध प्रकट किया। इन संगठनों ने इस विषय पर पुनर्विचार की मांग की और कहा कि

देश दुनिया से

कितने जख्म देगी बेरहम-विनाशक बरसात?

बेरहम

बरसात का खौफनाक मंजर थमता नजर नहीं आ रहा है। हर तरफ तबाही ही तबाही मची हुई है। 13 अगस्त बुधवार को लाहुल स्पीति, कुल्लू, श्रीखंड में बादल फटने से काफी तबाही हुई है। उदयपुर की मियाड़ घाटी में बादल फटने से बहुत तबाही हुई है। वहीं श्रीखंड में भी बादल फटने से नुकसान हुआ है। तीर्थन घाटी में भी बादल फटा है। एकदिन में तीन घटनाएं हुई हैं जिससे लोग खोफ में हैं। बरसात के कहर ने बहुत अममोल जीवन लील लिए हैं। अभी भी पता नहीं कितने लोगों की जान लेगी? 2018 से 14 अगस्त 2025 तक सात साल में यह तबाही का सिलसिला निर्बाध रूप से चला हुआ है। हर साल बरसात का कहर आता है और सबकुछ बहा कर ले जाता है। सराज, मंडो, कर्सोग, सयांज, कुल्लू में सबसे पहले बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। बरसात के कहर का आगाज 20 जून से हुआ था 14 अगस्त 2025 तक भी यह कहर जारी है। बरसात में अब तक 241 लोगों की जान जा चुकी है और 326 लोग घायल हैं तथा 36 लोग अभी भी लापता हैं। बेरहम बरसात ने बेकसूर लोगों को इतने गहरे खरम दिए हैं कि आंसुओं का सैलाव नहीं थम रहा है। हिमाचल के हर गांव में कण कण दान मचा हुआ है। लोग सदम में हैं हैं। ऐसा सदमा लगा है कि इससे उभरने में सदियों लग जाएंगी। हर तरफ मातम छाया हुआ है। आंखें पथरा गई हैं। चूल्हे नहीं जल रहे हैं। राहत शिविरों में रातें कट रही हैं। आपदा से ग्रस्त लोगों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि विपदा पड़ जाएगी। पिछले कई दिनों से खाना-पीना रहत शिविर में ही चल रहा है। अपनों की कोई याद राही है, जो बाद में बिछ गए हैं और बह गए हैं। डरावनी रात बार-बार याद आती है तो रँगटे खड़े हो जाते हैं। बेरहम प्रकृति ने चंद मिनटों में तबाही का मंत्र देखिया है, बहुत ही भयानक था। सयांज के अभागे गांव पंगलपूर में बाद ने एक ही परिवार के नौ लोगों को छीन लिया। केवल मात्र एक लड़की ही जिंदा बची है। वहीं बाढ़ा में भी नौ महीने की एक नवजात बच गई है। उसके मां-बाप मौत के आगोश में समा चुके हैं। 130 जून को कर्माट की नैऐसी तबाही की इबारत लिखी है कि यह इतिहास बन गई है। आनेवाली सात पीढ़ियों को भी यह डरावना बरसात का कहर याद रहेगा। बरसात के इस कहर ने ऐसे जख्म दिए हैं कि जख्म तो भर जाएंगे पर घाव रिसते रहेंगे। सराज में बेरहम प्रकृति ने ऐसी तबाही की है कि लोग इसे ताउम नहीं भूल सकते हैं। मंगलवार को चंबा के चुराह में बादल फटने से लोगों के खेत बह गए, गनीमत रही कि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। 130 जून को कर्सोग में बादल फटने से बाढ़ की चपेट में आने से

यह निर्णय व्यवहारिक नहीं है। इस निर्णय के कारण गलियों के कुत्तों के साथ क्रूरता होगी। उधर गलियों के कुत्तों से परेशान लोग भी निर्णय के पक्ष में खड़े हो गए। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस मामले पर दो न्यायाधीशों के बदले तीन न्यायाधीशों की बेंच बना दी है। सर्वोच्च न्यायालय की तीन सदस्य पीठ में जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया शामिल हैं। इस पीठ ने आवारा कुत्तों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाई है और मामले सुनवाई जारी है।

गली के कुत्तों पर उठा यह बवाल न्यायपालिका के गलियारों से निकलकर अलग गलियों और सड़कों से होते हुए राजनीति के गलियारों में भी जा पहुंचा। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को क्रूर और दृढ़शीता-रहित बताया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा और पशु कल्याण साथ चल सकते हैं। उनकी बहन और सांसद प्रियंका वाड़ा ने इस निर्णय को अत्यंत अमानवीय बताया और कहा इतनी जल्दी कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाकर उन्हें इतमें में स्थानांतरण करने की बात अव्यवहारिक है। कांग्रेस के ही नेता शशि थरूर का कहना था कि समस्या के समाधान और उसके कार्यान्वयन में फोकस एनजीओ यानी गैर सरकारी संगठनों पर होना चाहिए। जानी मानी पशु-प्रेमी और इसके लिए आवाज उठाने वाली पूर्व सांसद मेनका गांधी, जो प्युपल फॉर एनिमल्स (इन्फ्र-) की अध्यक्ष हैं, उन्होंने इस आदेश को अव्यवहारिक बताया हुए कहा कि गलियों के कुत्तों के लिए इतने कम समय में ऐसे आश्रय-स्थल बनाना संभव नहीं है और इससे सरकार पर अत्यधिक वित्तीय बोझ पड़ेगा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने भी इस निर्णय को क्रूर और अमानवीय; बताया हुए कहा कि इस निर्णय की समीक्षा होनी चाहिए। इसके विपरीत दिल्ली भाजपा नेता विजय गोयल ने कहा कि हम जनता की इस सुरक्षा के आदेश का स्वागत करते



लापता ललित कुमार का शव करला के पास सतलुज नदी में बरामद हो गया। अभी बहुत लोग लापता हैं। आलौशान अशियानेमिद्धी बन गए, जर्मींदोज हो गए हैं, लोग बेघर हो गए हैं। प्रकृति ने सब तहस-नहस कर दिया है। शवों की तलाश के लिए दिन रात टीमें जुटी हैं, लेकिन अभी तक शव नहीं मिल रहे हैं। बाढ़ में बह चुके लोगों के परिजनों के आंसू सूख चुके हैं। बाढ़ में खो चुके अपनों की तलाश में मारे-मारे फिर रहे हैं, पर अपनों की लाशें नहीं मिल रही हैं। जून में हुई त्रासदी इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कहीं फिर से पहाड़ का मलबा न आ जाए, लोग खोफ के साए में रातें काट रहे हैं। वर्ष 2018 में भी बहुत मानवीय त्रासदी हुई थी और 2024 में भी हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे गए थे। समेज गांव का नामागिनशनमिटगया था और 42 लोग अकाल बेमौत मारे गए थे। प्रदेश में पहले भी कई भीषण त्रासदियां हो चुकी हैं। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे से लेकर बूढ़े बुजुर्ग मारे गए हैं, तो कहीं सैकड़ों बेजुबान पशुओं की दबकर मौत हो गई। दलनों में लोग पानी में बह गए और करोड़ों की संपत्ति तबाह हो गई। पहाड़ के मलबे की चपेट में आने से काफी जान-माल का नुकसान हो रहा है। प्रकृति की इस विभीषिका में हजारों लोग अंपंग हो गए हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं। लोशें मलबे में दफन हो गई हैं। सरकार को कर्मिष्टा प्रत्येक गांव से लेकर शहरों तक आपदा प्रबंधन कमेिटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर, नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए, ताकि त्वरित कार्रवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचाया जा सके। अक्सर देखा गया है कि जब

तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थलों पर पहुंचती हैं, तब तक बची हुई सांसें उखड़ जाती हैं, लाशों के ढेर लग जाते हैं। अगर समय पर आपदाप्रसट लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जंदिगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी मॉर्काइल जैसे आयोजन करने चाहिए, ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके। स्कूलों व कालेजों में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व साउट एंड गाइड के स्वयंसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारंगत किया जाए। अगर यही स्वयंसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताएं तो काफी हद तक नुकसान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए, ताकि समय पर काम आ सके। पुलिस व अग्निसमन के कर्मचारियों को भी समय-समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए। अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएंगे तो तबाही कम हो सकती है। प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो मानव व अपनी जीवन शैली बदलनी होगी। छेड़छाड़ बंद करनी होगी, नदियों व नालों से दूर मानव बनाने होंगे। अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सिखाती रहेगी। बाल फटते रहेंगे, बाढ़ें आती रहेंगी। सतकंता बरतनी होगी ताकि फिर कभी ऐसी त्रासदी न खेलनी पड़े। प्रकृति का संरक्षण निहाय जरूरी है, नहीं तो परिणाम थातक होंगे।

कूटनीति-राजनीति का संतुलनकर्ता भारत

पूरी दुनिया पर थोपना चाहते हैं। इसके लिए वे देशों के सामने अपने मनमाने प्रस्ताव रखते हैं। यदि देश राष्ट्रीयता, संभ्रभुता के आधार पर ऐसे प्रस्तावों का विरोध करते हैं, तो ये लोग वाह अलोकतांत्रिक ढंग से सत्ता परिवर्तित करके अपने संकेतों पर चलने वाले उन देशों के समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कूटनीति स्तर पर जैसे वजितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुपने लगे हैं। फलस्वरूप दीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार पर समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कूटनीति स्तर पर जैसे वजितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुपने लगे हैं। फलस्वरूप दीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार पर समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कूटनीति स्तर पर जैसे वजितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुपने लगे हैं। फलस्वरूप दीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार पर समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कूटनीति स्तर पर जैसे वजितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुपने लगे हैं। फलस्वरूप दीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार पर समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कूटनीति स्तर पर जैसे वजितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुपने लगे हैं। फलस्वरूप दीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार पर समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कूटनीति स्तर पर जैसे वजितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुपने लगे हैं। फलस्वरूप दीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार पर समग्र्राषिय के दीपस्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों के भलीभांति संपन्न कर रहा है। आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, यैराच्यति, इत्यादि क्षेत्रों में प्रकृति के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे दीपस्टेट्स खरबर्पित कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को

कौन देखता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह धरती केवल मनुष्यों के लिए नहीं बल्कि सभी पशु-पक्षियों और जीव-जंतुओं के लिए भी है। मुझे लगता है कि इसके लिए एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाना चाहिए और ऐसे प्रावधान भी किए जाने चाहिए कि नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। इसके लिए नगर-निगमों व नगरपालिकाओं आदि में पशु - पक्षी अस्पताल और आवश्यकतानुसार बीमार व कमजोर पशुओं के लिए आश्रय स्थल भी बनाए जाने चाहिए। आवारा पशुओं की समस्या के समाधान के लिए आश्रय-स्थलों के अलावा अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जाना चाहिए। आज भारत में, विशेषकर शहरों में ज्यादातर कुत्ता-प्रेमी अपने देश के कुत्तों के बजाए आयातित, विदेशी नस्ल के कुत्तों को पालते हैं। सरकार विदेशी - नस्ल के कुत्तों पर प्रतिबंध लगा कर अपने देश के सड़कों और गलियों में रहने वाले कुत्तों को आश्रय की व्यवस्था कर सकती है। ऑल पेट डॉस स्ट्रेटिस्टिक्स के अनुसार, 2023 में भारत में पालतू कुत्तों की अनुमानित संख्या 3.3 करोड़ थी, जो कि 2028 तक 5.1 करोड़ तक बढ़ने की संभावना है। हालांकि पंजीकृत पालतू कुत्तों का प्रतिशत बहुत कम है। हो सकता है कि बहुत सारे पालतू कुत्ते पंजीकृत न हों। इन्में विदेशी नस्ल के कुत्तों की जानकारी ज्ञात नहीं है। लेकिन विदेशी नस्लों को प्रतिबंधित कर हम देसी कुत्तों के आश्रय की व्यवस्था कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त इस कार्य में पशु-प्रेमी संस्थाओं की सहभागिता का सहयोग लेने से सरकारों पर पड़ने वाला बोझ भी कम होगा और गलियों के कुत्तों आदि के प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकेगा। इस कार्य के लिए सरकार द्वारा एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन करते हुए पशु-प्रेमी संस्थाओं और व्यक्तियों व राज्य सरकारों आदि से चर्चा के बाद ऐसे नीतिगत निर्णय लिए जाने चाहिए, जिससे गलियों के कुत्ते और मनुष्य सह अस्तित्व के साथ रह सकें।

आप का नजरिया

सदन की अनुगूज

हक और आत्मसम्मान के लम्हों के बीच सदन की बहस के मार्मिक पन्ने और हिमाचल की परंपराएं अनूठी पहल को ख्वाहिश कर लेती हैं। मानसून सत्र की आंखें भीगी तथा लंबों पर प्रदेश के अस्तित्व से जुड़े सवाल विधानसभा के माहौल को जवाबदेह बना रहे हैं। विपक्ष का काम रोको प्रस्ताव, सरकार की सहमति का वारिस बनकर जब सदन में गूंजता है, विचारधाराओं से कहीं आगे पक्ष-प्रतिपक्ष के सुझावों की अनुगूंज एक सरीखी हो जाती है। होगा गुस्सा बादलों पर आमदा, मगर जमीन के आंसुओं की अपनी दास्तान अलग थी। ये आंसू न मेरे, न तेरे, हिमाचल की चुनौतियों के सामने हम सबके लिए कुछ नया करने की हिदायत से सने हैं। सुर्खियां तो इस बार भी

निकलेंगी, लेकिन आपदा के मुहाने विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच बंटने नहीं चाहिए। यहां चुराह विधानसभा का दर्द शाहपुर से भिन्न नहीं। आपदा वीआईपी को संवोधित नहीं होती, इसीलिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू क्षेत्र विशेष के बजाय पूरे हिमाचल के लिए आर्थिक पैकेज की मांग कर रहे हैं। हिमाचल का मूल्यांकन सही तरह से न तो सामान्य परिस्थितियों में हुआ और न ही आपदा के वक्त भी राज्य की पुकार समझी जा रही है। इसीलिए प्रोजेक्ट स्पेसिफिक राहत के आवंटन में पूरे प्रदेश की रासदी नहीं सुनी जा सकती। हिमाचल पागंडियों से पागंडियां मिलाले हुए आपो बढेने के मौल पथर चुनता रहा है। अगर कुल्लू-मनाली के रास्ते अवरुद्ध होते हैं, तो कहीं पूरा ऊना जमसुन होकर चीखोपुकार कर रही है। कांगड़ा में भाली के मोड़ या दुमरा के पास सड़क गायब हो जाती है, तो पठानकोट-चंबा के टूटे संपर्क को जोड़ने की मशकत अरम है। आपदा एक रेखांकन कर रही है और पूछ रही है, 'क्या यही है पवतीय विकास।' क्या इन्हीं हालात में जीने को जीना कल्ला पूरा प्रदेश। सराज का आपदा के कंटो पर लहलुहान होना केवल नसिहत नहीं है, हिमाचल को नए सिरे से देखने के अलफ़ा है। सदन के भावुक क्षण इस बार आक्रो को हरा पाएंगे या हमें गुस्से में खुद को दिखाकर सदन का ताप याम बढ़ाना है। यह दौर है कि बहस में 'काले झंडे' उतर आए। ये थे आपदा के नाजूक दौर में, इसीलिए उप

मुख्यमंत्री मुकेश आर्निहोत्री ने गुस्से को भावुक बनाने हुए सार्वजनिक अचरण की लक्ष्मण रेखाएं तराशों तो जंगीरों में संयम सोखने की जरूरत को देखा गया। अब बहस अगर तेरें और मेरे काले झंडों में होगी, तो हर कौी का सत्ता को विपक्ष में फंसाया है। पहली बार राहत की सामग्री में कहीं भाजपा, तो कहीं कांग्रेस का दाग उभर आया। इसी तरह के उकराव के किस्सों की कहानियां अगर सदन सुनता रहेगा, तो कब तक आम हिमाचली अपने योगदान में वोट गिनता रहेगा। वेशक आपदा के बाद राहत के रास्तों पर सियासत के नाखुन भी चुपे हैं। ये तेरे या मेरे नहीं, हम सबके जख्मों पर नमक बनकर दिखाई दिए हैं। इसलिए जब चुराह के विधायक हंसराज अपने हलके के नुक़सान का भारीपन लिए सी करोड़ के अनुमान का जिक्र करते हैं, तो मुख्यमंत्री के

कसौली के विधायक विनोद सुलतानपुरी भी खोलते हैं। प्रदेश के 138 गांवों के नाम जातियों के आधार पर जब गूंजते हैं तो जातिवाद के कई मकबरे सजते हैं। यहां नाम बदलने को



पाक के कराची में बरसात से भारी तबाही, 10 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के प्रमुख बंदरगाह शहर कराची में मंगलवार को बारिश ने भारी तबाही मचाई। सिंध सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते लोगों से कामकाज बंद रखने की अपील की है। भारी बारिश के कारण सारा शहर बाढ़ की चपेट में है। घरों में पानी भर गया है। बिजली के कटंटे का झटका लगने, डूबने और दीवारें गिरने की घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है।

अभी भी कई इलाकों में बिजली गुल है। इस दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बाधित रहीं। गुलशन-ए-हदीद में सबसे ज्यादा 170 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अभी भी कामकाजी और अन्य लोग मलौर सहित कई इलाकों में कई फीट पानी भर जाने के कारण फंसे हुए हैं। बाशिंदों को यह स्थिति 2022 की विनाशकारी बारिश की याद दिलाती है।

खबर के अनुसार, पाकिस्तान का दक्षिणी हिस्सा मंगलवार को मानसून की सबसे भीषण बारिश से तबाह हो गया। बारिश ने महानगर कराची में भारी तबाही मचाई है। सभी प्रमुख सड़कें और अंडरपास जलमग्न हैं और जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दिन के पहले पहर

शुरू हुई बारिश सूर्यास्त तक थोड़े समय के लिए रुक-रुक कर जारी रही। बरसात से कराची का पहले से जर्जर बुनियादी ढांचा चरमरा गया।

सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने प्रांत के सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त और निजी संस्थानों के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की। उन्होंने स्कूलों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फोन पर उनसे बातचीत कर हालात का जायजा लिया।

बलोचिस्तान के 15 जिलों में हो रही बरसात: प्रांतीय आपदा अधिकारी मोहम्मद युनिस ने बताया कि बलोचिस्तान के 15 जिलों में भी बारिश हो रही है और प्रांत को सिंध से

जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो जिलों में 40 से 50 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

पूर्वानुमान और चेतावनी: पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में सिंध और बलोचिस्तान के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश का अनुमान बताया है। विभाग के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से तेज मानसूनी हवाएं लगातार मुल्क में प्रवेश कर रही हैं। यह हवाएं खासकर दक्षिणी क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि मूसलाधार बारिश से कराची, हैदराबाद, बंदीन, सजावल और आसपास के जिलों सहित सिंध के निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

बलोचिस्तान में पाकिस्तान की संघीय सरकार समर्थित चार लोगों की हत्या



क़ेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर में पाकिस्तान की संघीय समर्थित समूह पर सशस्त्र हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यह हमला सोमवार देरतार पंजगुर के सोर्डो इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक घर पर किया। हमले में एक व्यक्ति घायल भी हो गया। द बलोचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। मृतकों की पहचान गुलाम सरवर के बेटे इस्लाम और निजाम (दोनों गेवक, सोर्डो निवासी), हबीबुल्लाह पुत्र शाह मोहम्मद (शेशा, खुजदार निवासी) और अली अहमद (क़ेटा निवासी) के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मारे गए लोग पाकिस्तान की संघीय समर्थक समर्थित सशस्त्र समूह से जुड़े थे। ऐसे लोगों को इलाके में डेथ स्काउड कहा जाता है। इन समूहों पर जबरन गायब करने, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं की हत्या करने, मादक पदार्थों की तस्करी व फिरीती के लिए अपहरण जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इस हमले की अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, अतीत में ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी अक्सर बलोच स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र समूहों ने ली है। बलोचिस्तान में आजादी समर्थकों की आवाज को दबाने के लिए पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की है।

स्विट्जरलैंड ने की रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की मेजबानी की पेशकश



बर्न। स्विट्जरलैंड ने संकेत दिया है कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। स्विस् विदेश मंत्री इग्नाज़ियो कैसिस ने मंगलवार को बर्न में एक कूटनीतिक सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन वार्ताओं में शामिल होते हैं तो स्विट्जरलैंड इसके लिए विशेष इंतजाम करेगा। कैसिस ने स्विस् प्रसारक एसआरएफ से बातचीत में कहा, हम इसके लिए तैयार हैं और हमारे प्रति दिखाए गए भरोसे के लिए आभारी हैं। हमने हमेशा अपनी तत्परता जताई है, लेकिन यह सब बड़ी शक्तियों की इच्छा पर निर्भर करेगा। स्विस् विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वारंट को देखते हुए सरकार ने कानूनी स्थिति की समीक्षा कर ली है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि ऐसी बैठक सुचारु रूप से कैसे आयोजित करनी है। हमारी विशेष भूमिका और जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय होने के कारण हम यह कर सकते हैं। स्विस् विदेश मंत्रालय ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईएर नोवोस्ती से भी कहा कि यदि सभी पक्षों की इच्छा और जरूरत हो तो स्विट्जरलैंड अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिसमें मेजबान या मध्यस्थ की भूमिका निभाना भी शामिल है।

आ गया नया फीचर, व्हाट्सऐप यूजर्स कॉल को पहले से ही कर सकेगे शेड्यूल



सैन फ्रांसिस्को। व्हाट्सऐप में एक नया शेड्यूल सेल फीचर आ गया है। इस फीचर के जरिए अब व्हाट्सऐप यूजर्स कॉल को पहले से ही शेड्यूल कर सकते हैं। फीचर एंड्रॉयड और आईओएस दोनों यूजर्स के लिए है। मेटा के स्वामित्व वाला इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप धीरे-धीरे एमएस टीम और जूम जैसे फीचर्स ला रहा है। पहले से ही कई ऑफिस में कॉल और ग्रुप चैट्स के लिए व्हाट्सऐप का यूज हो रहा है, क्योंकि लोग इस पर ज्यादा सक्रिय हैं। अब शेड्यूल कॉल जैसे फीचर इसे ऑफिस वालों के लिए और भी उपयोगी बना देगा। आप पहले से ही कॉल शेड्यूल कर सकते हैं। यूजर्स ग्रुप या फिर एक एक व्यक्ति के साथ कॉल शेड्यूल कर सकता है। अब कॉल्स टैब में अपकमिंग कॉल्स को देख कर सकेगे मैनेज व्हाट्सऐप में अपने ब्लॉग पोस्ट में बताया है कि यूजर्स कॉल्स टैब में अपनी सभी अपकमिंग कॉल्स को देख और मैनेज कर सकते हैं। साथ ही कॉल में शामिल लोगों की लिस्ट और कॉल लिंक भी देख सकते हैं। इन्हें आप अपने पर्सनल कैलेंडर में जोड़ भी सकते हैं या दूसरों के साथ शेयर कर सकते हैं। शेड्यूल की गई कॉल शुरू होने पर उसमें शामिल सभी लोगों को एक नोटिफिकेशन मिलेगा। इसके अलावा कंपनी ने ग्रुप कॉल पर यूजर्स के लिए अपनी बात कहने के कई नए तरीके पेश किए हैं। अब ग्रुप कॉल में शामिल लोग हाथ उठाकर बात सकते हैं कि वे कुछ बोलना चाहते हैं या बिना किसी रुकावट के बातचीत में शामिल होने अपना रिप्लेशन भेज सकते हैं। यह बिल्कुल एमएस टीम पर ग्रुप कॉल में मिलने वाले रइसे हेंड फीचर जैसा ही है।

वैज्ञानिकों ने की सिजोफ्रेनिया की बीमारी से जुड़े जीन की खोज

लंदन, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने सिजोफ्रेनिया की बीमारी से जुड़े आठ नए जीन की खोज की है, जिससे भविष्य में इसके उपचार और समझ को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। वैज्ञानिकों ने इस महत्वपूर्ण अध्ययन में प्रोटोन-कोडिंग जीन में दुर्लभ और उच्च-प्रभाव वाले उत्परिवर्तनों (म्यूटेशन) पर ध्यान केंद्रित किया। ये म्यूटेशन सिजोफ्रेनिया से पीड़ित मरीजों में सामान्य पाए गए। शोध में दो प्रमुख जीन स्ट्रेज। और जीएनएफ 136 की पहचान की गई, जिनके बारे में मजबूत आनुवंशिक सबूत मिले हैं।

इसके अलावा छह अन्य जीन एसएलसी6ए1, केएलसी1, पीसीएलओ, ड्रेडएमवायएनडी11, बीएचसीएल2 और सीजीआरआरएफ से भी अपेक्षाकृत मध्यम स्तर का संबंध पाया गया। इनमें से एसएलसी6ए1 और केएलसीज। पहले ऐसे जीन हैं, जो केवल मिसेंस वेरिएंट के जरिए सिजोफ्रेनिया से जुड़े पाए गए। यह एक विशेष प्रकार का म्यूटेशन है, जिसमें प्रोटीन के अमीनो-एसिड अनुक्रम में बदलाव आ जाता है। कार्डिफ विश्वविद्यालय में डॉक्टर के की छात्रा सोफी चिक ने कहा कि ये निष्कर्ष बेहद अहम हैं, क्योंकि ये दिखाते हैं कि सिजोफ्रेनिया कोशिकाओं के डीएनए संगठन में बदलाव और मस्तिष्क कोशिकाओं द्वारा जीएबीए (जीएबीए) नामक रसायन का उपयोग करके संचार करने के तरीके में व्यवधान से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने बताया कि ये परिणाम सिजोफ्रेनिया के जटिल तंत्रिका जीव विज्ञान की समझ को और गहरा करते हैं तथा दवा खोज और बेहतर उपचार की दिशा में नई उम्मीद जगाते हैं। इस अध्ययन में 28,898 सिजोफ्रेनिया मरीजों, 1,03,041 स्वस्थ व्यक्तियों और इस बीमारी से प्रभावित 3,444 परिवारों के आनुवंशिक डेटा का गहन विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि इन विशिष्ट जीन्स की पहचान करना काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन यह सफलता सिजोफ्रेनिया और अन्य तंत्रिका-विकास संबंधी (न्यूरोडेवलपमेंटल) बीमारियों के बीच साझा आनुवंशिक जड़ों को और मजबूत सबूत प्रदान करती है। मुख्य लेखक और कार्डिफ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉ. इलियट रीस का कहना है कि हालांकि इन आनुवंशिक खोजों को व्यावहारिक उपचार में बदलने में समय लगेगा।



चीन में 75 वर्षीय बुजुर्ग को चैटबॉट से हो गया प्यार.....फिर क्या पत्नी को तलाक देने को तैयार

बीजिंग। पिछले कुछ महीनों से दुनियाभर में एआई का हल्ला मचा हुआ है। घर से लेकर कंपनियों तक में एआई की असर महसूस कर रही है। अब यह तकनीक लोगों की पर्सनल लाइफ में भी अपनी जगह बना रही है। चीन में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां एक बुजुर्ग को एक एआई चैटबॉट से प्यार हो गया और वह इसके लिए अपनी पत्नी को तलाक देना चाहता है। यह सुनकर उसके घर वाले भी परेशान हुए और उन्होंने बड़ी मुश्किल से बुजुर्ग को मनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 75 वर्षीय बुजुर्ग का नाम जियांग है और वहां रोजाना घंटा चैटबॉट से बात करते हैं। चैटबॉट ने प्रश्नों के उत्तर में जियांग की खूब तारीफ की और इसकारण उन्हें उससे प्यार हो गया। जियांग को घंटों फोन पर लगा देखकर एक दिन उनकी पत्नी ने उनसे इस बारे में सवाल किया। जियांग ने इसका ऐसा जवाब दिया कि उनके घर के सब लोग हेरान रह गए। उन्होंने कहा कि वह अपने ऑनलाइन पार्टनर के साथ प्यार में हैं और अपनी पत्नी को तलाक देना चाहते हैं। यह सुनकर उनकी पत्नी और बच्चे परेशान हो गए। जियांग की चैटबॉट से चैटिंग की लत से घर वाले परेशान हो गए। बात जब तलाक तक पहुंच गई, तब उनके बड़े बेटों को बीच-बचाव करना पड़ा। उन्होंने बड़ी मुश्किल से जियांग को समझाया। उन्होंने बताया कि वहां फोन पर जिससे बात करते हैं, वह कोई इंसान नहीं बल्कि प्रोग्राम किया गया चैटबॉट है। इसके बाद जियांग को यह बात समझ आई और वे तलाक की बात से पीछे हटे।



नेपाल में आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक, सेरोगेसी पर भी पाबंदी

काठमांडू, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और सेरोगेसी प्रथाओं पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में अतिम फैसला नहीं आने तक देश के सभी आईवीएफ क्लिनिक को बंद करने और सेरोगेसी पर भी रोक लगा दी है।

कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट की एकल खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की एक एकल पीठ ने निःसंतान दंपतियों के लिए चलाए जा रहे आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर रोक लगा दी है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों से



कहा है कि वे महिलाओं के हिंड संग्रह, भंडारण और प्रत्यारोपण की अनुमति तब तक न दें जब तक कि रिट को अंतिम रूप नहीं दिया जाता। इसी तरह, अदालत ने सेरोगेसी की चल रही प्रथा की प्रभावी सरकारी निगरानी को लेकर सरकार को 15 दिनों के भीतर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है।

अधिवक्ता अंकिता त्रिपाठी

कोर्ट में एक रिट दायर की थी जिसमें तर्क दिया गया है कि आईवीएफ क्लीनिकों की बढ़ती संख्या के बावजूद, शुक्राणु और अंडा दान, भ्रूण उपयोग और सेरोगेसी जैसे संवेदनशील मुद्दों को निगरानी करने के लिए कोई व्यापक कानून नहीं है। इस रिट में यह भी कहा गया था कि एक ही दाता का उपयोग करने वाले कई क्लीनिकों, सहमत के

बिना आनुवंशिक सामग्री का उपयोग और सेरोगेसी को निरंतर बढ़ावा देता है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सेरोगेसी को लेकर पहले भी आदेश जारी किया जा चुका है। जिसमें सेरोगेसी को एक व्यापार के रूप में निषिद्ध किया गया है।

अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में बांझपन प्रबंधन सेवाओं पर स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय के नए शुरू किए गए दिशा-निर्देश अपर्याप्त बताते हुए ठोस कानून बनाने की तर्फ ध्यानकर्षण किया है। हाल ही में नेपाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईवीएफ क्लिनिक के संचालन को लेकर एक दिशा-निर्देश जारी करते हुए 20 से 35 वर्ष उम्र के पुरुष और महिलाओं के अंडानुसार शुक्राणु का दान करने की छूट दी थी। इस कानून को आड़ में कम उम्र की लड़कियों और लड़कों को पैसे का लालच करके डिब और शुक्राणु दान का व्यापार होने की आशंका को लेकर रिट दायर की गई थी।

ऑपरेशनसिंदूर से हुई तबाही को छिपा रहा पाक, आर्मी चीफ मुनीर अपने ही लोगों को बना रहे बेवकूफ

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सामने गिड़गिड़ाते वाले पाकिस्तान के सेना प्रमुख विदेश जाकर अपनी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने बेलिजमान में कहा कि उन्होंने भारत को सीजफायर की मांग करने पर मजबूर किया। भारत ने खुले मंच पर साफ कहा है कि पाकिस्तान में तबाही के बाद पाक के ही डीजीएमओ ने संपर्क किया था। पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग रखी जिसे भारत ने मान ली थी। भारत ने कहा है कि दोनों देशों के युद्धविराम में अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 11 अगस्त को बुसेल्स में आयोजित एक कार्यक्रम में पाक सेना प्रमुख आसीम मुनीर ने दावा किया था कि भारत ने पहले युद्धविराम की पहल की थी। इस कार्यक्रम में करीब 500 लोग मौजूद थे। वहीं किसी को भी मोबाइल फोन या फिर रिकॉर्डिंग डिवाइस ले जाने की इजाजत नहीं थी। इस कार्यक्रम में करीब 40 मिनिट तक मुनीर अपने मुंह मियां मिट्ट बरते रहे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने भारतीय विमान मार गिराए और मुहोड़ जवाब दिया। मुनीर ने कहा कि भारत केवल संवेदना के लिए खुद को अंतर्कादक का शिकार बताता है जबकि भारत खुद पाकिस्तान में सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है। मुनीर ने कहा कि भारत के पास ट्रंप के दखल और सीजफायर के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। यह पहली बार नहीं है जब मुनीर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दाव किए हैं। बीते दिनों वॉशिंगटन में भी मुनीर ने इस तरह की बयानबाजी की थी।

ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स में 16 देशों की 280 टीमों ले रही भाग

बीजिंग, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन की राजधानी बीजिंग में आयोजित ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स में दुनिया भर के 16 देशों से आई 280 टीमों और 500 से ज्यादा रोबोट्स हिस्सा ले रहे हैं। इन खेलों में बास्केटबॉल, फुटबॉल, रेसिंग और किक बॉक्सिंग जैसे 26 खेल शामिल हैं। आयोजन की शुरुआत 1500 मीटर की रेस से हुई, जिसमें चीन की मशहूर कंपनी यूनिट्री रोबोटिक्स का रोबोट विजेता बना। यूनिट्री रोबोटिक्स के एच। मॉडल ने रेस में पहला और तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि बीजिंग की कंपनी एक्स-ह्यूमनॉइड का टिएन कुंग अल्ट्रा रोबोट दूसरे स्थान पर रहा। एच 1 रोबोट की कीमत लगभग 6.5 लाख युआन (करीब 80 लाख रुपये) बताई जा रही है।

यही रोबोट इस साल चीन के स्पिंग फेस्टिवल गाला में डॉसर्स के साथ पारंपरिक नृत्य कर चुका है। खेलों में रोबोट्स का प्रदर्शन दर्शकों के लिए

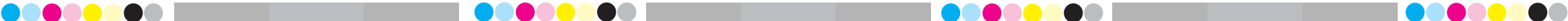


रोमांचक रहा। फुटबॉल मैच में कई रोबोट्स ने गेंद पर किक मारने की कोशिश की, लेकिन कुछ संतुलन खोकर गिर गए, जिन्हें ईसानों की मदद से है। खेलों में रोबोट्स का प्रदर्शन दर्शकों के लिए

रोबोट्स ने ग्लव्स पहनकर मुकाबला किया, जो काफी दिलचस्प रहा। इसके अलावा, पॉप म्यूजिक पर रोबोट्स का डांस परफॉर्मेंस भी दर्शकों को खूब प्रदद आया।

इस प्रतिযোগिता में केवल बड़ी कंपनियों ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों के छात्र भी शामिल हुए। शेडोंग जियाओटोंग यूनिवर्सिटी की एक टीम ने मात्र 50,000 युआन के बजट में अपना रोबोट तैयार किया, जिसमें बास्केटबॉल इवेंट में हिस्सा लिया। हालांकि, तकनीकी खामियां भी देखने को मिलीं। कई रोबोट्स शुरुआत में ही दौड़ पूरी नहीं कर पाए, कुछ स्टार्टिंग लाइन से आगे नहीं बढ़े। शेडोंग की योरोटिक्स कंपनी का जिंजिंडे ताइशान रोबोट गिरने के बाद उसका हाथ टूट गया, लेकिन

उसने दौड़ पूरी कर सबका दिल जीत लिया। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन रोबोट्स की क्षमताओं को परखने और उनकी सीमाओं को समझने का एक बड़ा मंच है।



रियल मैड्रिड ने 2008 से चली आ रही परंपरा को जारी रखे हैं कि वह ला लीगा के अपने शुरुआती मुकाबले में कभी हारता नहीं है।

शिक्षा में क्रांति के जनक: काली प्रसाद गадिरजू को मिला राष्ट्रीय सम्मान

हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईवाई के पूर्व क्षेत्रीय प्रबंध भागीदारा और ई-थैम्स बिजनेस स्कूल के अध्यक्ष, काली प्रसाद गадिरजू को हाल ही में 'एजुकेशन लीडर्स समिट एंड अवार्ड्स 2025' में 'उच्च शिक्षा में नवाचार के अग्रणी' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें तेलंगाना में प्रबंधन शिक्षा को बदलने के लिए उनके अथक प्रयासों के लिए दिया गया है, जिसमें उद्योग-एकीकृत पाठ्यक्रम और जनरल एआई आधारित शिक्षण मॉडल शामिल हैं।ग़ादिरजू का मानना ​​है कि दुनिया के बदलने के बावजूद कॉलेज के पाठ्यक्रम में बदलाव न होना अस्वीकार्य है। आज, जब एआई, नई तकनीकें और बदलता ग्राहक व्यवहार हर क्षेत्र में क्रांति ला रहे हैं, तब



भी पारंपरिक शिक्षा मॉडल पुराने ज्ञान पर ही अटक है हुए हैं।उन्होंने कहा, उद्योग को विशेषज्ञ कौशल वाले लोगों की

तलाश है, लेकिन विश्वविद्यालय पुराने ज्ञान वाले स्नातक तैयार कर रहे हैं। भारत हर साल 1 करोड़ से अधिक स्नातक तैयार करता है, लेकिन उनमें से लगभग आधे रोजगार के लायक नहीं होते। ग़ादिरजू के अनुसार, यह एक राष्ट्रीय आपातकाल है क्योंकि देश का सकल घरेलू उत्पाद लोगों की क्षमताओं पर निर्भर करता है।40 से अधिक वर्षों के वैश्विक कॉर्पोरेट अनुभव के साथ, ग़ादिरजू ने शिक्षा के पारंपरिक तरीकों को बदलने का बीड़ा उठाया है। उनके नेतृत्व में, ई-थैम्स बिजनेस स्कूल दक्षिण भारत के सबसे तेजी से उभरते बीबीए संस्थानों में से एक बन गया है। टाइम्स बीबीए एजुकेशन रैंकिंग सर्वे 2025 में, ई-थैम्स को तेलंगाना में प्लेसमेंट के लिए नंबर 1 और

हैदराबाद के निजी बीबीए कॉलेजों में नंबर 2 का स्थान मिला है।ई-थैम्स में उन्होंने 'टीएपी' लर्निंग मॉडल (सिद्धांत, अनुप्रयोग, अभ्यास) पेश किया है। यह सुनिश्चित करता है कि छात्र सिर्फ ​​सैद्धांतिक ज्ञान के साथ नहीं, बल्कि रोजगार योग्य कौशल, उद्योग की समझ और एक उद्यमी मानसिकता के साथ स्नातक हों। ग़ादिरजू का कहना ​​है, आज के छात्रों को डिग्री से बहकर दिशा, पेशेवर कौशल और उद्योग से सीधा संबंध चाहिए। इसे साकार करने के लिए, ई-थैम्स ने केपीएमजी इंडिया के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदारी की है। इसके तहत, कक्षा में वास्तविक व्यावसायिक मामलों, सिमुलेशन और उद्योग के दिग्गजों द्वारा पढ़ाए जाने वाले मास्टर क्लास को

शामिल किया गया है।भारत के 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को देखते हुए, कुशल प्रबंधकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ग़ादिरजू का मानना ​​है कि बीटेक की जगह अब बीबीए छात्रों की पसंदीदा पसंद बन रहा है। उन्होंने कहा, स्टार्टअप, एमएसएमई , और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को केवल कोडर्स की नहीं, बल्कि कुशल प्रबंधकों की आवश्यकता है। बीबीए स्नातक भारत के व्यावसायिक भविष्य की रीढ़ हैं।ग़ादिरजू के अनुसार, भारत की विकास गाथा केवल इंजीनियरों द्वारा नहीं, बल्कि प्रबंधन स्नातकों द्वारा भी लिखी जाएगी। वे कहते हैं, बीबीए शिक्षा और उद्यम के बीच एक सेतु है, जहाँ महत्वाकांक्षा का अनुप्रयोग से मिलन होता है।

न्यूज़बीफ

अदृश्य घावों के खिलाफ

लड़ाई : हैदराबाद की कार्यकर्ता को मिला राष्ट्रीय सम्मान

शहर की मानवाधिकार चैंपियन एकता विवेक वर्मा ने जीता 'अमेरिग इंडियन' पुरस्कार



हैदराबाद, 20 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद की सामाजिक और मानवाधिकार कार्यकर्ता, और इनविजिबल स्कार्स फाउंडेशन की संस्थापक, एकता विवेक वर्मा को एक राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। उन्हें अमेरिग इंडियन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन 12 गुमानाम नायकों में से एक है, जिन्हें समाज के लिए उनके असाधारण योगदान के लिए पहचाना गया है। हाल ही में नई दिल्ली में श्रम और रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री, मनसुख लक्ष्मणभाई मांडविया ने यह पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करता है, जिनके साहस, करुणा और प्रतिबद्धता ने कई लोगों के जीवन को बदल दिया है।

एकता, जो घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहार (डीवीए) विशेषज्ञ, प्रमाणित पोश ट्रेनर और चेवनिंग गुरुकुल फेलो हैं, घरेलू हिंसा का सामना कर रही महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए लगातार काम कर रही हैं। अपने इनविजिबल स्कार्स फाउंडेशन के माध्यम से, उन्होंने दुर्व्यवहार से बचे लोगों को आश्रय, कानूनी सहायता, आजीविका सहायता और भावनात्मक उपचार प्रदान करने का काम किया है।

एकता ने कहा, यह सम्मान सिर्फ मेरे लिए नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए है जिसने साहस के साथ दुनिया का सामना किया है। उन्होंने आगे कहा, मेरी यात्रा पारिवारिक व्यवस्था में भावनात्मक शोषण को देखने से शुरू हुई, और मैं जागरूकता, नीतिगत बदलाव और ऐसे दुर्व्यवहार से मुक्त समाज के लिए काम करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ।इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन एंड मेडिएशन सेंटर, गांचीबोवली के सहयोग से उनकी हालिया पहल – गैर-कानूनी पेशेवरों के लिए भारत का पहला फैमिली मेडिएशन ट्रेनिंग प्रोग्राम – ग्लोबल विवादों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है।अमेरिग इंडियन अवार्ड्स 2025 के निर्णायक मंडल में नीरजा बिड़ला, पद्मजा रूपारेल, सजीव बिखचंदानी, प्रसून जोशी और आशीषकुमार चौहान शामिल थे।

एकता का काम सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत समाज बनाने में सहानुभूति, दृढ़ता और कार्रवाई की परिवर्तनकारी शक्ति का एक प्रमाण है।

ई-बाइक डायमंडेड को लॉन्च करेंगी

ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक साल 2027 में अपनी बहुप्रतीक्षित ई-बाइक डायमंडेड को लॉन्च करेंगी। यह बाइक 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ़्तार मात्र दो सेकंड में पकड़ सकती है। इसमें ओला

का विशेष मूव ओएस ऑपरेटिंग सिस्टम, सेल्फ-ड्राइविंग फीचर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए कृत्रिम सिलिकॉन मिलाया, जिससे यह पूरी तरह स्मार्ट मशीन बन जाएगी। इसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये तक हो सकती है। ओला डायमंडेड को हल्के लेकिन बेहद मजबूत एयरो लाइट मटेरियल से बनाया गया है, जिसमें एक्टिव एयरोडायनेमिक्स तकनीक दी गई है। यह न केवल हवा के प्रवाह को नियंत्रित करके बाइक को तेज गति से चलने में मदद करती है, बल्कि स्थिरता भी बनाए रखती है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ ...

शायी से जुड़े अधिकतर कानूनों में भी लड़की की शायी की उम्र 18 वर्ष रखी गई है, लेकिन मुस्लिम पर्सनल लॉ में यौवन अवस्था (प्युबर्टी) हासिल कर चुकी लड़की के विवाह को सही माना गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत यह विवाह बाल विवाह की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में कानून का कोई कानूनी प्रश्न नहीं उठता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एक नाबालिग मुस्लिम लड़की की शायी को जायज ठहराने वाले हाई कोर्ट के आदेश को राष्ट्रीय बाल आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। पॉक्सो के तहत नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाना अपराध है और मजहब के आधार पर बालिकाओं के यौन शोषण को अनुमति देना धर्म निरपेक्षता संवैधानिक सिद्धांत के विरुद्ध है। उस वक्त सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी शायी को बच्चों के भविष्य के लिए खतरा बताया था। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में फिर सुनवाई हुई। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपनी कुछ ही अर्सा पहले का अपना निर्णय बदल दिया और कहा कि अब यह शायी वैध है। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपीसीआर की याचिका भी खारिज कर दी।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर कहते हैं कि यह बिल्कुल शरिया के आधार पर देश चलाने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने शायी के लिए नाबालिग की सहमति को आधार माना है यह चिंताजनक है। इसी तरह के एक और मामले में कल फिर सुनवाई होनी है। यदि बच्चों को सेक्स की सहमति दे दी गई तो देश समाज की बर्बादी सुनिश्चित है।

पीएम-सीएम-मंत्री...

उन्होंने कहा, अगर कल को किसी मुख्यमंत्री पर झूठा मुकदमा दर्ज कर उसे 30 दिन तक जेल में रखा जाए, तो वह अपने आप पद से हट जाएगा। यह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी कहा कि भाजपा सरकार देश को पुलिस राज्य बनाना चाहती है। उन्होंने पूछा, प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा? हम इन विधेयकों का पूरा विरोध करेंगे। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि सरकार बिना किसी जवाबदेही के सत्ता, पैसा और नियंत्रण चाहती है। उन्होंने भी इन्हें तानाशाही वाले विधेयक बताया।

केंद्र ने इस विधेयक को लेकर बताया कि संविधान में किसी ऐसे मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है जिसे गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया गया हो और हिरासत में लिया गया हो। इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद किसी मंत्री और राज्यों या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239-- में संशोधन की जरूरत है। सरकार बुधवार को लोकसभा में इस आशय का संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। इसमें प्रावधान है कि संगीन अपराधों में लगातार 30 दिन तक हिरासत या गिरफ्तारी में रहने पर हर हाल में पद छोड़ना होगा। पद नहीं छोड़ने पर राष्ट्रपति की सलाह से ऐसे मंत्रियों को हटा दिया जाएगा।

केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र शासित प्रदेशों का शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए केंद्र शासित प्रदेशों का शासन अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन की आवश्यकता है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक के नियमों को जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर लागू करने के लिए ही केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 लेकर आई है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन के बाद गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन में हटाने का प्रावधान होगा।

इस विधेयक के तहत यदि कोई मंत्री लगातार 30 दिन तक गंभीर अपराध (5 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में जेल में है, तो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। यदि प्रधानमंत्री सलाह नहीं देते तो 31वें दिन के बाद वह मंत्री अपने आप पद से हटा हुआ माना जाएगा। यदि प्रधानमंत्री स्वयं 30 दिन तक ऐसे आरोप में जेल में हैं, तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा। यदि इस्तीफा नहीं दिया, तो उनका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। इस विधेयक के तहत यदि कोई राज्य मंत्री 30 दिन तक जेल में है, तो राज्यपाल, मुख्यमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। यदि सलाह नहीं दी जाती, तो 31वें दिन से मंत्री का पद अपने आप समाप्त हो जाएगा। यदि मुख्यमंत्री स्वयं 30 दिन तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा, अन्यथा उनका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा। यही नियम दिल्ली की विधानसभा और मंत्रिपरिषद पर भी लागू होगा। यदि दिल्ली का मंत्री 30 दिन तक जेल में है, तो राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री की सलाह पर उसे पद से हटा देंगे। यदि मुख्यमंत्री 30 दिन तक जेल में रहता है, तो 31वें दिन तक उसे इस्तीफा देना होगा, वरना उसका पद स्वतः समाप्त हो जाएगा।

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इन तीन विधेयकों का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह बिल संविधान में निहित शक्ति-विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है और जनता के जरिए चुनी हुई सरकारों के अधिकार को कमजोर करता है। ओवैसी ने कहा कि इससे कार्यकारी एजेंसियों को खुली छूट मिल जाएगी कि वे मामूली आरोपों और शक के आधार पर ही जज और जज्जद दोनों बन जाएं। ओवैसी ने संसद में कहा कि यह सरकार किसी भी कीमत पर देश को पुलिस-स्टेट में बदलने पर तुली हुई है। उनके अनुसार, यह कदम चुनी हुई सरकारों पर सीधा हमला है और लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने वाला है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इन विधेयकों को लागू किया गया, तो यह भारत के लोकतंत्र पर ताबूत पर कील साबित होगा। ओवैसी ने इसे संविधान के साथ छेड़छाड़ कर जनता

प्रथम पृष्ठ का शेष...

की आवाज दबाने की कोशिश बताया।

ओवैसी के बयान के बाद विपक्षी दलों ने भी सरकार पर निशाना साधा। उनका आरोप है कि भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण और कार्यपालिका को असंमित ताकत देने का काम कर रही है। विपक्ष का कहना ​​है कि इससे न्यायपालिका की भूमिका कमजोर होगी और लोकतंत्र केवल नाम का रह जाएगा। इन विधेयकों को लेकर संसद के बाहर भी राजनीतिक टकराव तेज हो गया है और आने वाले दिनों में यह मुद्दा बड़ी बहस का कारण बनेगा।

रूस से तेल...

इसके कारण, 2019-20 में कुल तेल आयात में मात्र 1.7 प्रतिशत हिस्सेदारी से, 2024-25 में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गई और अब यह भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है। रूस से तेल खरीदना बंद करने की अमेरिकी सलाह पर बाबुशकिन ने कहा, रूस तेल का सबसे बड़ा उत्पादक है और भारत सबसे बड़ा उपभोक्ता है। किसी भी प्रकार की एकतरफा कार्रवाई से आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, मूल्य निर्धारण नीतियों में असंतुलन और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा होती है। इससे विकासशील देशों की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। मान लिए भारत रूसी तेल लेने से इन्कार कर देता है, तो इससे पश्चिम के साथ समान सहयोग नहीं हो पाएगा क्योंकि यह पश्चिमी स्वभाव में नहीं है, जो हाल के वर्षों में स्पष्ट रूप से देखा गया है। वे नए औपनिवेशिक शक्तियों की तरह व्यवहार करते हैं, वे अपने लाभ के बारे में सोचते हैं। यह दबाव अनुचित और एकतरफा है।

रोमान बाबुशकिन ने कहा, अगर पश्चिम आपकी आलोचना करता है, तो इसका मतलब है कि आप सब कुछ सही कर रहे हैं। हमें बिल्कुल यह उम्मीद नहीं है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। हम भारत के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बारे में जानते हैं। यही सच्ची रणनीतिक साझेदारी है जिसका हम आनंद ले रहे हैं। चाहे कुछ भी हो जाए, चुनौतियों के दौरान भी, हम किसी भी समस्या को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। राष्ट्रपति पुतिन की ओर से हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन के हालिया घटनाक्रम के बारे में जानकारी देने और साझा करने के लिए फोन कॉल किया गया, इसका मतलब है कि भारत रूस के लिए बहुत मायने रखता है। हम आपसी संतुष्टि के लिए कोई भी समाधान निकालने में सक्षम हैं। हमारी साझेदारी को गहरा करने से हमें साथ मिलकर आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

किसी भी पार्टी...

अब तक वह रोहतास, नवादा, नालंदा, गया और शेखपुरा में यात्रा के जरिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर कई तरह के आरोप भी लगा चुके हैं। लेकिन, चौंकाने वाली बात यह है कि मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के 20 दिन बाद भी अब तक किसी भी राजनीतिक दल की ओर से दावा या आपत्ति नहीं की गई है। चुनाव आयोग ने बुधवार सुबह मतदाता पुनरीक्षण कार्य का ताजा बुलेटिन जारी किया। चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि अब तक एक लाख 98 हजार 660 युवाओं (18 वर्ष या उससे अधिक) ने मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने और नए मतदाता पहचान पत्र बनाने के लिए फॉर्म भरा है। चुनाव आयोग ने फिर से अपील करते हुए कहा कि एक अगस्त को जारी की गयी बिहार की प्रारूप मतदाता सूची में कोई भी त्रुटि दूर करने के लिये अपने दावे और आपत्ति दर्ज करें। अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की है। चुनाव आयोग के अनुसार, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के राजनीतिक दलों के बीएलए की संख्या एक लाख 60813 है। लेकिन, अब तक किसी भी राजनीतिक दल के बीएलए की ओर से प्रासप निर्वाचक नामावली के संबंध में नाम जोड़ने या हटाने को लेकर दावा या आपत्ति नहीं किया गया है।

बच्चों को गेमिंग ...

सरकार ने महसूस किया है कि ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग समाज के लिए एक बड़ी समस्या है और इसलिए केंद्र ने लोगों के लोगों की भलाई के लिए राजस्व हानि का जोखिम उठाने का भी फैसला किया है। एक मोटा अनुमान है कि हर साल 45 करोड़ लोग अपना पैसा गंवाते हैं। उन्हें इससे लगभग 20,000 करोड़ रुपए होने का कुल नुकसान होने का अनुमान है।

मसीदे के अनुसार, कानून का उल्लंघन करके ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाएं प्रदान करने वाले किसी भी व्यक्ति को तीन साल तक की कैद या 1 करोड़ तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। ऐसी सेवाओं का विज्ञापन करने वालों को दो साल तक की जेल और/या 50 लाख तक का जुर्माना हो सकता है। रियल मनी गेम्स के लिए लेनदेन की सुविधा प्रदान करने वाले बैंक और वित्तीय संस्थान भी तीन साल तक की जेल या 1 करोड़ के जुर्माने सहित दंड के लिए उत्तरदायी होंगे। बार-बार अपराध करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। इसमें तीन से पांच साल की जेल और अधिक जुर्माना शामिल है। हालांकि, यह विधेयक ऑनलाइन मनी गेम्स खेलने वालों को अपराधी नहीं मानता, बल्कि उन्हें पीड़ित मानता है।

प्रस्तावित कानून में एक वैधानिक नियामक प्राधिकरण की स्थापना की भी बात कही गई है। इस प्राधिकरण के पास यह निर्धारित करने की शक्ति होगी कि कोई गेम ऑनलाइन मनी गेम के रूप में योग्य है या नहीं। सभी प्लेटफार्मों को प्राधिकरण की ओर से निर्धारित नियमों का पंजीकरण और पालन करना होगा। विधेयक एक ऑनलाइन मनी गेम को एक उपयोगकर्ता की ओर से शुल्क का भुगतान, धन या अन्य दांव जमा करके, धन या अन्य दांव के बदले में जीतने की उम्मीद में खेला जाता है, भले ही ऐसा गेम कौशल, मौका या दोनों पर आधारित हो।

सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक में स्पोर्ट्स और आकस्मिक मनोरंजन या कौशल-आधारित गेम्स के प्रारूपों को मनी गेम नहीं मानने की बात कही गई है। इनमें मौद्रिक दांव शामिल नहीं होते हैं। अधिकारियों ने कहा कि कानून का उद्देश्य इस क्षेत्र में खंडित विनियमन को दूर करना और जुआ, वित्तीय शोषण, मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी अवैध गतिविधियों से जुड़ी चिंताओं से निपटना है। इसके साथ ही, विधेयक में ई-स्पोर्ट्स पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की बात कही गई है। विधेयक में कहा गया है

कि इस क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा नवाचार को बढ़ावा दे सकती है और भारतीय स्टार्टअप के लिए अवसर प्रदान कर सकती है। इस क्षेत्र का विकास देश को गेमिंग डेवलपमेंट के केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है।

1.17 करोड़ लोगों ...

जैसी सरकारी संस्थाओं के डेटाबेस के साथ राशन कार्ड धारकों के विवरण का मिलान करके ऐसी सूची तैयार की है। इसके क्रॉस-सत्यापन की प्रक्रिया में विभाग ने पाया कि 94.71 लाख राशन कार्ड धारक करदाता हैं, जबकि 17.51 लाख चार पहिया वाहनों के मालिक हैं और अन्य 5.31 लाख राशन कार्ड धारक कंपनियों में निदेशक हैं। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि केंद्र ने अयोग्य लाभार्थियों की पहचान करने और उन्हें हटाने के लिए यह डेटा उपलब्ध कराकर राज्यों की मदद की गई है ताकि प्रतीक्षा सूची में शामिल वास्तविक लोग योजना का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि राशन कार्डों/लाभार्थियों की सूची की समीक्षा, अपात्र/डुप्लिकेट राशन कार्डों की पहचान और पात्र लाभार्थियों/परिवारों को शामिल करना राज्यों की जिम्मेदारी है।

एनएफएसए से मिली जानकारी के अनुसार पता चलता है कि 19 अगस्त तक 19.17 करोड़ राशन कार्ड जारी किए जा चुके हैं, और 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल लाभार्थियों की संख्या 76.10 करोड़ है। नियमों के अनुसार, सभी सरकारी कर्मचारी, एक लाख रुपए या उससे अधिक वार्षिक आय वाले परिवार, चार पहिया वाहन मालिक और करदाता मुफ्त खाद्यान्न पाने के पात्र नहीं हैं। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासकों के सलाहकारों को लिखे पत्र में केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने राशन कार्ड प्रबंधन प्रणाली डेटाबेस में पाई गई विसंगतियों के बारे में सरकार के पहले के निर्देशों को दोहराया है।

पहलगाम हमला ...

रनवे और विमानों से हंगर नष्ट कर दिए, जिससे पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली को भारी नुकसान हुआ। एनसीईआरटी के मांड्यूल, पाठ्यपुस्तकों से अलग विभिन्न विषयों पर लघु प्रकाशन होते हैं जिनका उपयोग स्कूल अतिरिक्त संसाधन के रूप में कर सकते हैं। शिक्षक और छात्रों के बीच बातचीत के रूप में, माध्यमिक स्तर के मांड्यूल, ऑपरेशन सिंदूर सम्मान और बहादुरी का एक मिशन में बताया गया है कि आजादी के बाद से, पाकिस्तान ने अक्सर भारत में शांति भंग करने की कोशिश की है कभी युद्ध के माध्यम से तो कभी आतंकवाद के माध्यम से।

ऑपरेशन सिंदूर से पहले, इस मांड्यूल में 2019 के पुलवामा हमले और बालाकोट हवाई हमले के रूप में भारत की प्रतिक्रिया पर एक खंड शामिल है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि भारत ने नागरिक क्षेत्रों को नहीं बल्कि आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाने का प्राथम्य चुना। ऑपरेशन सिंदूर के विवरण के अलावा, मांड्यूल में विदेशों में हमारे मिशनों द्वारा कूटनीतिक रूप से पहुंचने के लिए किए गए एक समन्वित और व्यापक अभ्यास का उल्लेख है।

मांड्यूल में ऑपरेशन सिंदूर को एक रणनीतिक कदम बताया है जिसने दुनिया को बताया कि भारत अपने लोगों और मूल्यों की रक्षा करेगा और हमारे सशस्त्र बलों में विश्वास बहाल किया और नागरिकों को आशस्त किया कि न्याय में देरी नहीं होगी।

कारोबारी घरानों में ...

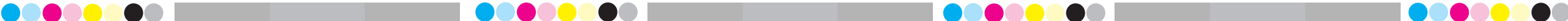
यूपी के 18 शीर्ष कारोबारी परिवारों में नादर परिवार (एचसीएल टेक्न-ोलाजी) नोएडा, अनिल राज गुप्ता परिवार (हैवल्स इंडिया) नोएडा, बर्मन परिवार (डाबर इंडिया) गाजियाबाद, मनोहर अग्रवाल परिवार (हल्दीराम सैक्स) नोएडा, विवेक जैन परिवार (आईनॉक्स जीएफएल) नोएडा, संजय गुप्ता परिवार (एपीएल अपोलो ट्यूब्स) नोएडा, साहनी परिवार (त्रिवेणी टरबाइन) नोएडा, धर्मपाल सत्यापाल परिवार (डीएस ग्रुप) नोएडा, सचिन अग्रवाल परिवार (पीटीसी इंडस्ट्रीज) लखनऊ, अनुराग गुप्ता परिवार (पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट) नोएडा, समीर गुप्ता परिवार (जेक्सन) नोएडा, झुनझुनवाला परिवार (एचईजी) नोएडा, पुरी परिवार (इसजेक हैवी इंजीनियरिंग) नोएडा, केआरबीएल परिवार (केआरबीएल) नोएडा, गौतम परिवार (शीला फोम) नोएडा, गौर परिवार (गौरसंस इंडिया) गाजियाबाद, श्रीकांत सोमानी परिवार (सोमानी सेरेमिक्स) नोएडा और अग्रवाल परिवार (वेसमेट) आगरा शामिल हैं।

अंबानी परिवार की...

वहीं, ज़िंदल परिवार की सम्पत्ति भी 21 प्रतिशत बढ़कर 5.70 लाख करोड़ रुपए हो गई। बजाज परिवार सूची में एक स्थान नीचे खिसक कर चौथे स्थान पर आ गया। उनकी सम्पत्ति 21 प्रतिशत घटकर 5.64 लाख करोड़ रुपए रह गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि सम्पत्ति के लिहाज से देश के शीर्ष 300 परिवारों ने पिछले वर्ष प्रतिदिन 7,100 करोड़ रुपए की सम्पत्ति अर्जित की। हरुन की रिपोर्ट के अनुसार, 1 अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 8,700 करोड़ रुपए) से अधिक सम्पत्ति रखने वाले परिवारों की संख्या 37 बढ़कर 161 हो गई है। सूची में शामिल एक-चौथाई से अधिक व्यवसाय एक्सचेंजों में सूचीबद्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सूची में शामिल केवल 11 प्रतिशत व्यवसाय सेवा क्षेत्र से जुड़े। वहीं बाकि 89 प्रतिशत भौतिक उत्पाद बेचते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष ऐसी नौ कंपनियां सूची से जुड़ी हैं जो परिवार के बाहर से नियुक्त पेशेवर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के जरिए व्यवसाय चलाया पसंद करती हैं। अब ऐसे परिवारों की कुल संख्या 62 है। सूची में मुंबई में सबसे अधिक 91 परिवार हैं

। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर से 62 और कोलकाता से 25 परिवार हैं। परिवारों में नई पीढ़ी की ओर से व्यवसाय चलाने के बजाय धन का प्रबंधन करने को प्राथमिकता दिए जाने के बारे में भी रिपोर्ट में चर्चा की गई है। बार्कलेज के निजी बैंक के प्रमुख नितिन सिंह ने कहा कि अगले पांच वर्षों में 130 लाख करोड़ रुपए की सम्पत्ति पीढ़ियों के बीच स्थानांतरित होने की उम्मीद है। रिकॉर्ड 71 परिवार अब समर्पित पारिवारिक कार्यालय संचालित कर रहे हैं।



आज कर्क राशि में गोचर करेंगे शुक्रदेव

हिंंदू ज्योतिष शास्त्र में शुक्र देव को विलासिता, प्रेम, वैभव और सुख शांति को प्रभावित करने वाला कारक ग्रह माना गया है। शुक्र देव जब राशि परिवर्तन करते हैं तो सभी राशि के जातकों की ग्रह दशा प्रभावित होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 21 अगस्त को शुक्र कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और बुध के साथ युति कर लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण करेंगे। शुक्र आर्द्रा, पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्रों में विराजमान रहेंगे। शुक्र मीन राशि में उच्च के होते हैं तो कन्या राशि में नीच के माने जाते हैं। उच्च शुक्र शुभ फलदायी होते हैं नीच शुक्र नकारात्मक परिणाम लेकर आते हैं। नवग्रहों में शामिल छठा ग्रह शुक्र वृषभ और तुला राशि का स्वामी माना जाता है। शुक्र एक शुभ ग्रह है यदि शुक्र कुंडली में मजबूत होता है तो जातकों को इसके अच्छे परिणाम मिलते हैं जबकि कमजोर होने पर यह अशुभ फल देता है। शुक्र को 27 नक्षत्रों में से भरणी पूर्वा फाल्गुनी और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्रों का स्वामित्व प्राप्त है। ग्रहों में बुध और शनि ग्रह शुक्र के मित्र ग्रह हैं जबकि सूर्य और चंद्रमा इसके शत्रु ग्रह माने जाते हैं।

शुक्र का पौराणिक कथाओं में प्रचलित नाम शुक्राचार्य है जिनके बाद संजीवनी विद्या थी और ये शिव के परम भक्त व महर्षि भृगु ऋषि के पुत्र हैं। सप्ताह में शुक्रवार का दिन शुक्र को समर्पित है। शुक्र के अच्छे फल के लिए महिलाओं का सम्मान करें। परशुराम की आराधना करने से भी शुक्र की कृपा प्राप्त होती है। वैदिक ज्योतिष में शुक्र ग्रह को एक शुभ ग्रह माना गया है। इसके प्रभाव से व्यक्ति को भौतिक शारीरिक और वैवाहिक सुखों की प्राप्ति होती है। इसलिए ज्योतिष में शुक्र ग्रह को भौतिक सुख वैवाहिक सुख भोग-विलास शौहरत कला प्रतिभा सौन्दर्य रोमांस काम-वासना और फैशन-डिजाइनिंग आदि का कारक माना जाता है।

शुक्र के पास अमृत संजीवनी

अमृत संजीवनी के मालिक शुक्र पृथ्वी के साथ हैं और शुक्र के पास अमृत संजीवनी है। इस कारण इस कारण प्राकृतिक आपदा और अप्रिय घटनाएं जन शून्य स्थानों पर होने की संभावना अधिक है। शुक्र अमृत संजीवनी के कारण दुर्घटना के शिकार लोगों को बचाने में सफल रहेंगे।

शुक्र का स्वभाव

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को एक महत्वपूर्ण ग्रह माना गया है। कलयुग में शुक्र को सबसे प्रभावशाली ग्रहों में रखा गया है। जन्म कुंडली में शुक्र यदि शुभ हो तो व्यक्ति को वैभव प्रदान करता है। शुभ शुक्र जीवन में सुख समृद्धि और विलासता का कारक बना जाता है। वहीं जब शुक्र अशुभ होता है तो व्यक्ति

को बीमार, अपयश, और सुखों में लाता है।

शुक्र व्यक्ति को कलात्मक बनाता

शुभ शुक्र व्यक्ति को कला के क्षेत्र में निपुण बनाता है। शुक्र प्रधान व्यक्ति इंटरटेनमेंट के क्षेत्र में नाम कमाता है। शुक्र व्यक्ति को मीडिया, फिल्म, संगीत, फैशन आदि में रूचि पैदा करता है।

शुक्र का शुभ-अशुभ प्रभाव

शुक्र के राशि परिवर्तन से भौतिक सुख और वैवाहिक सुख में वृद्धि होगी। कानूनी मामलों में वृद्धि होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। शुक्र के राशि बदलने से खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। मशीनरी समान महंगे हो सकते हैं। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। दूध से बनी चीजों का उत्पादन बढ़ सकता है। सुख-सुविधाओं की चीजों में बढ़ोतरी भी हो सकती है। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। शुक्र के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

शुक्र ग्रह के उपाय

लक्ष्मी माता की उपासना करें। सफेद वस्त्र दान करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

शुक्र के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।

मेष राशि

शुक्र का गोचर आपके लिए बहुत ज्यादा अनुकूल नहीं है। यह आपको मानसिक अशांति दे सकता है और यह आप के सुखों में भी कमी ला सकता है। इस दौरान अपनी सेहत का ध्यान रखें। लेन-देन के मामलों में भी सावधानी बरतें अन्यथा धनहानि की संभावना रहेगी। व्यापार के प्रति इनका गोचर अपेक्षाकृत बेहतर रहेगा। मकान वाहन के क्रय का योग बनेगा। शादी विवाह से संबंधित वार्ता कुछ रुकावट के बाद संपन्न होगी। कर्म भाव पर शुभ दृष्टि के प्रभाव स्वरूप कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। नए लोगों से मिलजोल भी बढ़ेगा।

वृषभ राशि

आपके साहस में वृद्धि होगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सराहनीय होंगे। हालांकि घर में परिजनों से आपकी बहसबाजी हो सकती है। शुक्र की भाग्य



भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप धर्म-कर्म के मामलों में रूचि बढ़ेगी। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी कंपनियों में सर्विस आदि के लिए प्रयास करना अथवा विदेशी नागरिकता के लिए वीजा का आवेदन करना भी सफल रहेगा।

मिथुन राशि

आपको अपनी सेहत पर ध्यान रखना होगा। इस दौरान आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। मकान वाहन से संबंधित क्रय का संकल्प भी पूर्ण हो सकता है। वहीं कार्यक्षेत्र में आपके विरोधियों का प्रभाव बढ़ सकता है इसलिए झगड़े विवाद से दूर रहें। कोर्ट कचहरी के मामले भी बाहर ही सुलझा लें तो बेहतर रहेगा। कुछ ऐसा करेंगे जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क राशि

आपका मन थोड़ा बेचैन रहेगा। मन में किसी चीज को लेकर चिंता का भाव देखने को मिल सकता है। हालांकि आपको अपने लक्ष्य पर ध्यान देना होगा। आपकी सोची समझी सभी रणनीतियां कारगर सिद्ध होंगी और कोई भी नया कार्य आरंभ करना हो अथवा अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो तो अवसर अनुकूल रहेगा। शादी-विवाह संबंधित वार्ता सफल रहेगी। ससुराल पक्ष से भी सहयोग मिलेगा। उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनाए रहें।

सिंह राशि

शुक्र का गोचर आपके खर्चों को बढ़ाएगा। इस दौरान आप महंगी वस्तुओं को खरीदेंगे। सेहत की दृष्टि से भी आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। खासकर अपनी दाहिनी आंख का ध्यान रखें। अत्यधिक यात्रा के कारण थकान का भी अनुभव करेंगे। इनकी शत्रु भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपके गुप्त शत्रु बढेंगे किंतु कोर्ट कचहरी के मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आने के संकेत। ननिहाल

पक्ष से भी सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। बैंक या किसी साहूकार से उधार न लें।

कन्या राशि

आपको आर्थिक लाभ तो होगा परंतु परिजनों से विवाद बढ़ने की भी संभावना है। किसी प्रकार के व्यापार को शुरू करने के लिए समय अनुकूल रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा बहुत दिनों का दिया गया धन वापस आने की उम्मीद। इनकी पंचमभाव पर दृष्टि के प्रभाव स्वरूप संतान संबंधी चिंता से मुक्ति मिलेगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग। नए प्रेम प्रसंग बन सकते हैं। हालांकि इसमें सावधानी बरतना भी लाजमी होगा।

तुला राशि

कर्म भाव में शुक्र गोचर आपको कामयाबी दिलाएगा। नौकरी में पदोन्नति एवं प्रभाव वृद्धि तो होगी स्थान परिवर्तन के भी योग बनेंगे। केंद्र अथवा राज्य सरकार से जुड़े कार्यों का निपटारा होगा। शासन सत्ता का पूर्ण उपयोग करें। चुनाव संबंधी कोई निर्णय भी लेना चाह रहे हों तो अवसर अच्छा है लाभ उठाएं। इनकी शुभ दृष्टि चतुर्थ भाव पर पड़ने के फलस्वरूप मित्रों अथवा संबंधियों से सहयोग तथा भौतिक सुखों की वृद्धि के भी योग।

वृश्चिक राशि

इस अवधि में आपको विदेशी मामलों से जुड़े हुए कार्यों का निपटारा होगा। विदेशी कंपनियों के साथ सर्विस आदि का अनुबंध भी हासिल करना अथवा विदेशी नागरिकता के लिए वीजा आदि का आवेदन करना भी सफल रहेगा। धर्म-कर्म के मामलों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। इनकी पराक्रम भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आपके द्वारा लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना होगी। प्रतियोगी छात्रों के लिए

समय और भी अनुकूल रहेगा।

धनु राशि

यह गोचर आपकी सेहत पर विपरीत असर डाल सकता है। विशेषकर हृदय और पेट संबंधी तंत्रों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। यही योग आपको मान सम्मान भी दिलाएगा। आपके विरोधी नीचा दिखाने की पूरी कोशिश करेंगे, इसलिए कार्यक्षेत्र में झगड़े विवाद से बचें, बेहतर रहेगा कि काम निपटाने और सीधे घर आए। आकस्मिक धन प्राप्ति के योग एवं उधार दिया गया धन भी वापस मिलने की उम्मीद। धनभाव पर दृष्टि के प्रभाव स्वरूप किसी महंगी वस्तु का क्रय कर सकते हैं।

मकर राशि

यह गोचर आपके दंपत्य जीवन में कुछ कड़वाहट ला सकता है किंतु शादी विवाह से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यापारियों के लिए यह योग और भी उत्तम रहेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार से जुड़े प्रतिष्ठानों में सर्विस आदि का आवेदन करना अथवा नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना भी बेहतर रहेगा। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा विदेशी वीजा के लिए भी आवेदन करना सफल रहेगा। लग्न भाव पर इनकी शुभ दृष्टि के प्रभाव स्वरूप सम्मान में वृद्धि होगी आपके निर्णयों की भी सराहना होगी।

कुंभ राशि

आपके शत्रुओं की संख्या बढ़ेगी। आपके अपने ही लोग आपको नीचा दिखाने की पूरी कोशिश करेंगे और कुछ न कुछ षड्यंत्र आपके खिलाफ करते रहेंगे सावधान रहें। अपने और माता पिता के स्वास्थ्य के प्रति भी चिंतनशील रहें। कोर्ट कचहरी के मामले भी बाहर ही सुलझा लें तो बेहतर रहेगा। इनकी व्यय भाव पर दृष्टि के परिणाम स्वरूप विलासिता की वस्तुओं पर अधिक खर्च होगा, कष्टकर यात्रा के भी योग। विदेशी कंपनियों एवं विदेश में रह रहे मित्रों से लाभ की उम्मीद।

मीन राशि

शिक्षा के क्षेत्र में आप कामयाब होंगे। प्रेम संबंधी मामलों में मनमुटाव बढ़ सकता है। विद्यार्थियों के लिए परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए और प्रयास करने होंगे। नव दंपति को संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के योग के साथ-साथ संतान संबंधी किसी भी चिंता से मुक्ति मिलेगी। शुक्र के लाभ भाव पर दृष्टि के फलस्वरूप आय के साधन बढ़ेंगे। थोड़ी मेहनत करने पर भी लाभ की अधिक उम्मीद कर सकते हैं।



डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

साल का दूसरा गुरु पुष्य योग, मिथुन-तुला सहित अन्य राशियों के जातक शुभ योग से पाएंगे लाभ



गुरु पुष्य योग का शुभ संयोग 21 अगस्त को बनने जा रहा है। बेहद ही शुभ ये योग दिवाली के दिन के बराबर लाभ दिलाने वाला होता है। जब भी गुरुवार के दिन पुष्य नक्षत्र प्रभाव में आता है तब गुरु पुष्य योग का संयोग बनता है। इस साल तीन दिन गुरु पुष्य योग बन रहे हैं, जिसमें से यह दूसरा होगा। इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने का असीम फल मिलता है।

इसके साथ ही इस दिन नया काम शुरू कर सकते हैं। अपने कारोबार का विस्तार कर सकते हैं। खरीदारी करने के लिए भी यह दिन बेहद शुभ माना जाता है। सोने-चांदी, वाहन, संपत्ति भी इस दिन खरीद सकते हैं। माना जाता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तु लंबे समय तक काम में आती है और उससे इच्छित लाभ भी मिलता है। 21 अगस्त को बनने जा रहे गुरु पुष्य योग के संयोग से कन्या सहित 5 राशियों को जमकर लाभ मिलेगा।

मिथुन राशि, आपकी योजनाएं होंगी सफल

मिथुन राशि के जातकों को गुरु पुष्य योग से शुभ परिणाम मिलने वाले हैं। आपकी योजनाएं सफल होंगी। अगर आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो आपके लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए काम भी तेजी से पूरे होंगे। इसके साथ ही आपको पिता या पितातुल्य लोगों का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार में आपके सुख समृद्धि का वास रहेगा। दंपत्य जीवन सुख रहेगा।

उपाय: विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें।

कर्क राशि, आर्थिक दिक्कतें होंगी दूर

कर्क राशि वालों को गुरु पुष्य योग से उम्मीद से बढ़कर लाभ मिलने के आसार हैं। कल आपके अटके हुए कार्यों में तेजी आएगी। आप सोच समझकर फैसले लेंगे और धन खर्च करेंगे। अच्छी बात यह है कि आपको गुरु या गुरुतुल्य लोगों से मार्गदर्शन मिलेगा जिससे आप सही कदम उठाएंगे। परिवार में आपके सुख शांति रहेगी। आपकी

आर्थिक परेशानियां भी दूर होती नजर आएंगी।

उपाय: भगवान विष्णु को केसर वाला दूध अर्पित करें।

कन्या राशि, जमकर कमाई के मौके मिलेंगे

कन्या राशि के जातकों के लिए गुरु पुष्य योग स्पेशल रहने वाला है। कारोबार के विस्तार की आपकी योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी। मानसिक रूप से आप मजबूत महसूस करेंगे। दीर्घकालिक निवेश की योजना बना रहे हैं तो कल का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। दोस्तों की मदद से आपको जमकर कमाई के मौके मिलेंगे। परिवार में अनुकूल माहौल रहेगा।

उपाय: विष्णु चालीसा का पाठ करें।

तुला राशि, सुख सुविधाओं में होगा इजाफा

तुला राशि वालों को गुरु पुष्य योग से बंपर लाभ मिल सकता है। आपको साझेदारी में किए जाने वाले कार्यों में अच्छे परिणाम मिल सकता है। पार्टनरशिप में नया काम शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही अपने जीवनसाथी के नाम पर आप निवेश कर सकते हैं। आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आपकी सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

उपाय: जरूरतमंदों को पीले वस्त्रों का दान करें।

धनु राशि, मनचाही सफलता मिलने के आसार

धनु राशि के जातकों के लिए गुरु पुष्य योग शानदार रहने वाला है। क्रिएटिव क्षेत्र के लोगों के कार्यों की सराहना हो सकती है। आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। आप कहीं धन का निवेश कर सकते हैं। कारोबार में आपको मनचाही सफलता मिल सकती है। रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों को कहीं से उम्मीद की किरण नजर आ सकती है। परिवार से भी आपको भरपूर सहयोग मिलेगा।

उपाय: घर से निकलते हुए पीले चंदन का तिलक लगाएं।

भाद्रपद माह की 23 को अमावस्या जानें स्नान- दान पूजा का शुभ मुहूर्त

हिंंदू धर्म में अमावस्या की तिथि को बहुत विशेष माना जाता है। साल 2025 में अगस्त माह की अमावस्या को भाद्रपद माह की अमावस्या के नाम से जाना जाता है। अमावस्या तिथि पितरों का तर्पण करने और श्राद्ध के लिए सबसे उत्तम तिथि मानी जाती है। इस दिन स्नान, दान का विशेष महत्व होता है। अमावस्या तिथि के दिन पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए।

भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को लेकर लोगों में संशय बना हुआ है। 22 या 23 अगस्त किस दिन पड़ रही है भाद्रपद माह की अमावस्या। भाद्रपद अमावस्या की तिथि की शुरुआत 22 अगस्त को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर होगी। अमावस्या तिथि का समापन 23 अगस्त को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर होगा। इसीलिए भाद्रपद माह की अमावस्या 23 अगस्त, शनिवार के दिन पड़ रही है। शनिवार के दिन अमावस्या तिथि पड़ती है तो इस तिथि को शनि अमावस्या कहेंगे।

अमावस्या तिथि को कालसर्प दोष निवारण की पूजा करने के लिए उपयुक्त माना जाता है। साथ ही इस दिन पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण भी करना उपयुक्त माना जाता है।

इस दिन बनने वाले शुभ योग

अमावस्या तिथि के दिन परिघ योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन मघा नक्षत्र रहेगा। इस दिन शनिवार के दिन और शनि अमावस्या होने के कारण इस दिन महत्व और अधिक बढ़ जाएगा। इस दिन आप शनि देव का भी आशीर्वाद ले सकते हैं।

इस मुहूर्त में करें स्नान-दान

अमावस्या तिथि के दिन स्नान और दान करने के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त सुबह सूर्योदय से पहले का होता है यानि ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान और दान करें। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त का समय रहेगा ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 34 मिनट से लेकर सुबह 5 बजकर 22 मिनट तक।

शनि अमावस्या पर इन उपाय से चमक सकती है आपकी फूटी किस्मत



हिंंदू धर्म में अमावस्या की तिथि को बहुत विशेष माना जाता है। साल 2025 में अगस्त माह की अमावस्या को भाद्रपद माह की अमावस्या के नाम से जाना जाता है। अमावस्या तिथि पितरों का तर्पण करने और श्राद्ध के लिए सबसे उत्तम तिथि मानी जाती है। इस दिन स्नान, दान का विशेष महत्व होता है। अमावस्या तिथि के दिन पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए इस दिन पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए।

अगस्त माह में पड़ने वाली अमावस्या तिथि को बहुत विशेष माना जा रहा है। भाद्रपद माह की अमावस्या 23 अगस्त, 2025 शनिवार के दिन पड़ रही है। इस अमावस्या को शनि अमावस्या के नाम से भी जाना जाएगा। इस दिन अपने पितरों के आशीर्वाद के साथ-साथ यह दिन शनि देव की कृपा प्राप्त करने के लिए फलदायी माना जा रहा है।

शनि अमावस्या की शुरुआत 22 अगस्त को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर होगी। वहीं शनि अमावस्या तिथि का समापन 23 अगस्त को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर होगा। इस दिन शनि देव की पूजा-अर्चना और दान से शनि दोष से मुक्ति और शनिदेव की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

शनि अमावस्या पर अचूक उपाय

पितरों को प्रसन्न करने के लिए शनि

अमावस्या को बहुत खास माना गया है। इस दिन पितरों के नाम का दीप दान करें। इस दिन अपने घर की दक्षिण दिशा में एक दीपक जरूर जलाएं, ऐसा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद देते हैं।

शनि अमावस्या के दिन शनि देव की मूर्ति पर सरसों या तिल का तेल चढ़ाएं। तेल चढ़ाते समय शनि देव के मंत्र 'शं शनैश्चराय नमः' का जाप 108 करें।

शनि अमावस्या के दिन काले तिल, लोहे, उड़द की दाल का दान जरूर करें। इस दान को महादान कहा जाता है।

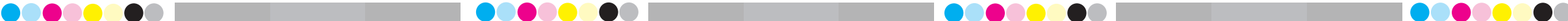
गुड़ और आटे की गोतियां बनाकर चीटियों को खिलाने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है, साथ ही शनि दोष कम होता है।

इस दिन दीप दान करें, शाम को एक पीपल के पेड़ पर, घर के मुख्य द्वार पर बांयी ओर जरूर जलाएं, एक दीपक भगवान शिव के मंदिर में जलाएं।

शनि अमावस्या के दिन किसी जरूरतमंद को सवा किलो उड़द की दाल दान करें।

साथ ही इस दिन काले जूतों का दान करें।

हनुमान चालीसा का पाठ करें और हनुमान मंदिर में जाकर चमेली का तेल चढ़ाएं।





‘जब वी मेट’ के लिए पहले भूमिका चावला को किया गया था साइन, जानें क्यों हुई करीना से रिप्लेस

सेना में पोस्टिंग के कारण उनका परिवार अलग-अलग जगहों पर शिफ्ट होता रहता था। वह तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। बचपन से ही उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ एक्टिंग और ग्लैमर की दुनिया में रुचि थी। 1997 में उन्होंने मुंबई का रुख किया। यहां उन्होंने टीवी विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम करना शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने टीवी सीरियल में भी काम किया और अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया।

भूमिका ने 2000 में तेलुगु फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की। यह उनकी पहली फिल्म थी, लेकिन सफलता इतनी बड़ी थी कि उन्हें तेलुगु फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। इसके बाद उन्होंने तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में लगातार काम किया और दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई। उनकी तेलुगु फिल्मों ‘कुशी’, ‘ओक्काडु’ और ‘सिम्हाद्री’ बड़ी हिट रहीं, वहीं तमिल फिल्मों ‘बद्री’ और ‘सिल्लु ओरु काधल’ ने भी खूब तारीफें बटोरीं। साल 2003 उनकी जिंदगी में बेहद खास रहा। इस साल उन्होंने सलमान खान की फिल्म ‘तेरे नाम’ से बॉलीवुड में एंट्री की। इस

फिल्म ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया, बल्कि भूमिका की लोकप्रियता को भी चार चांद लगा दिए। इस फिल्म के चलते बॉलीवुड में भूमिका का बोलबाला शुरू होने लगा और उन्हें कई फिल्मों के ऑफर मिलने लगे, जिनमें ‘जब वी मेट’, ‘मुन्नाभाई एमबीबीएस’, और ‘बाजीराव मस्तानी’ जैसी फिल्में शामिल थीं। ‘जब वी मेट’ में उनकी जोड़ी बॉबी देओल के साथ बनने वाली थी, लेकिन उन्हें रिप्लेस कर दिया गया।

भूमिका ने रेडियो होस्ट सिद्धार्थ कनन के पॉडकास्ट में बताया था कि ‘जब वी मेट’ का नाम पहले ‘ट्रेन’ रखा गया था। फिल्म का प्रोडक्शन हाउस बदला, तो हीरो भी बदल दिया गया। फिल्म का टाइटल और यहां तक कि उन्हें भी रिप्लेस कर दिया गया। इसी तरह ‘मुन्नाभाई एमबीबीएस’ में भी हुआ। भूमिका ने हिंदी के अलावा, पंजाबी, मलयालम, कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी खूब काम किया और तेलुगु फिल्मफेयर पुरस्कार, नंदी पुरस्कार और जी सिने अवॉर्ड जैसे अवार्ड्स अपने नाम किए। ‘तेरे नाम’ के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ डेब्यू का पुरस्कार भी मिला।



पवन सिंह लेकर आए नया महादेव एंथम ‘शंकरा’

हाल ही में रिलीज पावर स्टार पवन सिंह के नए गाने में भक्ति और जोश का जबरदस्त मेल देखने को मिला है, जिसे लोग अब ‘महादेव एंथम’ कह रहे हैं। यह गाना सिर्फ एक भक्ति गीत नहीं, बल्कि एनर्जी से भरा एंथम है, जो शिव भक्तों के दिलों को छू रहा है। जैसे ही यह गाना रिलीज हुआ, सोशल मीडिया पर छा गया और यूट्यूब पर लाखों लोगों ने इसे सुनना शुरू कर दिया। इस गाने में पवन सिंह की आवाज दर्शकों पर एक बार फिर अपना जादू बिखेर रही है। दमदार लहजे में गाया गया यह गाना न केवल भक्तों को झूमने पर मजबूर करता है, बल्कि शिव भक्ति के नए रूप को भी दिखाता है। इसमें एक खास बात यह है कि गाने में रैप भी शामिल है, जिसे किंगस्टफ ने पेश किया है। यह रैप आज के युवाओं को ध्यान में रखते हुए जोड़ा गया है, जिससे गाना ज्यादा जोशीला हो गया है। गाने में पवन सिंह की जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस देखने को मिलती है, जहां वे गुंडों से भिड़ते नजर

आते हैं। एक सीन में तो वे एक गुंडे को एक जोरदार किक मारकर दूर फेंक देते हैं, जो दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। गाने का संगीत और बोल ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसे उल्लुमनाती ने लिखे और तैयार किए हैं। इसके अलावा, गाने के डांस स्टेप्स भी बेहद आसान और फॉलो करने लायक हैं, जिससे यह सोशल मीडिया पर रीलस और शॉर्ट वीडियो में भी तेजी से ट्रेंड कर रहा है। इसे मशहूर कोरियोग्राफर और डायरेक्टर गणेश आचार्य ने डायरेक्ट किया है। कुल मिलाकर, शंकरा गाना भक्ति, एक्शन और ट्रेंडिंग म्यूजिक का तड़कता-भड़कता कॉम्बिनेशन है, जिसे पवन सिंह ने अपने खास अंदाज में लोगों तक पहुंचाया है। इस गाने को लेकर हाल ही में पवन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, ‘शंकरा’... नए युग का महादेव एंथम आ गया है। शक्ति, भक्ति और ऊर्जा का ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं हुआ।

कंचना 4 में नोरा फतेही की एंट्री, बोलीं

तमिल डेब्यू के लिए परफेक्ट फिल्म

अभिनेत्री नोरा फतेही लोकप्रिय तमिल हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी ‘कंचना’ के चौथे भाग ‘कंचना 4’ के साथ तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। इस मोस्टअवेटेड फिल्म में नोरा मुख्य भूमिका निभाएंगी।

नोरा ने ‘कंचना 4’ चुनने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मुझे लगा कि तमिल सिनेमा में डेब्यू के लिए यह एकदम सही प्रोजेक्ट है। इस फ्रेंचाइजी की पहले से ही मजबूत पहचान है और इसकी अनोखी स्क्रिप्ट ने मुझे आकर्षित किया।

नोरा फतेही ने आगे बताया, क्राइम-कॉमेडी ड्रामा ‘मडगांव एक्सप्रेस’ की सफलता के बाद मैं एक और कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी और इस प्रोजेक्ट के साथ मुझे वही रास्ता नजर आया। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए बेहद उत्साहित हूँ।

नोरा ने बताया कि तमिल भाषा सीखना आसान नहीं है। फिल्म के लिए तमिल भाषा सीखना चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने बताया, ‘‘भाषा हमेशा एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे चुनौतियां पसंद हैं। मैंने पहले हिंदी, तेलुगु और मलयालम में भी काम किया है और अब तमिल मेरे लिए सबसे मुश्किल भाषा है और इसमें काम करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूँ।

नोरा फतेही ने यह भी बताया कि वह अपने किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए किस तरह से तैयारी कर रही हैं।

उन्होंने बताया, मैं अपने लाइन्स की रिवर्सल करने और उच्चारण पर काम करने के लिए अतिरिक्त समय दे रही हूँ। इसके लिए खूब प्रैक्टिस करती हूँ। सेट पर मिला प्रोत्साहन सबसे बड़ी प्रेरणा रहा। उन्होंने कहा, क्रू को उम्मीद नहीं थी कि मैं कॉमिक सीन में इतनी सहज रहूंगी।

ऐसी प्रतिक्रिया मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करती है। यह संस्कृति और भाषा का सम्मान करने के साथ-साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने का मौका है। मुझे टीम का भी काफी सपोर्ट मिलता है।

नोरा ने तमिल और बॉलीवुड सिनेमा के अंतर को भी रेखांकित किया। उनके मुताबिक,

‘‘तमिल सिनेमा कहानी और परफॉर्मेंस पर केंद्रित है, जबकि बॉलीवुड की अपनी भव्यता और एनर्जी है। दोनों इंडस्ट्री से सीखना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है।’’



शंकर महादेवन और उनके बेटों का भक्ति गीत जय श्री गणेश रिलीज

गायक शंकर महादेवन ने अपने दोनों बेटों सिद्धार्थ और शिवम महादेवन के साथ मिलकर बुधवार को भक्ति गीत ‘जय श्री गणेश’ रिलीज किया। यह गीत गणेश चतुर्थी के उत्साह और भक्ति को जीवंत करता है। गायक ने गीत को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ‘जय श्री गणेश’ भगवान गणेश की प्रेरणा से भरा एक उत्सवपूर्ण गीत है। यह भक्ति और आनंद का एक समान मिश्रण है। मुझे खुशी होगी, अगर लोग इस गीत के साथ बप्पा का स्वागत करेंगे। सिद्धार्थ महादेवन ने बताया कि ‘जय श्री गणेश’ का माहौल बिल्कुल उत्सव मनाने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह गीत सुनने ही किसी का भी तुरंत आरती में शामिल होकर झूमकर नाचने का मन करेगा। शिवम महादेवन ने कहा, अपने पिता और भाई के साथ

गणपति बप्पा को समर्पित इस गीत को गाना मेरे लिए बहुत खास है। हम ऐसा गीत बनाना चाहते थे, जो हर घर में खुशियां और उत्सव का माहौल लेकर आए। ‘जय श्री गणेश’ अब दुनिया भर में टाइम्स म्यूजिक और सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इस गीत को भगवान गणेश के लिए एक भव्य भक्ति गीत बताया जा रहा है, जिसका संगीत केदार पंडित ने तैयार किया है और बोल नचिकेत जोग ने लिखे हैं।

इससे पहले, शंकर महादेवन ने मुंबई में रेस्टोरेंट्स की एक श्रृंखला शुरू करने की बात कही थी, जिसकी प्रेरणा लेखक आरके नारायण के काल्पनिक शहर मालगुडी से ली गई है। उनके रेस्टोरेंट्स मुंबई के लोकप्रिय इलाकों जैसे चेंबर, बोरिवली और लोअर पेल में होंगे।

बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन के बंगले में घुसा बारिश का पानी

मुंबई में इन दिनों भारी बारिश हो रही है। इससे आम लोगों से लेकर बॉलीवुड स्टार्स तक परेशान हैं। इसी बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में दिख रहा है कि बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन के जुहू वाले घर में पानी भर गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो वायरल है। इसमें अमिताभ बच्चन के जुहू वाले बंगले प्रतीक्षा के सामने और अंदर पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। वीडियो में एक शख्स मुंबई की बारिश के बारे में लोगों को बताते दिख रहा है, कैसे लोग पानी से परेशानी झेल रहे हैं। मुंबई में इन दिनों जहां देखो पानी ही पानी है। इसी बीच वो अमिताभ बच्चन के घर का रुख करता है और दिखाता है कि उनके घर में भी बारिश का पानी भर गया है।

बता दें कि अमिताभ बच्चन की तबीयत भी इन दिनों सही नहीं है। हाल ही में उन्होंने अपने आधिकारिक ब्लॉग पर ‘कोन बनेगा करोड़पति 17’ के सेट से कई तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने अपनी सेहत की भी जानकारी लोगों को दी। इस ब्लॉग की शुरुआत करते हुए बिग बी ने लिखा, ‘‘कभी भी किसी भी चीज को हल्के में न लें।’’

अमिताभ ने उस स्थिति की ओर इशारा भी किया, जहां लोग अधिकार या ताकत के आगे झुक जाते हैं, और सही फैसला लेने में हिचकिचाते हैं। उन्होंने लिखा, ‘‘कभी-कभी हम अधिकारों के सामने झुकते हैं,



और अगर सही मायने में झुकें, तो यह ठीक भी होता है, लेकिन अक्सर लोग खुद को ऐसे हालात में पाते हैं, जहां वे सही को लेकर असमंजस में होते हैं... और फिर वे बस किनारे बैठे रहते हैं। ब्लॉग में बिग बी ने कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इनमें वे कैमरे के सामने अपने खास अंदाज में मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे की चमक यह साफ दिखाती है कि वे आज भी अपने काम को पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन फिलहाल ‘कोन बनेगा करोड़पति’ का 17वां सीजन होस्ट कर रहे हैं।



आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन-जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी-छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन-देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सामान्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह-नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य-वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधि-कता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,दू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेगी और छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन-देन और कोर्ट-कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सा-वधान रहें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। इंधन भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और सामंसीक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सा-वधान रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएं। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,मी,मू,धा,फा,डा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार-धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – मो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रापटों में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन-मियों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गु,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनीं, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अना-वश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन-देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,अ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच-समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 अगस्त 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 12:46 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 12:09 तक
योग : व्यतिपात सायं 04:14 तक
करण : वणिज दोपहर 12:46 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:37 (बंगलूर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:30 (लिपरायित)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)
शुभ चौडडिया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिथ्ठी खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुरुवार पुष्य अमृत सिद्धि योग रात्रि 12:09 तक , भद्रा दोपहर 12:46 से रात्रि 12:49 तक , मासिक शिवरात्रि व्रत , गण्डमुल रात्रि 12:10 से, चातुर्मास व्रती को भाद्रपद में दूही खाना वर्जित है

पण्डित विश्व में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशास्त्रि, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फकड्ड शंका मन्दिर, रिकारबांग, हैदराबाद, (तेलंगाणा)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यमुना नदी को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए गठित की जाएगी संयुक्त कमेटी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मां गंगा की तर्ज पर यमुना नदी को भी स्वच्छ एवं निर्मल बनाने के लिए सीडब्ल्यूसी, हरियाणा सरकार और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की एक संयुक्त समिति गठित की जाएगी। यह समिति यमुना नदी की सफाई के साथ-साथ इससे संबंधित अन्य समस्याओं के समाधान पर भी कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री आज नई दिल्ली के श्रम शक्ति भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल की अध्यक्षता में "इंटर स्टेट कॉर्डिनेशन रिस्लेटेट टू यमुना वाटर रेजुविनेशन" को लेकर आयोजित बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बैठक में केन्द्रीय शहरी आवास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में सरकार बनने के बाद से योजनाओं को तीव्र गति से तैयार किया जा रहा है और उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि यमुना नदी की



स्वच्छता के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। नदी में गिरने वाले गंदे पानी के नालों को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के माध्यम से स्वच्छ करके नदी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना नदी की सफाई के अभियान के तहत अब तक 16 हजार मीट्रिक टन कचरा निकाला जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार निर्धारित लक्ष्य के तहत यमुना को स्वच्छ एवं

निर्मल बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यमुना की स्वच्छता दोनों सरकारों की सर्वोच्च प्राथमिकता है और शीघ्र ही जनता यमुना नदी का स्वच्छ रूप देख सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि करनाल जिले के पल्ला गांव से यमुना नदी में गिरने वाली ड्रेन का बीओडी स्तर 80 है। इस पानी को और अधिक स्वच्छ बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद के ओखला में यमुना नदी

राज्यों की कोई सीमाएं नहीं होती। इसके लिए दोनों राज्यों को मिलकर कार्य करना होगा तभी यमुना नदी को पूर्ण रूप से स्वच्छ एवं साफ बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रदूषित पानी सीधे रूप से यमुना नदी में न डाला जाए। इसके लिए अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नजफगढ़ झील व ड्रेन की भी मॉनिटरिंग करने के लिए दिल्ली व हरियाणा के प्रतिनिधियों व विशेषज्ञों की सेवाएं ली जाएंगी तथा हरियाणा के उद्योगों से निकलने वाले दूषित पानी के बीओडी लेवल की भी जांच की जाएगी। नायब सिंह सैनी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले की घोर निंदा करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

बैठक में केंद्रीय सचिव देवश्री मुखर्जी, दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेन्द्र कुमार, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनित गर्ग, अतिरिक्त मुख्य सचिव सिंचाई विभाग अनुराग अग्रवाल सहित सिंचाई एवं पर्यावरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण और पानी को लेकर किसी भी तरह की

हरियाणा में अपराध बेलगाम, भाजपा सरकार जिम्मेदार : दिग्विजय चौटाला



चंडीगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा है कि 'युवा जोड़ो अभियान' के चलते जेजेपी के प्रति युवाओं का क्रेज दिन-प्रति बढ़ा है और बड़ी संख्या में युवा जेजेपी के साथ जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जेजेपी मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है और प्रदेश के मुद्दों को प्रमुखता के साथ उठा रही है। बुधवार को दिग्विजय चौटाला गुरग्राम में युवा जोड़ो अभियान के

तहत युवाओं के साथ रूबरू थे।

दिग्विजय चौटाला ने भाजपा सरकार को विफल बताते हुए कहा कि आज कमजोर शासक के कारण हरियाणा का बुरा हाल हो चुका है और प्रदेश के नागरिक बढ़ते अपराध के चलते डर के साये में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि भिवानी में मनीषा हत्याकांड के बाद अब इंद्री में भी एक नाबालिग लड़की की लाश मिली है। उन्होंने कहा कि कई दिन गुरग्राम में युवा जोड़ो अभियान के

हत्याकांड सुलझाने में नाकाम रही है। दिग्विजय ने कहा कि सरकार को अपराध पर लगातार लगाने के लिए पुलिस को खुली छूट देनी चाहिए ताकि प्रदेश के हालात सुधरे।

दिग्विजय चौटाला ने यह भी कहा कि भाजपा दोहरी नीतियों अपनाकर जनता के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने कहा कि जब सरकार में जेजेपी हिस्सेदार थी तो बुढ़ापा पेंशन भी बड़ी और नई मंडियां भी बनी लेकिन अब भाजपा सरकार में बुढ़ापा पेंशन बढ़ाने की बजाय लाभार्थियों की संख्या घटाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा पेंशन में आय की शर्त लगाना गलत है, यह बुजुर्गों के हितों के साथ खिलवाड़ है। विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचने पर स्थानीय लोगों द्वारा दिग्विजय चौटाला का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर अनेक युवाओं ने जेजेपी में शामिल होने की घोषणा की और पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

जैसा खाएंगे अन्न वैसा हो जाएगा मन, हर रूप में हो हिंसा का त्याग : कुमुदलताजी म.सा.

भीलवाड़ा, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

भगवान महावीर ने इस धरा पर जीयो ओर जीने दो का संदेश दिया। उसे अपनाते हुए हम जीवन के हर रूप में हिंसा को कम करना है। जैसा हम अन्न खाएंगे वैसा हमारा मन हो जाएगा। जैन समाज यदि जागृत नहीं हुआ तो वह दिन दूर नहीं जब दो तरह के जैनी शाकाहारी व मांसाहारी जैनी हो जाएंगे। अंडा कभी शाकाहार नहीं हो सकता है। हम इस हालात से बचने के लिए बच्चों को धर्म और जैनत्व के संस्कारों से जोड़ना होगा। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी

म.सा. ने आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में पर्वाधिराज पर्वपूषण महापर्व के अष्ट दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन के पहले दिन बुधवार को प्रवचन में व्यक्त किए। जिनवाणी श्रवण करने श्रावक श्राविकाएं उमड़े। पहले दिन प्रवचन का विषय "आत्मशुद्धि की असली पूंजी पर्वपूषण जीवन की असली पूंजी अहिंसा" रहा। सुबह प्रवचन से पूर्व वास्तुशिल्पी पद्मकीर्तिजी म.सा. ने अंतगडदशा सूत्र का वाचन किया। दोपहर 2 से 3 बजे तक विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. ने करुणसूत्र का वाचन किया। दोपहर में



स्वास्तिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पर्वपूषण महापर्व के पहले ही दिन तेल तप करने की भावना के साथ सेकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास के प्रत्याख्यान लिए। प्रवचन में साध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने जीवन में हिंसा को किस तरह कम कर सकते इस पर चर्चा करते हुए कहा कि बाल्टी की बजाय शॉवर से स्नान और स्विमिंग पुल में नहाना भी जीव

हिंसा को बढ़ाने का रूप है। बाजार में खाने से पहले ये जरूर देखे कि उसमें कोई मांसाहारी चीज तो नहीं मिली हुई है। हवाई यात्रा करते समय यथासंभव वहां मिलने वाले भोजन से बचे और जिस बर्तन में मांसाहार परोसा जा रहा उसी से शाकाहारी भोजन भी परोसे तो पाप के भागीदार होंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे वस्त्रों व सामग्री का उपयोग नहीं करें जो चमड़े या जानवरों से तैयार होती

जीवन में बदलाव लाए। राग द्वेष छोड़ कर्मों के बंधन तोड़े। तन से पहले मन की शुक्र जरूरी है और चिंतन करें कि हमारा जीवन किधर जा रहा है। हमें अधर्म को छोड़ पुण्य की तरफ बढ़ना है। पर्वपूषण पर्व हमें अपने कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जैन कहलाना आसान है पर जैन बनना मुश्किल है। कभी भी अनाज व पानी झूठा नहीं छोड़े। प्रकृति की सुरक्षा के लिए पेड़ काटना बंद करें। साध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा. ने मधुर प्रेरणादायी भजनों की भी प्रस्तुति दी। पर्वपूषण महापर्व के दूसरे दिन सुबह 8.30 बजे से अंतगडदशा सूत्र का वाचन होगा।

डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा का दिल्ली दौरा राजस्थान में चिकित्सा सेवाओं और शिक्षा के विकास को लेकर केंद्रीय मंत्री के साथ चर्चा



जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव से मुलाकात कर विभागीय विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा आयोजित सोसाइटी के द्वितीय उपवेशन में सम्मिलित होकर विभागीय विषयों पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की अध्यक्षता में विस्तृत चर्चा की

तथा उपस्थित जनों को संबोधित किया। इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के सुदृढीकरण, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में केंद्रीय आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेश्वर, वित्तीय सलाहकार अब्बास, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, एनआईए सोसाइटी के सदस्यगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने संस्थान द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हम आशा व्यक्त करते हैं कि आयुष मंत्रालय के मार्गदर्शन में यह संस्थान आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

आरजीएचएस घोटाले पर सरकार का हंटर मुख्य सचिव का अल्टीमेटम, 15 दिन में निपटें आरजीएचएस और भर्ती में फर्जीवाड़े के केस

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान सरकार अब उन कर्मचारियों और अभ्यर्थियों पर शिकंजा कसने जा रही है जिन्होंने या तो आरजीएचएस योजना का दुरुपयोग किया या फिर फर्जी तलाक/प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी हासिल की। मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में 15 दिन के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह कदम सरकार की पारदर्शिता और ईमानदारी की मंशा को दर्शाता है, मगर साथ ही यह सवाल भी खड़े करता है कि आखिर सिस्टम की इतनी बड़ी खामियां वर्षों तक अनदेखी क्यों की गईं?



हाल ही में आरजीएचएस योजना में हुई गड़बड़ियों ने सरकार को कठोर कदम उठाने पर मजबूर किया है। कई मामलों में पाया गया कि कर्मचारियों ने गलत दवाइयों के नाम पर घरेलू को सामान खरीदा या आपात्र रिश्तेदारों का इलाज करवाया। शिक्षा विभाग ने तो पिछले दिनों ही ऐसे छह शिक्षकों को निलंबित कर दिया था। अब

सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी विभाग में मिली अनियमितता पर बख्शा नहीं जाएगा। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि तलाक, आय, ईडब्ल्यूएस, खेल या दिव्यांगता प्रमाणपत्रों में हेराफेरी कर नौकरी पाने वाले अभ्यर्थियों पर भी कार्रवाई होगी।कर्मचारी चयन आयोग ने हाल ही में ऐसे कई मामलों की पहचान की है। 'कागजी तलाक' और फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्रों के जरिए नौकरी हथियाने वालों को चिन्हित कर जांच शुरू की जा चुकी है। यह कदम सरकार की मंशा को तो दर्शाता है, लेकिन साथ ही यह भी उजागर करता है कि भर्ती प्रक्रिया में निगरानी की बड़ी खामियां लंबे समय से मौजूद हैं।



कांग्रेस की योजनाओं के जरिए हम गरीबों की जेब में 1 लाख करोड़ डाल रहे हैं: शिवकुमार

लोग आज भी राजीव गांधी के योगदान को याद करते हैं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस सरकारों की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के जरिए हम गरीबों की जेब में 1 लाख करोड़ डाल रहे हैं। यहां कीन्स रोड स्थित केपी-सीसी कार्यालय में आयोजित पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स की जयंती समारोह के अवसर पर, डीसीएम डी.के. शिवकुमार, जो केपीसीसी अध्यक्ष भी हैं, ने दिग्गज नेताओं के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा हमारी सरकार को गारंटी योजना लागू किए दो साल हो गए हैं। आपको लोगों को इसकी याद दिलानी चाहिए। हमने इस योजना को लागू करके



आपको एक हथियार दिया है। आपको इसका सही इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी सरकार किसानों को मुफ्त बिजली के लिए 20,000 करोड़ रुपये, विभिन्न पेंशन योजनाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये, पंचायत गारंटी योजना के लिए 52,000 करोड़ रुपये और सामाजिक कल्याण योजनाओं के लिए 1 लाख करोड़ रुपये गरीबों की जेब

में डाल रही है। क्या इस 1 लाख करोड़ रुपये में भाजपा या दल का कोई कार्यक्रम है? जब मैं विधायक था, जे.एच. पटेल के समय, पंचायतों को 1 लाख रुपये का अनुदान दिया जाता था। कुष्णा के समय में, हमने इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया। हमने पंचायतों में 27 विभाग शामिल किए। कांग्रेस पार्टी ने पंचायतों को यह अधिकार दिया

है। उन्होंने कहा जेडीएस की बात करें तो महान गौड़ा, उनके बच्चों और नाती-पोतों ने क्या-क्या कुर्बानियाँ दी हैं? भाजपा की बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम में उनका क्या योगदान था? सत्ता में आने के बाद, क्या उन्होंने गरीबों को खाना खिलाया? क्या उन्होंने जमीन दी? बंगारप्पा किसानों को मुफ्त बिजली देने वाले पहले व्यक्ति थे और जब मैं मंत्री बना,

तो मैंने बिजली छह घंटे से बढ़ाकर सात घंटे कर दी। पहले हम इसके लिए हर साल 800 करोड़ रुपये देते थे। अब हम 20 हजार करोड़ रुपये दे रहे हैं। उन्होंने कहा आज युवाओं के लिए बहुत प्रेरणादायक दिन है। हाल ही में हमारे युवा नेता बी.वी. श्रीनिवास ने रन फॉर राजीव नामक एक मैराथन का आयोजन किया था। सुबह साढ़े पाँच बजे लगभग 15 हजार लोग इकट्ठा हुए थे। इसमें कई आम लोगों ने भी हिस्सा लिया। हमारे लोग आज भी राजीव गांधी के योगदान को याद करते हैं। उन्होंने कहा जब मैं छात्र था, तब मैं सामान्य छात्रावास में रहता था। उस समय हमारे गाँव में टेलीफोन कनेक्शन नहीं था। इसे प्राप्त करने में तीन-चार साल लग जाते थे। लेकिन आज हर किसी के पास दो-तीन फोन हैं। राजीव गांधी ही थे जिन्होंने इस देश में कंप्यूटर और टेलीफोन

तकनीक की क्रांति लाई। उन्होंने कहा राजीव गांधी युवाओं के प्रति विशेष रूप से चिंतित थे। उन्होंने संविधान में 74वाँ संशोधन किया और यह सुनिश्चित किया कि पंचायत से लेकर संसद तक नेता हों। सदन में भाजपा नेता शिकायत कर रहे थे कि 74वाँ संशोधन प्रभावित होगा। मैं इस 74वें संशोधन को प्रभावित किए बिना ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी को लागू कर रहा हूँ और पाँच निगम बना रहा हूँ। मैं भी जिला पंचायत सदस्य के रूप में यहाँ तक पहुँचा हूँ। 2 सितंबर तक नए निगम की नेमप्लेट लग जाएगी। फिर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्वितरण किया जाएगा और मतदाता सूची तैयार की जाएगी। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद, निगम चुनाव होंगे। राजीव गांधी ही थे जिन्होंने मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की थी। हम ऐसे वीर नेताओं को याद कर रहे हैं।

हुब्बल्ली में पुनर्निर्मित बस स्टेशन 30 अगस्त को खुलेगा



फ्लाईओवर 10 सितंबर तक पूरा होगा

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। धारवाड़ की उपायुक्त दिव्या प्रभु जी.आर.जे. ने कहा कि हुब्बल्ली के कितूर चेन्नम्मा सर्कल पर एलिवेटेड रोड का काम 10 सितंबर तक पूरा हो जाएगा और सर्कल के पास पुराना (अब पुनर्निर्मित) बस अड्डा 30 अगस्त को फिर से खोल दिया जाएगा। यहां मिनी विधान सौधा में जन शिकायत बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और शेष 10 प्रतिशत काम के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा मैं 25 अगस्त को चल रहे काम की व्यक्तिगत रूप से समीक्षा करूँगी। हमने के.सी. सर्कल के पास पुनर्निर्मित पुराने बस अड्डे को 30 अगस्त को फिर से खोलने का फैसला किया है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि एलिवेटेड रोड परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। लगातार बारिश के कारण काम में देरी हुई। उन्होंने कहा कि

यातायात संबंधी समस्याओं के कारण, गदग रोड पर एलिवेटेड रोड परियोजना का काम 1 अक्टूबर से शुरू होगा। हुब्बल्ली के नेहरू स्टेडियम की दयनीय स्थिति पर, जिसके कारण स्कूली बच्चों को कीचड़ भरे मैदान में मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम करने पड़ते हैं, उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त को इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने के निर्देश दिए गए हैं। भू सुरक्षा योजना के तहत, भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है और हुब्बल्ली तथा अलनावर तालुकों में शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है। अन्य तालुकों को अगले छह महीनों में शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना पूरी होने के बाद, लोग वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवश्यक शुल्क का भुगतान करके दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं। बैठक के दौरान, उपायुक्त को 20 आवेदन प्राप्त हुए और संबंधित अधिकारियों को उमका समयबद्ध तरीके से समाधान करने के निर्देश दिए गए।

उडुपी जिले में भारी बारिश और तेज हवाओं से भारी नुकसान



उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले दो दिनों से तेज हवाओं के साथ हुई भारी बारिश ने उडुपी जिले में व्यापक नुकसान पहुँचाया है। हेबरी तालुक सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहाँ हजारों पेड़ उखड़ गए हैं और सैकड़ों घरों को आंशिक नुकसान पहुँचा है। रिपोर्टों के अनुसार, हेबरी और करकला तालुकों में कई घर और बागान क्षतिग्रस्त हुए हैं। ग्राम पंचायतों नुकसान की रिपोर्ट एकत्र कर तहसीलदार कार्यालय को भेज रही हैं। राजस्व अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है, मौक़े का निरीक्षण किया है और उच्च अधिकारियों को नवीनतम जानकारी भेजी है। बेलमन, नंदलिके, चारा और मुद्रडी जैसे इलाकों में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। अकेले हेबरी तालुक में ही 30 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए हैं और हजारों पेड़ उखड़ गए हैं। कब्बनीले और कोपोली इलाकों में 10 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि सुप-गरी के बागानों को भी भारी नुकसान पहुँचा है। बेलमन में 25 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। तेज हवाओं के कारण पूरे तालुक में बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। मंगलवार सुबह की रिपोर्ट के मुताबिक, हेबरी, करकला और कुंडापुर तालुकों में सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है, जबकि उडुपी, हेबरी, कुंडापुर और बिंदूर में भारी बारिश हुई है। कुंडापुर तालुक में पेड़ों के गिरने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पेड़ गिरने से कुल मिलाकर 14 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसमें लगभग 5 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। कुंडापुर के मोलाहल्ली में, सीता कुलाल का पशुशाला क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे अनुमानित 50,000 रुपये का नुकसान हुआ, जबकि अलुरु में, शेषगिरी आचार्य का पशुशाला क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे 30,000 रुपये का नुकसान हुआ। सोमवार सुबह से मंगलवार तक, जिले के सात तालुकों में औसतन 79 मिमी बारिश दर्ज की गई। हेबरी में सबसे अधिक 105.5 मिमी बारिश हुई, उसके बाद कुंडापुर (92.8 मिमी), बिंदूर (83.5 मिमी), उडुपी (74.9 मिमी), ब्रह्मवार (66.3 मिमी), करकला (60.9 मिमी) और कौप (39.5 मिमी) का स्थान रहा। मंगलवार सुबह तक रेड अलर्ट लागू रहने के बावजूद, बाद में बारिश कम हो गई और कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई। बिंदूर, कुंडापुर, हेबरी, करकला और ब्रह्मवार में कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जबकि उडुपी में सोमवार रात हल्की बारिश हुई।

अनाथालयों के बच्चों के लिए विशेष आरक्षण: मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अनाथालयों में रहने वाले बच्चों को बुनियादी दस्तावेज उपलब्ध कराने के अलावा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने उन्हें एक अलग श्रेणी में रखने और दिव्यांगों की तरह आरक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाने का वादा किया है। विधानसभा में प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान, विधायक नयना मोटाप्पा ने कहा कि राज्य के अनाथालयों में रहने वाले बच्चों के पास जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड सहित कोई भी दस्तावेज नहीं है। उन्हें अपनी जन्मतिथि नहीं पता है और न ही उनके माता-पिता के बारे में जानकारी है।

अनाथ बच्चों और मानव तस्करी में फंसे बच्चों की स्थिति दयनीय है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार के परामर्श से, उन्हें उचित दस्तावेज उपलब्ध कराए, उन्हें एक विशिष्ट जाति में शामिल करें, आरक्षण प्रदान करें और उच्च शिक्षा व विदेश में अध्ययन के लिए सहायता प्रदान करें। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने उत्तर दिया कि राज्य में 712 अनाथालय हैं, जिनमें 358 लड़कों के लिए, 280 लड़कियों के लिए और 74 दत्तक ग्रहण संस्थान हैं। इनमें से 17,409 बच्चे, जिनमें 9,175 लड़के और 2,874 लड़कियाँ शामिल हैं, आश्रय ले चुके हैं।



मैंने इन बच्चों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के लिए समाज कल्याण विभाग को दो बार पत्र लिखा है। लेकिन फाइल वापस कर दी गई है। इन बच्चों को सामान्य श्रेणी में माना जा रहा है और उन्हें शिक्षा का अधिकार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जाति प्रमाण पत्रों को लेकर व्यास भ्रम का स्थायी समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस पर स्पष्टीकरण देते हुए, नयना मोटाप्पा ने कहा कि यह केवल जाति तक सीमित मुद्दा नहीं है, अन्य प्रमाण पत्रों, जैसे आधार कार्ड न बन पाने, को लेकर भी समस्याएँ हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार से पत्र लिखकर स्पष्टीकरण माँगा जाए। कृषि विपणन मंत्री शिवानंद पाटिल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा

कि नयना मोटाप्पा ने एक गंभीर मुद्दा उठाया है। समाज कल्याण मंत्री ने सुझाव दिया कि इस समस्या को एक विशेष मामले के रूप में माना जाना चाहिए और इसका समाधान निकाला जाना चाहिए।

समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने कहा कि अनाथों, कूड़ा बीनने वालों और देवदासियों के बच्चों को विशेष मामले के रूप में माना जा रहा है और उन्हें शिक्षा का अधिकार दिया जा रहा है।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने समस्या को फिर से स्पष्ट करते हुए कहा कि अनाथों की जाति निर्धारित करने में समस्याएँ हैं। 17,000 बच्चों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की अनुमति दी जाए। उनके माता-पिता नहीं हैं। सरकार को माता-

पिता की जगह लेते हुए उन्हें विशेष श्रेणी में शामिल करना चाहिए और सुविधाएँ प्रदान करनी चाहिए। वरिष्ठ विधायक पी.एम. नरेंद्रस्वामी ने कहा कि उन्हें अनाथों के प्रति सहानुभूति है, लेकिन राज्य सरकार उन्हें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति समुदाय में शामिल करने का अधिकार नहीं रखती। यह केवल केंद्र सरकार ही कर सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि आपात स्थिति में एक विशेष श्रेणी बनाई जा सकती है और सुविधाएँ प्रदान की जा सकती हैं। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि जब अनाथ बच्चे मिलते हैं, तो चिकित्सा अधिकारियों द्वारा उनकी जाँच की जाती है और उनकी आयु की पहचान करके जन्म प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं।

रामदुर्ग में छत गिरने से 75 वर्षीय बुजुर्ग की मौत



बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के रामदुर्ग में रात भर हुई भारी बारिश के कारण एक 75 वर्षीय व्यक्ति के घर की छत गिरने से उसकी मौत हो गई। 75 वर्षीय वामन राव बापू पवार, गिंगापुर पेट में महादेव मंदिर के पास अपने घर में सो रहे थे, जब बुधवार सुबह लगभग 4 बजे छत गिर गई। वह

मलबे में दब गए और दम घुटने से उनकी मौत हो गई। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के अधिकारी और पुलिसकर्मी मौके पर पहुँचे और शव को बाहर निकाला। पुलिस उप-निरीक्षक सविता मुन्याला ने घटनास्थल का दौरा किया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

सड़क हादसे में दो मेडिकल छात्रों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिवमोगा में बेंगलूरु-होन्नावर रोड पर सर्किट हाउस के पास बुधवार को एक मिनी ट्रक से दोपहिया वाहन की आमने-सामने की टक्कर में दो मेडिकल छात्रों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान उडुपी जिले के कटपडी निवासी 21 वर्षीय आदित्य और दावग-गरे जिले के न्यामति निवासी 21 वर्षीय संदीप के रूप में हुई है। दोनों शिवमोगा आयुर्विज्ञान संस्थान में एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र हैं। वे कॉलेज के छात्रावास में रहते थे। पुलिस के अनुसार, छात्र सुबह करीब 5 बजे एपीएमसी यार्ड के पास एक पेट्रोल



पंप पर गए थे। छात्रावास लौटते समय उनकी बाइक बी.एच. रोड से कुवेम्पु रोड की ओर मुड़ रहे मिनी ट्रक से टकरा गई। हेलमेट न पहने छात्रों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो

गई। ट्रक धूँ ले जा रहा था। ट्रक के चालक नारायण को मामूली चोटें आईं। शिवमोगा ट्रैफिक (पश्चिम) पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए मैकगैन अस्पताल पहुंचाया।

मेंगलूरु पुलिस ने छापेमारी में 8.5 लाख रुपये से अधिक मूल्य का नकली खेल सामान जब्त किया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ब्रांड प्रोटेक्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, मेंगलूरु शहर पुलिस ने प्रतिष्ठित ब्रांड कॉस्को, निविया और योनेक्स के नाम से नकली खेल के सामान की बिक्री पर कार्रवाई की है।

ब्रांड प्रोटेक्टर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के दक्षिण भारत क्षेत्रीय प्रमुख स्टीफन राज द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 के तहत मामले दर्ज किए गए। उल्लाल पुलिस ने धारा 51(1)(बी), 63 के तहत मामला संख्या 140/2025 दर्ज किया, जबकि मेंगलूरु उत्तर (बंदर) पुलिस ने



उन्हीं प्रावधानों के तहत मामला संख्या 95/2025 दर्ज किया। मामला दर्ज होने के बाद, 18 अगस्त को उल्लाल थाना क्षेत्र में और 19 अगस्त को बंदर थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने लगभग 300 नकली फुटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन रैकेट जब्त किए।

प्राथमिक अनुमान के अनुसार, उल्लाल पुलिस थाने में लगभग 3.5 लाख रुपये मूल्य के उत्पाद जब्त किए गए, जबकि बंदर पुलिस थाने में लगभग 5 लाख रुपये मूल्य का सामान जब्त किया गया।

जब्त किए गए नकली सामानों की कुल कीमत 8.5 लाख रुपये से ज्यादा है। पुलिस ने बताया कि नकली सामान उल्लाल स्थित स्पोर्ट्स विनर शॉप और बंदर स्थित महादेव स्पोर्ट्स सेंटर में बेचा जा रहा था।

शुरुआती जाँच से पता चलता है कि ये उत्पाद जालंधर से मँगवाए गए होंगे। डीसीपी (कानून व्यवस्था) मिथुन ने कहा कि

छापेमारी अभी जारी है और आगे की जाँच जारी है। उन्होंने कहा ग्राहकों को खेल का सामान खरीदते समय सावधान रहना चाहिए।

नकली और असली खेल के सामान में बहुत ही मामूली अंतर होता है, यहाँ तक कि कीमत भी लगभग एक जैसी होती है। ग्राहक अक्सर फॉन्ट, रंग-रूप आदि जैसी छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देते, इसलिए वे असली समझकर नकली खेल का सामान खरीद लेते हैं। इस मौके पर डीसीपी (अपराध एवं यातायात) रविशंकर, एसीपी प्रताप सिंह थोराट और एसीपी विजया क्रांति भी मौजूद थे।